@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 4 नवंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 365 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जंगलराज वालों को सजा दो, बिहार को बचाओ : प्रधानमंत्री

● कांग्रेस-राजद ने बिहार के साथ दुश्मनी निभाई, इन्हें सा लूटने की है आदत : मोदी

● जंगलराज वालों को सजा दो, बिहार को बचाओ : प्रधानमंत्री

● जनता की सेवा नहीं, परिवार की सेवा करती रही कांग्रेस-मोदी

एजेंसी

सहरसा। बिहार विधानसभा के लिए पहले चरण के लिए होने वाले मतदान का प्रचार अभियान अब अपने अंतिम चरण में है।तमाम दलों के नेता प्रदेश की जनता से अपने-अपने दलों के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पहले चरण की वोटिंग से पहले सहरसा में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत महागठबंधन के तमाम घटक दलों पर तीखा प्रहार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहरसा में चुनावी सभा को संबोधित

करते हुए कहा कि बिहार को एक बार फिर जंगलराज में धकेलने की कोशिश की जा रही है।

राजद और कांग्रेस ने बदले की राजनीति में बिहार का विकास रोक दिया था। बिहार का फैसला अब सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का फैसला होगा। उन्होंने कहा कि जंगलराज की राजनीति को जनता ने एक बार हराया था और अब 2025 में उसे इतिहास से मिटा देने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की पहचान अब भ्रष्टाचार या डर नहीं, बल्कि विकास, डिजिटल शक्ति और वैश्विक सम्मान से है। जो लोग बिहार को 90 के दशक में अंधेरे में छोड़ गए थे, वे अब देश को पीछे धकेलना चाहते हैं। कांग्रेस और राजद की पहचान विनाश से है, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहचान विकास से है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि दिल्ली की कांग्रेस नीत सरकार ने राजद के साथ मिलकर बिहार का पैसा रोक दिया था, विकास योजनाओं पर ताले लगा दिए थे। यह बदले की राजनीति थी, बिहार की जनता को सजा दी गई थी। डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार ने कोसी महासेतु जैसे प्रोजेक्ट लटकाए रखे, सिर्फ इसलिए कि नीतीश सरकार राजग की थी। कांग्रेस-राजद ने बिहार के साथ दुश्मनी निभाई, बिहार के हक का पैसा रोक लिया।

बिहार चुनावः

सरकार ने युवाओं के रोजगार के लिए कभी नहीं सोचाः मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

हाजीपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी सोमवार को बिहार चुनाव के प्रचार में उतर गए। उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सरकार पर सियासी हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 20 साल से इनकी सरकार है, लेकिन आज भी ये जंगलराज की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बिहार आते हैं तो कहते हैं कि जंगलराज को हटाना है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि 20 साल से वे सरकार चला रहे हैं। क्या अब तक आप 'जंगलराज' खत्म नहीं कर पाए? उन्होंने दावा करते हुए कहा कि अब बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं। नीतीश कुमार से कहा जाएगा, 'आपका काम हो गया। आपकी तबीयत ठीक नहीं है, आप घर बैठिए।'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, 'पंचायत चुनाव से लेकर सांसद के चुनाव में पीएम मोदी ही घूमते हैं, हर बार उनका ही चेहरा दिखाई देता है। उनके चेहरे को देखकर लोग कितनी बार वोट देंगे।' उन्होंने आगे कहा कि 20 साल से यह सरकार है, लेकिन आज तक कभी यहां की सरकार ने

युवाओं के रोजगार के लिए नहीं सोचा। आज भी यहां के लाखों लोग रोजगार के लिए पलायन करते हैं। जब यह सरकार 20 साल में कोई काम नहीं कर सकी तो आगे क्या करेगी? उन्होंने कांग्रेस को सर्व समाज की पार्टी बताते हुए कहा कि यह सबके कल्याण की बात करती है। उन्होंने लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील की। गरीबों के लिए कांग्रेस बराबर काम करती रही है।

पीएम मोदी ने जयपुर हादसे पर जताया दुख

● मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की मदद की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। जयपुर के हरमाड़ा स्थित लोहामंडी क्षेत्र में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख प्रकट किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सांत्वना संदेश जारी करते हुए कहा कि राजस्थान में हुए हादसे में हुई जान-माल की हानि से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद्र बैरवा ने हादसे पर दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर दुख प्रकट करते हुए घायलों के उचित इलाज के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जयपुर के हरमाड़ा स्थित लोहामंडी क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में

जनहानि अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने परमधाम में स्थान दें व शोकाकुल परिवारजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बनेगी, कांग्रेस-राजद का सूपड़ा साफ हो जाएगा : अमित शाह

● *राहुल गांधी ने अभी-अभी छठी मैया का अपमान किया है। राहुल गांधी, मोदी जी का अपमान करके आपने छठी मैया का अपमान किया है।*

एजेंसी

पटना/शिवहर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शिवहर और सीतामढ़ी जिले में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित किया और लोगों से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की। इन सभाओं के दौरान उन्होंने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया और विपक्षी महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, मैं अभी यहीं से बिहार चुनाव का रिजल्ट बता देता हूं। 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बन रही है।

अमित शाह ने कहा, लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री, लेकिन मैं आज बिहार की धरती से कहता हूं न लालू जी का बेटा बिहार का मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा देश का प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार में नीतीश जी हैं और देश में मोदी जी हैं। अमित शाह ने कहा कि नीतीश-मोदी

की जोड़ी ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई है और देश को परिवारवाद की राजनीति से मुक्ति दिलाई है। राजग की राजनीति सेवा और विकास की है, जबकि विपक्ष की राजनीति स्वार्थ और परिवार की।अमित शाह ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि महाठगबंधन में न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। इन लोगों को खुद नहीं मालूम कि कौन किस सीट से लड़ रहा है। जनता अब ऐसे बेमेल गठबंधनों को पहचान चुकी है, जो सिर्फ कुर्सी के लिए एक होते हैं और चुनाव खत्म होते ही एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगते हैं। अमित शाह ने घोषणा की कि जिस दिन सीतामढ़ी में देवी सीता के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन हम सीतामढ़ी से अयोध्या के लिए वंदे भारत ट्रेन का भी शुभारंभ करेंगे। अयोध्या आने वाले लोग सीतामढ़ी भी जाएंगे और इससे बिहार के पर्यटन को बहुत लाभ होगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने अभी-अभी छठी मैया का अपमान किया है। राहुल गांधी, मोदी जी का अपमान करके आपने छठी मैया का अपमान किया है। जब भी आप लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का अपमान किया है, जनता ने आपको हराकर जवाब दिया है। इस बार, मोदी के साथ-साथ आपने छठी मैया का अपमान किया है। आने वाले चुनावों में सीतामढ़ी की जनता को यह याद रखना चाहिए।अमित शाह ने दावा किया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के दौरान 10 वर्षों में बिहार को केवल 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपये दिए गए थे, जबकि राजग सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल में यह राशि बढ़कर 18 लाख 70 हजार करोड़ हो गई है। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन 10 वर्षों के दौरान बिहार को केवल 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपये दिए गए थे, जबकि मोदी सरकार के 10 वर्षों के दौरान बिहार को 18 लाख 70 हज़ार करोड़ रुपये दिए गए हैं।

समर्थन मूल्य पर खरीद की लिमिट व टोकनों की संया बढ़ाए सरकार : हनुमान बेनीवाल

नागौर। टालनियाउ गांव के मूंगफली उत्पादक किसानों ने सोमवार को नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से उनके नागौर आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन देते हुए अवगत करवाया कि समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय करने के लिए जब रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हुआ तब तकनीकी समस्या के कारण अधिकतर किसान रजिस्ट्रेशन करवा ही नहीं पाए वहीं टोकन की लिमिट पूरी दिखाकर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद कर दी गई,यही समस्या मूंग उत्पादक किसानों के साथ हुई ,सांसद ने कहा कि उन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होते ही इस समस्या के निस्तारण के लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता भी की वहीं एक्स पर पोस्ट करके राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग करते हुए कहा कि टोकन लिमिट बढ़ाई जाए ताकि किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सके।

चेवेल्ला बस दुर्घटना

बस पर पलटा बजरी लदा ओवरलोडेड टिपर, मृतकों की संख्या हुई 20

● राज्य के परिवहन मंत्री ने दुर्घटना की जांच के दिए आदेशमृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख देगी राज्य सरकार

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुड़ा में हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर आज सुबह सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या 20 हो गई। दुर्घटना में 32 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बस पर पलटने वाले टिपर में ओवरलोड बजरी लदी थी। राज्य के परिवहन मंत्री ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देने का ऐलान किया है। दुर्घटना की खबर पर राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर घायलों

का हालचाल लेने चेवेल्ला सरकारी अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों से बात कर उनसे जानकारी ली। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री प्रभाकर ने कहा कि चेवेल्ला मंडल में भीषण सड़क दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिवारों की सहायता करेगी। मृतकों के परिवारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की गई है। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश महंती ने बताया कि बस दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने 32 घायलों का इलाज महेंद्र रेड्डी मेडिकल अस्पताल और चेवेल्ला सरकारी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस आयुक्त महंती ने बताया कि बस में 72 यात्री तंदूर से हैदराबाद के लिए रवाना हुए थे। हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर टक्कर केबाद बजरी लदा टिपर बस के ऊपर पलट गया। दुर्घटना की पूरी जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आएगी।

अनंत सिंह से जुड़ी यह पूरी घटना एक साजिश का हिस्सा हैः केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह

● एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी : ललन सिंह

एजेंसी

मोकामा। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने अनंत कुमार सिंह की गिरफ्तारी पर बड़ा बयान दिया है। ललन सिंह ने कहा कि हमें अपना मनोबल ऊंचा रखना होगा और इस साजिश का कड़ा जवाब देना होगा। जिन लोगों ने साजिश रची है, उन्हें जवाब मिल जाएगा जब आप सब एकजुट होकर तीर का बटन दबाएंगे, अनंत बाबू को वोट देंगे और नीतीश कुमार के हाथ मजबूत करेंगे। दुलारचंद यादव की हत्या पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि अनंत सिंह से जुड़ी यह पूरी घटना एक साजिश का हिस्सा है। यह अपने आप नहीं हुई। कभी-कभी घटनाएं स्वाभाविक रूप से घटित होती हैं, लेकिन यह स्पष्ट रूप से सुनियोजित थी। कई वीडियो सामने आए हैं और उन्हें देखने से यह

स्पष्ट है कि घटना जानबूझकर रची गई थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा बेगूसराय में एक तालाब में मछली पकड़ने पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने कहा कि जिस नेता की आप बात कर रहे हैं, वह बिहार आए, तालाब में गए और मछली पकड़ना शुरू कर दिया। बिहार का सबसे पवित्र और पूजनीय छठ पूजा गहरी आस्था और पवित्रता का त्योहार है, जहां लोग अत्यंत श्रद्धा के साथ सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। यहां तक कि जो लोग छठ नहीं करते हैं, वे भी घाटों, गलियों और सड़कों की सफाई में मदद करते हैं ताकि श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई न हो।राजद नेता तेजस्वी यादव पर राजीव रंजन सिंह ने कहा कि ऐसा युवा, जिसका पूरा परिवार, पिता, माता, भाई और बहन सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हों, जो भ्रष्टाचार की गोद में पला-बढ़ा हो, उसे बिहार का युवा चेहरा कैसे कहा जा सकता है? वह वास्तव में भ्रष्टाचार की उपज है। लालू यादव ने अपने कार्यकाल में जितनी भी संपत्ति अर्जित की, उसका लाभ किसको मिला है? इससे पहले केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी और हम सभी यह चुनाव सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने सरिता पासवान के पक्ष में जनसभा कर नीतीश सरकार को घेरा,कहा 20 वर्ष यों लगे 10 हजार देने में

● प्रियंका गांधी ने अपने 25 मिनट के सबोधन में एक बार भी राजद सुप्रिमों लालू यादव एवं तेजस्वी का नाम नहीं लिया।

एजेंसी

सहरसा। बिहार में सहरसा जिले के सोनवर्षा राज की आधी आबादी को चुनाव की घोषणा से एक हफ्ते पूर्व 10 हजार रूपये देने वाली सरकार से पूछने की जरुरत है की इसके लिए उन्हें 20 वर्षो का इंतजार क्यों करना पडा। उक्त बातें कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी ने उच्च विद्यालय सोनवर्षा के उच्च विद्यालय के मैदान में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कही। निर्धारित समय से ढेढ घंटे विलंब से पहुंची प्रियंका गांधी ने अपने 25 मिनट के सम्बोधन में एक बार भी राजद सुप्रिमों लालू यादव एवं तेजस्वी का नाम नहीं लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री पर जमकर निशाना साधा। उन्होने कहा की लोगों के मुल वोट के अधिकार जिससे सरकार बनती और बिगड़ती है उस मूल अधिकार का हनन राज्य और केन्द्र की सरकार द्वारा किया जा रहा है। बिहार में 65 लाख लोगो का नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। जिसका मतलब ही लोगों की नागरिकता छिनना है। प्रियंका गांधी ने कहा की बिहार में 20

वर्षो से आपकी चुनी हुई सरकार को प्रधानमंत्री व गृहमंत्री चला रहे है। जब आपकी चुनी सरकार को केन्द्र सरकार द्वारा सम्मान नहीं दिया जा रहा है तो आपका सम्मान क्या होगा। उन्होंने कहा की केन्द्र की सरकार समस्याओं की जगह हर वक्त अतीत की बात करती है।

उराखंड की शौर्य परंपरा देशवासियों के लिए गर्व की बातः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

● *उत्तराखंड की देव-भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं।*

● *कुमाऊं व गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है।*

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में भारतीय सेना में सेवा करके मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है। उत्तराखंड की यह शौर्य परंपरा सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। भारत का यह पवित्र भूखंड अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली रहा है। कुमाऊं व गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उत्तराखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती के अवसर आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की देव-

भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। भारत का यह पवित्र भूखंड अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली भी रहा है। कुमाऊं व गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में भारतीय सेना में सेवा करके मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है। उत्तराखंड की यह शौर्य परंपरा सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। भारत की लोकतान्त्रिक परंपरा को शक्ति प्रदान करने में उत्तराखंड के अनेक जन-सेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान यहां के जनमानस की आकांक्षा के अनुरूप, बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास की दृष्टि से राज्य की स्थापना की गई और यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि विगत पचीस 25 वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं। पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है। राज्य में साक्षरता बढ़ी है, महिलाओं की शिक्षा में विस्तार हुआ है, मातृ एवं शिशु-मृत्यु-दर में कमी आई है, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने विशेष सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ऋतु खंडूरी भूषण को राज्य की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त करके उत्तराखंड विधानसभा ने अपना गौरव बढ़ाया है। उत्तराखंड विधानसभा में महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के प्रयास होने चाहिए।

राजस्थान के जयपुर में दर्दनाक हादसा,

उपराष्ट्रपति ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के जयपुर के हरमारा में सोमवार को एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर कई वाहनों से टकरा गई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस हादसे पर दुख जताया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'राजस्थान के जयपुर में हुए दुखद सड़क हादसे में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।' जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा दोपहर करीब 1 बजे विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में लोहा मंडी के पास हुआ। बताया जा रहा है कि हाईवे 14 पर लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर जा रहा डंपर ब्रेक फेल होने के कारण नियंत्रण खो बैठा और कई वाहनों से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई वाहन चकनाचूर हो गए और सड़क पर मलबा बिखर गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। व्यस्त राजमार्ग पर भीड़भाड़ कम करने के लिए यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ दिया गया। पीड़ितों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से एसएमएस

अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर और कांवटिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हादसे पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों को बेहतर इलाज देने का निर्देश दिया है।

हापुड़ में गढ़ गंगा मेला को लेकर तैयारी जोरों पर

हापुड़ (एजेंसी)।उत्तरप्रदेश के हापुड़ में गढ़ गंगा के मेले के साथ ही तीर्थ नगरी ब्रजघाट में भी करीब पाँच लाख श्रद्धालु स्नान करने वाले है। हापुड़ में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के किनारे बसा होने के कारण वाहनों का अत्यधिक दबाव और श्रद्धालुओं के आगमन से चतुर्दशी एवं पूर्णिमा पर जाम लगने के पूर्ण आसार हैं। गढ़मुक्तेश्वर के गंगा मेले में जाम इतना खराब होता है कि वाहनों की कतार मेला स्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर दिल्ली-लखनऊ हाईवे तक पहुँच जाती है। ब्रजघाट में भी दीपदान और अनुष्ठानों के कारण हाईवे और अन्य मार्गों पर जाम लगता है। पिछली अमावस्या पर करीब पाँच लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण 18 घंटों तक लोगों को जाम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। अनेक श्रद्धालुओं ने कई दिन पहले से ही होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं को बुक कर डेरा जमा दिया है, जिससे अब बाहरी लोगों को रहने के लिए स्थान नहीं मिल रहे हैं। मात्र 67 पुलिसकर्मी के कंधों पर शहरी मेले की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस बल का विवरण : एक थाना प्रभारी, 15 दारोगा, 44 हेड कॉन्स्टेबल और सात महिला पुलिसकर्मी शामिल है। इतना ही नहीं पुलिस ने मनचलों पर नजर रखने के लिए तीन एंटी रोमियो की टीम लगाई गई हैं। गंगा तट पर बने टावर से पुलिस निगरानी कर रही है। शहरी मेले पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जा रही है। घाट तक आने-जाने वाले रास्तों पर भी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं। अन्य उपाय में बैरिकेडिंग के साथ सभी बैरियर पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। पिकेट व चेकिंग पॉइंट्स की संख्या बढ़ाई जा रही है।

केंद्रीय सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान 2 पुराने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के हंजीपोरा के वन क्षेत्रों में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो पुराने आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। खुफिया जानकारी मिलने के बाद, 9 राष्ट्रीय राइफल्स और लोकल पुलिस ने यह अभियान चलाया। संयुक्त तलाशी में वन क्षेत्रों के बीच इन ठिकानों का पता लगाया गया और बाद में इनका फिर इस्तेमाल रोकने के लिए इन्हें नष्ट किया गया। वन क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी गई है और आगे तलाशी अभियान जारी है। यह पिछले माह अनंतनाग जिले के हॉर्नाग-वतकश जंगल में इसी तरह के ऑपरेशन के बाद हुआ है, जहाँ सुरक्षा बलों को एक सुरक्षित ठिकाना मिला था। यह तलाशी 19 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से बैकपैक, गर्म कपड़े, बर्तन, खुदाई के औज़ार, एक गैस सिलेंडर और संदिग्ध युद्ध-संबंधी सामान बरामद किए। इन चीजों से संकेत मिलता है कि इस ठिकाने पर हाल ही में आतंकवादियों ने कब्ज़ा किया होगा। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि हवाई निगरानी से बचने के लिए इन ठिकानों को रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था और ये इस क्षेत्र में आतंकवादियों के अस्थायी ठिकानों के रूप में काम कर सकते थे।

फलोदी में सड़क हादसे में 24 मौतों के बाद जागा प्रशासन, हाईवे किनारे से हटाए ढाबे

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के फलोदी में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में अब तक 24 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इस हादसे के बाद प्रशासन चेता और और उसने सोमवार को हाइवे से किनारे बने ढाबे और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। इस हादस में मरने वालों में एक ही परिवार के 7 लोग हैं। सभी श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले हैं। उधर, भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एक साथ हुई 24 मौतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडीएम अंजुम ताहिर ने बताया कि मृतक आश्रितों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिनके परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की मौत हुई है, उन्हें 25 लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके अलावा पीएम राहत कोष से भी मृतक आश्रितों को 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर फलोदी के बापिणी उपखंड क्षेत्र के मतोड़ा में ओवरटेक करते समय टेम्पो ट्रेवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में घुस गया। मरने वालों में चार बच्चे, ड्राइवर और 10 महिलाएं शामिल हैं। टेम्पो ट्रेवलर में सवार सभी लोग देवउठनी एकादशी पर कपिल मुनि के आश्रम दर्शन करने गए थे। लौटते समय यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो ट्रेवलर के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय से हर मुकाम हासिल कर सकते हैं : कंगना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया। इस जीत पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम हैं विश्व चैंपियन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय और टीम स्पिरिट से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। वहीं बीजेपी नेता डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि जय हो, विजयी भारत। टीम इंडिया ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार जीत के साथ इतिहास रच दिया है। हमारी असाधारण महिला क्रिकेट टीम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई। आपके साहस, जुनून और उत्कृष्टता ने देश को गौरवान्वित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर टीम इंडिया को हार्दिक बधाई। हमारी चैंपियन खिलाड़ियों ने धैर्य, कौशल और दृढ़ संकल्प का अद्भुत प्रदर्शन किया है। आपने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नीले रंग की हर योद्धा को सलाम- अपने जुनून, प्रतिभा और अदम्य साहस से विश्व कप को रोशन करने के लिए। यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं है- यह सपनों, समर्पण और अजेय नारी शक्ति की शक्ति की है!

बता दें नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम 52 रन से जीत दर्ज कर विश्व क्रिकेट की नई चैंपियन बनी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 298 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई।

अमित शाह का दावा: मोदी-नीतीश जोड़ी ने बिहार को जंगल राज से दिलाई मुक्ति, खत्म किया वंशवाद

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी साझेदारी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया। उन्होंने राजद के लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर अपने वंशजों को सत्ता में बिठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ÷नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई है। हमने वंशवाद का अंत किया। लालू जी और राबड़ी जी अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। लेकिन मैं लालू-राबड़ी और सोनिया जी को यह बताने आया हूँ कि न तो लालू जी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं और नरेंद्र मोदी जी दिल्ली (केंद्र) में सत्ता में हैं।'

अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया। शाह ने कहा, 'राहुल गांधी हाल ही में यहाँ आए थे। उन्होंने 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाली थी। रीगा सीमा के पास स्थित है; यह नेपाल के पास है। मुझे बताइए, क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों को बिहार की मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए? ये घुसपैठिए गरीबों के अनाज का हिस्सा हड़प लेते हैं, युवाओं से रोज़गार छीन लेते हैं और जो बांग्लादेश से यहाँ आए हैं, उन्हें यहाँ वोट देने और बिहार का मुख्यमंत्री चुनने का कोई अधिकार नहीं है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने पहली बार दावा किया कि पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।

उन्होंने कहा, 'केंद्र में कांग्रेस सत्ता में थी। बिहार के कई ज़िले नक्सल प्रभावित थे। मतदान दोपहर 3 बजे समाप्त हो जाता था। अब पहली बार पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।' 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होना है, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

औवेसी की तेजस्वी को खुली चुनौती... एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बात दें

पटना (एजेंसी)। एआईएमआईएम के सुप्रीमो और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने तेजस्वी को एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिख देने की चुनौती दी है। बिहार के किशनगंज में चुनावी सभा को संबोधित कर ओवैसी का दर्द भी छलक गया। काफी प्रयास करने के बावजूद राजद ने एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल नहीं किया। ओवैसी की पार्टी ने करीब छह सीटों की मांग की थी। आवैसी ने कहा कि पार्टी से गठबंधन नहीं करने की वजह तेजस्वी ने बताकर कहा कि ओवैसी एस्ट्रीमिस्ट है, चरमपंथी है, दहशतगर्द है। मैं तेजस्वी को बोलूंगा कि बाबू जरा एक्स्ट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बता दो। मैं अल्लाह के बाद किसी के आगे सिर नहीं झुकाता। सच्चे मुसलमान की तरह अल्लाह की इबादत करता हूं। दाढ़ी और टोपी रखता हूं, तब वे मुझे चमपंथी कहते हैं। दरअसल सीमांचल में पांच सीटों पर 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर ओवैसी ने सभी को चौंका दिया था। उनकी पार्टी ने राजद को काफी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि, बाद में चारों विधायको को राजद ने तोड़ लिया था। 2025 के चुनाव में ओवैसी राजद के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन बात नहीं बनी। उनके प्रदेश अध्यक्ष लालू यादव के दरवाजे तक ढोल बजाते गए। लेकिन गेट भी नहीं खोला गया। तब से दोनों पार्टियों के बीच ठन गई। ओवैसी खुलकर तेजस्वी यादव के खिलाफ बोलना शुरु कर दिया। ओवैसी ने कहा कि राजद नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। भागलपुर दंगे के आरोपी कामेश्वर को सम्मानित कर मुसलमानों के जले पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। मुसलमानों के खिलाफ कोई जुल्म करता है, तब चुप्पी लगा लेते हैं। उन्हें सिर्फ मुसलमानों के वोट से मतलब है। यह भी दावा किया कि इस बार सीमांचल का बेटा ही बिहार का सीएम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाने की याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट नेऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें वक्फ बाय यूजर समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को 28 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी थी।

सोमवार को ओवैसी के वकील ने चीफ जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष मामले को तुरंत सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि हम एक नई तारीख तय करेंगे। वकील ने बताया कि वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए तय छह महीने की अवधि समाप्त होने के करीब है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर को अंतरिम आदेश के तहत वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी थी। इनमें यह प्रावधान शामिल था कि केवल पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। हालांकि पूरे कानून को रद्द नहीं किया गया था।

कोर्ट ने कहा था कि नए संशोधित कानून में वक्फ बाय यूजर प्रावधान हटाने का केंद्र सरकार का आदेश प्रथम दृष्ट्या मनमाना नहीं था और इस दलील का कोई आधार नहीं है कि सरकार वक्फ संपत्ति जब्त कर लेगी। औपचारिक दस्तावेज के बिना लंबे समय तक धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाए जाने के कारण वक्फ के रूप में मान्यता हासिल करने वाली संपत्ति को वक्फ बाय यूजर कहा जाता है। ओवैसी के वकील ने कोर्ट से कहा कि संशोधित कानून के मुताबिक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए छह महीने का समय दिया गया था और पांच महीने न्यायालय के फैसले के दौरान निकल गए, अब केवल एक महीना बाकी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का चुनाव आयोग को कोई अधिकार नहीं, आगामी चुनाव 1 जुलाई की सूची के अनुसार ही होंगे- चुनाव आयोग

मुंबई (एजेंसी)। राज्य चुनाव आयोग ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक हलफनामे में स्पष्ट किया है कि हमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार है। केवल वे लोग जिनके नाम 1 जुलाई, 2025 तक इस सूची में हैं, इस वर्ष मतदान कर सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं। दरअसल संदीप रासकर ने आलंदी नगर परिषद की मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने के आवेदन को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ इस संबंध में हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर ने चुनाव आयोग को इस पर एक हलफनामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। तदनुसार, आयोग ने प्रस्तुत हलफनामे में इस स्थिति को स्पष्ट किया है। दरअसल रासकर का नाम आलंदी नगर परिषद, भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची में था। 22 नवंबर, 2021 को संदीप रासकर ने भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची से अपना नाम हटाने के लिए प्रशासन को आवेदन दिया था। इस आवेदन के लंबित रहने के दौरान, रासकर का नाम आलंदी मतदाता सूची से हटा दिया गया था। उनका कहना है कि हम पहले भी इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और जीते हैं। इसलिए, इस मतदाता सूची से हमारा नाम हटाना गलत है। हम इस निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। संदीप रासकर ने एक याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि हमारा नाम फिर से इस मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

आयोग के वकील सचिंद्र शेट्ये ने अदालत के समक्ष यह हलफनामा पेश किया है। इसमें कहा गया है कि राज्य चुनाव आयोग या उसके किसी भी अधिकारी को मतदाता सूची में नाम जोड़ने या बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी नगरपालिका और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची की कट-ऑफ तिथि 1 जुलाई, 2025 थी। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि सूची तदनुसार तैयार की गई है और उसी आधार पर मतदान होगा। अगर किसी का नाम पहले मतदाता सूची में था, लेकिन अब हटा दिया गया है, तो इसके खिलाफ अपील करने का कानून में प्रावधान है, आयोग ने हाई कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया। चुनाव आयोग के स्पष्ट रुख को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

बच्चे के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने किया नेपाल का ज़िक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 14 से 18 वर्ष के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज किया है। शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए साफ कहा कि इस तरह के फैसले नीतिगत मामले हैं, जिन पर निर्णय लेना सरकार का अधिकार क्षेत्र है, न्यायपालिका का नहीं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा, 'आप जानते हैं, नेपाल में जब इस तरह का प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी, तब क्या हुआ था? साथ ही कोर्ट ने कहा, 'धन्यवाद, हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

दरअसल याचिकाकर्ता ने दलील दी कि कोविड-19 महामारी के बाद बच्चे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के आदि हो गए हैं, इससे उनकी मानसिक स्थिति और पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, चीन और अरब देशों में नाबालिगों के सोशल मीडिया उपयोग पर पहले से ही प्रतिबंध है, लेकिन भारत में ऐसा कोई नियम नहीं बनाया गया है। याचिका में बताया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की एकाग्रता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं, और माता-पिता के कंट्रोल से भी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह पा रहे हैं। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर नाबालिगों के उपयोग पर रोक लगाना एक नीतिगत निर्णय है, जो केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं को लेना चाहिए, न कि अदालत को इसपर कोई आदेश देना चाहिए। सीजेआई गवई की 'नेपाल' वाली टिप्पणी ने इस बात का संकेत दिया कि इस तरह के प्रतिबंधों के व्यवहारिक और सामाजिक परिणामों पर विचार जरूरी है। अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्देश जारी किए बिना याचिका को निपटा दिया।

भारत आ रहे इजराइली विदेश मंत्री, पीएम मोदी व जयशंकर से करेंगे मुलाकात

- टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट विषयों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल के विदेश गिदोन सार अगले हफ्ते भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा इसलिए अहम है, क्योंकि गाजा संकट अभी खत्म नहीं हुआ है और अगले महीने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा भी प्रस्तावित है। अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा में इजराइली विदेश मंत्री पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत यात्रा के दौरान इजराइल के विदेश गिदोन सार जिन द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, उनमें टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट के अलावा अन्य विषय भी शामिल हैं। गाजा संकट के दौरान इजराइल के कई शीर्ष नेता भारत दौरे पर या तो आ चुके हैं या आने वाले हैं। इनमें गिदोन इजराइल की सत्ता की एक और नई शख्सियत हैं।

गिदोन सार और जयशंकर इसी साल म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर मिल चुके हैं। तब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव पर भी चर्चा की थी, जिसमें एशिया, यूरोप और अमेरिका को इजराइल के जरिए जोड़ने की बात कही थी। अब सार की भारत यात्रा में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर पर भी बात होगी। यह कॉरिडोर एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाली एक बड़ी परियोजना है।

अगले महीने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का भारत दौरा भी प्रस्तावित है। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2026 में वहां के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और नए साल की पहली छमाही में ही इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग की भारत यात्रा भी होने वाली है। इस तरह से पिछले दो साल में भारत आने वाले इजराइल के हाई-प्रोफाइल नेताओं की एक लंबी लिस्ट तैयार हो चुकी है।

इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच सितंबर में भारत आए थे। उस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस संधि के तहत निवेश को जब्त होने से बचाया जाएगा, साथ ही नुकसान होने पर मुआवजा भी दिया जाएगा और पारदर्शिता भी रहेगी। वहीं अर्थव्यवस्था मंत्री निर बरकत एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे। इजराइल को विभिन्न क्षेत्रों में कामगारों के संकट का सामना करना पड़ रहा है और इसके लिए वह भारत से मदद ले रहा है। आज की तारीख में करीब 40,000 भारतीय इजराइल में काम कर रहे हैं और वह इस संख्या को बढ़ाना चाहता है।

चुनावी सरगर्मियों के बीच बिहार के सभी होटल्स फुल, एक रात के ले रहे बीस हजार

-कॉन्फ्रेंस हॉल राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी सरगर्मियों चरम पर है और होटल्स की डिमांड भी खूब हो रही है। शहर के करीब सभी बड़े होटल्स फुल हो चुके हैं। चाहे वो दशकों पुराना होटल मौर्य हो, चाणक्य या हाल ही में शुरू हुआ ताज होटलज्चुनावी बुखार ने राजधानी के सभी बड़े होटलों को मालामाल कर दिया है। होटल मौर्य के कॉन्फ्रेंस हॉल से लेकर लॉबी तक अब नेताओं, पत्रकारों और चुनावी रणनीतिकारों का डेरा डल चुका है। यहां बने कॉन्फ्रेंस हॉल अब राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में होटल के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि पार्टियां अपने नेताओं के लिए कमरे पहले से बुक करा लेती हैं, भले ही उनका इस्तेमाल न हो। उन्हें पता है कि बाद में एक भी कमरा खाली नहीं मिलेगा। करीब 80 कमरों वाले होटल मौर्य में भी इस वक्त 'हाउसफुल' का बोर्ड लगा हुआ है। वहीं, चाणक्य होटल में ऑनलाइन बुकिंग करने पर 'सॉल्ड आउट' यानी सारे कमरे बुक होने का संदेश दिख रहा है।

रिपोर्ट में यात्रा पोर्टल्स के मुताबिक हाल ही में खुले ताज होटल में कमरे की कीमतें 18,000 से 20,000 रुपए प्रति रात तक पहुंच चुकी है। यही नहीं आईएचसीएल ग्रुप ने पटना में एक बजट होटल भी खोला है, लेकिन वहां भी सीटें पहले से बुक हैं.

कमरों की भारी कमी से बेहाल पटना पटना की होटल इंडस्ट्री मांग के हिसाब से क्षमता नहीं बढ़ा पाई है. होटल मौर्य और चाणक्य जैसे प्रतिष्ठित होटलों को बने चार दशक से अधिक हो चुके हैं, जबकि राज्य सरकार संचालित होटल अभी मरम्मत के दौर से गुजर रहा है.

1990 के दशक और शुरुआती 2000 के वर्षों में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब रहने के कारण कोई बड़ा होटल निवेश नहीं हुआ। हाल के वर्षों में शराबबंदी से भी होटल कारोबार को झटका लगा है। अब कई मेहमान डे ट्रिप में ही लौट जाते हैं। वहीं शादियां व कॉन्फ्रेंस बिहार से बाहर शिफ्ट हो गई हैं। सिर्फ पटना ही नहीं, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जैसे प्रमुख शहरों में भी यही स्थिति है। क्वालिटी होटलों की कमी बिहार को पड़ोसी राज्यों से पीछे दिखाती है। तेजी से बढ़ती बिहार की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को देखते हुए कुछ अंतरराष्ट्रीय होटल चेन राज्य में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की योजना बना रही हैं। हालांकि, इन योजनाओं का भविष्य काफी हद तक चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगा। फिलहाल, बिहार चुनाव ने पटना के होटल कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, क्योंकि कमरों की 'कमी' अब उनकी कमाई का जरिया बन चुकी है।

पैरोल पर बाहर आकर फरार हुए आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। प्रेम विवाह में लड़के की मां और भाई की हत्या करने के मामले में उम्रकैद की सजा पाया आरोपी पैरोल लेकर फरार हो गया। करीब छह साल फरार रहने के बाद अब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी को दबोचा है। आरोपी की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी नौशाद (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को लोनी इलाके से गिरफ्तार किया है। दोहरे हत्याकांड में 26 जुलाई 2013 को नौशाद व बाकी अन्यों को उम्रकैद की सजा हो गई थी। जेल में सजा काटने के दौरान वर्ष 2019 में आरोपी पैरोल पर बाहर आया और उसने कभी कोर्ट या जेल का रुख नहीं किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। इस बात का पता किया जा रहा है कि इतने सालों तक वह कहां छिपा रहा। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि 27 मार्च 2006 को पड़ोसियों ने घर में घुसकर पप्पू और उसकी मां अनीशा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने पप्पू की बहन हिना को चाकू से गोद दिया था।

आईपी यूनिवर्सिटी सर्वश्रेष्ठ एथलीट को देगी नकद पुरस्कार

नई दिल्ली। खेल को बढ़ावा देने के लिए आईपी यूनिवर्सिटी वार्षिक खेल महोत्सव में अगले वर्ष से पुरुष और महिला श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ एथलीट को 11 हजार रुपये का नकद इनाम देगी। इसकी घोषणा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ महेश वर्मा ने यूनिवर्सिटी के 20वें सालाना खेल महोत्सव के समापन समारोह में की। उन्होंने कहा कि यह इनाम निर्मल गोपाल फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाएगा। हमारा मकसद यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के साथ-साथ खेल संस्कृति को भी विकसित करना है। तभी छात्रों का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। इसी उद्देश्य से यूनिवर्सिटी की दाखिला प्रक्रिया में भी खेल कोटा शुरू किया है। यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण निदेशालय की निदेशक प्रो. मनप्रीत कौर कांग के अनुसार यूनिवर्सिटी के दोनों कैंपस के अलावा 65 संस्थानों के तकरीबन 12 हजार छात्र-छात्राओं ने इस खेल महोत्सव में शिरकत की।

बच्चों के फेफड़ों में मिली प्रदूषण की काली परत, सीएसई की रिपोर्ट में कई अन्य खतरे भी उजागर

कौमी पत्रिका

दिल्ली। सुबह खेलते बच्चों की जगह मास्क पहने, खांसते, हांफते छोटे चेहरे दिखाई दें तो यह केवल मौसम का बदलना नहीं, बल्कि भविष्य का डर है। भारत में वायु प्रदूषण अब अदृश्य खतरा नहीं रहा। यह बच्चों के फेफड़ों में काले धब्बों के रूप में दिखाई दे रहा है। वैज्ञानिक और डॉक्टर स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि धूम्रपान न करने वाले बच्चों के फेफड़ों तक में काला जमाव पाया जा रहा है, जो धीरे-धीरे सांसों को खत्म कर सकता है। देश की पूरी 1.4 अरब आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही है, जिसमें पीएम 2.5 स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से अधिक है। उत्तर भारत में रहने वाले लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा में 7.6 वर्ष तक की कमी का अनुमान है। लखनऊ जैसे शहरों में यह नुकसान 9.5 वर्ष तक पहुंच सकता है और यह भार सबसे ज्यादा बच्चों पर पड़ रहा है। सीएसई की रिपोर्ट सांसों का आपातकाल बताती है कि देश की 63% आबादी राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से

अधिक प्रदूषण झेल रही है। इंडो-गैंगेटिक क्षेत्र बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की करीब 40% आबादी औसतन 7.6 वर्ष की जीवन अवधि खो रही है। 1998 से 2023 के बीच भारत में पीएम 2.5 स्तर में 61.4% की वृद्धि हुई है। वैश्विक प्रदूषण वृद्धि में 44% योगदान अकेले भारत का है। लंदन की 9 वर्ष की बच्ची एला किस्सी डेब्राह की 2013 में अस्थमा से मौत हुई थी। 2020 में अदालत ने पहली बार आधिकारिक रूप से कहा कि उसकी मौत का कारण वायु प्रदूषण था। यह दुनिया का पहला मामला है जिसने प्रदूषण को मृत्यु का प्रत्यक्ष कारण माना। भारत की पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कल्पना बालाकृष्णन कहती हैं, प्रमाण की अनुपस्थिति, अनुपस्थिति का प्रमाण नहीं होती। विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक प्रदूषण वाले दिनों में बच्चों को घर के अंदर रखें। सुबह-शाम बाहर खेलने से बचाएं। इस समय प्रदूषण अधिक होता है। बच्चों को बाहरी गतिविधियों में मास्क एन-95 या समतुल्य पहनाएं। घर में एयर प्यूरीफायर का उपयोग संभव हो तो करें। पोषण पर ध्यान दें।विटामिन सी, ओमेगा थ्री और एंटीऑक्सीडेंट फेफड़ों की रक्षा में मदद करते हैं। स्कूलों में क्लीन एयर प्रोटोकॉल लागू हों। दिल्ली और केंद्रीय अस्पताल हर सर्दी में विशेष निगरानी, प्रदूषण-ओपीडी और आपात तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन डॉक्टर मानते हैं कि यह अब मौसमी संकट नहीं, साल भर का स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है।

12वीं के छात्र ने 18वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

गुरुग्राम। बीमारी से दुखी एक 12वीं कक्षा के छात्र ने शुक्रवार अल सुबह 18वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक एक निजी स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। जांच अधिकारी एएसआई बलविंदर ने बताया कि गुरुग्राम सेक्टर-108 स्थित एक सोसाइटी में छात्र अपने परिवार के साथ 10वीं मंजिल पर रहता था। कई साल पहले छात्र की कमर और पैर में चोट लग गई थी। कमर की चोट के कारण वह अपने पेशाब को रोक नहीं पाता था। ऐसे में सबके सामने उसका पेशाब निकल जाने से वह काफी दुखी रहता था। इसकी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। गुरुवार रात को उसने पहले मां के पैर दबाए थे। बाद में अपने कमरे में जाने की बात कहकर वहां से चला गया था। मृतक के पिता एक निजी कंपनी में काम करते हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार करीब चार बजे वह लिफ्ट से 18वीं मंजिल पर गया और वहां से छलांग लगा दी।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया। इससे 64 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। उसने बताया कि वह सुहैल को ड्रग्स की सप्लाई करता है। टोबी डेको ने बताया कि सिंडिकेट का सरगना नाइजीरिया में रहता है और उसे दिल्ली में रहने वाली अफ्रीकी महिला के जरिए डिलीवरी मिलती है। टोबी डेको की निशानदेही पर दिल्ली के छतरपुर इलाके में उसके किराए के कमरे से 865 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। इसके बाद बेंगलुरू से फातिमा उर्फ नेहा और मोहम्मद ज़हीद उर्फ फिरोज को गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद पुलिस ने ग्रेनो के सेक्टर-1 से चिकवाडो नाके किंग्सले को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि वह डेड ड्रॉप्स का इस्तेमाल करते थे। ये ड्रग्स को झाड़ियों या सड़क किनारे किसी सुनसान जगह पर गिरा देते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए प्राप्तकर्ता के साथ तस्वीर और स्थान साझा किया जाता था। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गैर-व्यावसायिक मात्रा (50 ग्राम से कम) में बेचते थे। 2024 में उसके सिंडिकेट के कई तस्करों को केरल पुलिस ने 3 अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया था। आरोपी टोबी डेको ने खुलासा किया कि वह 2018 में छात्र के रूप में भारत आया था और बेंगलुरु में ड्रग्स बेचने लगा था।

मां को गाली हर मां का अपमान - बक्शी

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वर्गीय मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के विरोध में आज पश्चिमी जिला में पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जोरदार प्रचंड प्रदर्शन सुभाष नगर मोड़ पैसिफिक मॉल के सामने किया गया इस अवसर पर पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता जी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना बहुत ग़लत है उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को इस का खमियाजा भुगतना पड़ेगा और जनता इन्हें दंडित करेगी उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को गाली देना हर मां का अपमान है इस अवसर पर पश्चिमी जिला प्रभारी विजय सोलंकी ने कहा कि राहुल गांधी को और समुची कांग्रेस पार्टी को इस घटना के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए,इस अवसर पर पश्चिमी जिला के पूर्व अध्यक्ष सचिन भसीन ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को गाली देने पर रोष है और देश की जनता जगह जगह प्रदर्शन कर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार कर रही है इस अवसर पर निगम पार्षद शशि तलवार, सुमन त्यागी, शिल्पा कौर बिट्टू आदि मौजूद थे पश्चिमी जिला से महामंत्री श्वेता सैनी कुनाल साहनी एवं जिला की टीम से उपाध्यक्ष, संदीप जैन,रविन्द्र सिंह सोनू, मीडिया प्रभारी अमरजीत सिंह अमर,प्रदेश भाजपा से सी.एल. मीणा, चरणजीत सिंह लवली मोजूद रहे,वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष आर्य ने भी सभी का मार्ग दर्शन किया,सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष अपनी टीम के साथ रोष प्रदर्शन में शामिल रहे,स्वाती शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्षा अपनी टीम के साथ राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाती दिखी, युवा मोर्चा की टीम सौरभ खरवाल की अध्यक्षता में मोजूद रही इस अवसर पर एक पुतले का भी दहन किया गया और राहुल गांधी होश में आओ, राहुल गांधी देश से माफी मांगो के नारे लगाए गये, सभी प्रदर्शनकारी लोगों के हाथों में आक्रोश भरे नारे लिखी तख्तियां भी थी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुभाष नगर मोड़ पर चक्का जाम भी किया व्यवस्था की जिम्मेदारी अमित कोहली द्वारा की गई।

NAME CHANGE
I, DHARMENDER S/o Rishipal, aged about 43 years, residing at S-83/306 Indra Camp, Begam Pur, Malviya Nagar, New Delhi - 110017, my present name recorded in official documents is Dharmender. I intend to add the surname "Thakur" to my existing name. Henceforth, my full name shall be known as Dharmender Thakur.

NAME CHANGE
I KAVITA W/O SANJAY KUMAR R/O HOUSE 5L/ 139 FIRST FLOOR BACK PORTION, NIT -5 FARIDABAD HARYANA - 121001, I have changed my name to KAVITA RANI Permanently

NAME CHANGE
I, RAJINDER KUMAR SINGHAL S/O HARI RAM SINGHAL residing at H NO-E-75, GALI NO-6, SOUTH ANARKALI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051. have changed my name to RAJENDER SINGHAL for all future purposes

NAME CHANGE
I, SHAE ALAM SON OF MR. BABU KHAN RESIDENT OF HOUSE NO.E-78, BLOCK-E, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-II, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, OKHLA, ccNEW DELHI-110025 have changed my name from SHAHE ALAM to SHAE ALAM for all future purposes.

NAME CHANGE
I SURBEER KAUR W/O MAHINDER SINGH R/O M-91 2ND FLOOR GREATER KAILASH PART-2 DELHI-110048, have changed my name to SURBIR KAUR KHURANA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed through this Public Notice that my clients; SUNIL KUMAR S/O LATE SH. DALIP SINGH & SMT. KANTA DEVI W/O SH. SUNIL KUMAR BOTH R/O WZ-357-A, HARIJAN COLONY, (80 SQ.YDS.) TILAK NAGAR, SO WEST DELHI, DELHI-110018; have disowned and debarred their Son namely MANKUSH KUMAR S/O SH. SUNIL KUMAR AND HIS WIFE SMT. KAVITA W/O SH. MANKUSH KUMAR BOTH RESIDED AT R/O WZ-357-A, FIRST FLOOR, HARIJAN COLONY, (80 SQ.YDS.) TILAK NAGAR, SO WEST DELHI, DELHI-110018 from all moveable and immoveable properties and have revoke all relations with him as the son namely MANKUSH KUMAR AND HIS WIFE SMT. KAVITA is totally out of control and also used to disobey/ harassed/ torture my clients. My clients shall not be held responsible for his acts, deed, in any manner and if anyone deals with him, shall deal on his/her own risk, cost and consequences.
G.K. SACHDEVA ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
OFF.: Dwarka Court, Bar Room Seat No. 32, Hall No. 1
Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Sector 10
New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, YOGINDER SOLANKI S/O MAHENDER SINGH R/O-534 A, Gali Panditon Wali Vill Pooth Kalan, Sultanpuri, C Block, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as YOGINDER SINGH in my Service Record. The actual name of mine is YOGINDER SOLANKI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Ayush Harchandani S/o Harish Kumar Harchandani R/o 306 H.I.G, Ratan Lal Nagar, Udyog Nagar, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh - 208022, have changed my name to Krishna Harchandani

NAME CHANGE
I, Manish Munjal S/o Mela Ram Munjal R/o A- 41, Street no. 4, Jagat Puri, Krishna Nagar H.O, DIST: East Delhi, Delhi - 110051, have changed the name of my Minor Son Himansh Munjal aged 7 years and he shall hereafter be known as Kiyan Munjal.

NAME CHANGE
I, Manish Munjal S/o Mela Ram Munjal R/o A- 41, Street no. 4, Jagat Puri, Krishna Nagar H.O, DIST: East Delhi, Delhi - 110051, have changed the name of my Minor Son Gauransh Munjal aged 11 years and he shall hereafter be known as Advik Munjal.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती शशि पुत्री श्री भूरा, मकान संख्या G-62/1, क्षेत्रफल 70 वर्ग गज, किला नंबर 64/18-19-22-23, स्थित वका मौजा चौमा, पालम विहार, नियर ब्रूमिंग बर्ड स्कूल, तहसील एवं जिला गुरुग्राम, हरियाणा-122001, को श्री विपिन से खरीदने का इरादा रखती हैं।उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती बिसन देवी थीं, जिन्होंने उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 08.11.1993 के माध्यम से श्री गोविंद सिंह पगांटी को बेचा था। तत्पश्चात, श्री गोविंद सिंह पगांटी ने उक्त संपत्ति को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), नोटरीकृत विक्रय अनुबंध (ATS) तथा पंजीकृत वसीयत दिनांक 19.11.2012 के माध्यम से श्री नरेंद्र कुमार को हस्तांतरित किया। इसके पश्चात, श्री नरेंद्र कुमार ने उक्त संपत्ति को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), पंजीकृत विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी, नोटरीकृत विक्रय अनुबंध (ATS) तथा पंजीकृत वसीयत दिनांक 26.12.2012 के माध्यम से श्री विपिन पुत्र श्री नरेश कुमार को हस्तांतरित किया। अतः, श्री विपिन उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Janki Devi W/O Hari Mahto, R/O 118-D, Dhawalgiri Apartments, sector-11, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that the name of mine has been wrongly written as Janki Devi Mehto in my minor daughter Nikita aged 14 years in her transfer certificate. The actual name of mine is Janki Devi, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, Brij Kishor S/O Sh. Ram sharan and Kusum W/O Sh. Brij kishor R/o C-65, Shiv Enclave, Main Dichaon Road, Najafgarh, south West Delhi-110043 have disowned, debarred their son and daughter in law namely Aman Kashyap age about 25 years and his wife Prachi from all their moveable and immoveable properties because all of them above named are misbehaved and insult with my client and are totally out of control. my client, have severed all relations with them. Anyone dealing with them may do SO his/her own risks, costs and at consequences. In future if the above named faced any unwanted incident, then we shall not responsible whatsoever.
VINAY SINGH ADVOCATE
E-D/6245/2024
CH.NO.541, DWARKA COURTS,
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
HEMA LATA DEVI, Spouse of 297136 EX. SGT VEDANABHATLA VENKATA KESAVA RAO, resident of C/o Flat No.153, Green Towers, Plot 7C, Sector 23, Dwarka, New Delhi-110077 have changed my name from HEMA LATA DEVI to VEDANABHATLA HEMLATA vide Affidavit dated 03.11.2025 at New Delhi.

NAME CHANGE
I, YUG GARG S/O MANOJ GARG R/O J-50 FIRST FLOOR, LAJPAT NAGAR-3, NEW DELHI-110024 have changed my name from YUG GARG to YUG MOHAN GARG. for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PARMJEET SINGH is father of Army No. 3408784X Rank- NK, Name-BALDEV SINGH R/o NEAR DHARMSHALA, VILL-RAUWALA, PO-OFFICE SEDHA SINGH WALA , TEH - JAITU, DIST-FARIDKOT, STATE- (PUNJAB) PIN – 151205 have changed my name from PARMJEET SINGH to PARAMJEET SINGH for all future purposes. Vide Affidavit Dated 03/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, KALA V is real mother of No. 15685429N Rank-CHM Name-SRJEEITH.SK, is presently residing at VILL-KALLIYOOR, PO-VELLAYANI, TEH-TRIVANDRUM, DIST-TRIVANDRUM, (KERALA)-695522 have changed my name from KALA V to SASIKALA V for all future purposes. And in my service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1960 instead of 15/12/1961 Vide Affidavit Dated 03/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I MONIKA VERMA W/O SAURABH VERMA R/O E212 PANDAV NAGAR GALI NO-1 PATPARGANJ DELHI-110091, have changed my name to MONIKA SAINI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No-14664026K, Rank-HAV Name-CHANNAYYA PANCHAKSHARIMATH PANCHAKSHARIMATH residing at H NO-44/1, AT POST BALEKUNDRI (BK), TEHSIL & DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591103, have changed my minor son's name from PRASANNA PANCHAKSHARIMATH to PRASANNA CHANNAYYA PANCHAKSHARIMATH for all future purposes vide Affidavit dated 03/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SOMALATA wife of No.-6498689M, Rank-SEP (Retd), Name-RAJ KISHORE residing at RZ-D1A/155, GALI NO-5, NEAR BANKE BIHARI MANDIR, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, DELHI-110045, have changed my name from SOMALATA to SOM LATA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 03/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RITA THAKUR wife of JC-774423P, Rank-SUB, Name-RAKESH KUMAR residing at VILL-PANIYALA, PO-RANGAS, TEHSIL-NADOUN, DIST-HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH-177048, have changed my name from RITA THAKUR to REETA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 03/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Shayaro Vano W/O Mahafuj R/O House No-62, Chotpur Bahlolpur Sector-63, Chhajarsi Gautam Buddha Nagar-201307 , Have changed my name to Sayra Bano for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mahafuj Ansari S/O Kader Ansari R/O House No-62, Chotpur Bahlolpur Sector-63, Chhajarsi Gautam Buddha Nagar-201307, Have changed my name to Mahafuj for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PRADEEP S/O BRIJ MOHAN R/O H.NO-1109,SECTOR-18,OLD FARIDABAD, HARYANA,HAVE CHANGED MY NAME TO PRADEEP MANGLA FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती कोमल पत्नी श्री मनोज कुमार एक आवासीय दो मंजिला मकान की स्वामिनी हैं, जिसका क्षेत्रफल 286.13 वर्ग मीटर (अर्थात् 342.22 वर्ग गज) है, जो खसरा संख्या 917 का भाग है तथा ग्राम बुधेरा, तहसील एवं जनपद बागपत, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री मनोज कुमार एवं अन्य व्यक्ति (श्री ज्ञानेंद्र सिंह एवं श्री सलेक चंद पुत्र श्री भागमल) थे, जिनके नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हैं। तत्पश्चात् श्री मनोज कुमार ने दिनांक 27.02.2025 के उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती कोमल को उपहारस्वरूप प्रदान की। परिणामस्वरूप, श्रीमती कोमल अब उपरोक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामिनी हैं, जो किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देनदारी, दावा या अधिकार से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त संपत्ति का वित्तपोषण आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd), शाखा- ओखला नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री अनुज, श्री विपिन और श्री आकाश नगरपालिका संख्या 3162 के फ्रीहोल्ड आवासीय उत्तरी-पूर्वी हिस्से के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 124 वर्ग है। ग्राम सरना मुरादनगर मारूफ, वार्ड नंबर 19, मोहल्ला बृज विहार कॉलोनी, परगना जलालाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला के क्षेत्र में स्थित खसरा नंबर 138 मील से बाहर। गाजियाबाद, यूपी पंजीकृत के आधार पर। दिनांक 25.01.2007 की वसीयत, एसआर-मोदीनगर के कार्यालय में, दस्तावेज़ संख्या 238, पुस्तक संख्या 3, खंड संख्या 52, पृष्ठ संख्या 123-126 पर, दिनांक 15.06.2007 को विधिवत पंजीकृत है। नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है, अर्थात स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री ओम पाल शर्मा की एसएमसी और दिनांक 25.01.2007 की वसीयत का प्रोबेट आदेश। वसीयत के निष्पादन के समय नाम विपिन था और फिर इसे बदलकर अरुण कर दिया गया है। अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती शिला देवी के नाम से बिकने जा रही है और उसे पिरामल फाइनेंस लिमिटेड शाखा- राज नगर गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, No. 3008364K Rank HAV Name PRASHANT SINGH TOMAR presently residing at VILL USAKI, POST-BABA KI BARAULI, THE-TYOTHAR, DIST-REWA. (MADHYA PRADESH)-486223 have changed my daughter's name from PRIYANSHI SINGH TO PRIYANSHI SINGH TOMAR for all future purposes. Vide affidavit dated 29.10.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as NIRAJ KUMAR alias NIRAJ KUMAR SINGH S/o SACHIDA NAND SINGH R/o The Arthah,F No.1904, 19th Floor,Plot No.15, Opposite Shopprix Mall, Sector-4, Vaishali I.E Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafte be known as NIRAJ KUMAR SINGH.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as NABANEETA BASU D/o Madan Mohan Ghosh R/o E-605 Aditya Urban Casa Sector-78 Noida Gautam Buddha Nagar, UP-201301 have changed my name and shall hereafte be known as NABANEETA GHOSH

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे क्लाइंट श्री महेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री राम दयाल सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती रानी दोनों निवासी प्लॉट नंबर 5, G/F, खसरा नंबर 40/20, गली नंबर 1, ब्लॉक-D, सुविधा एन्क्लेव, बापरौला विहार, नजफगढ़, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110043 ने अपने बेटे जसबीर सिंह और उसकी पत्नी राधा से अपने सभी संबंध खत्म कर लिए हैं और उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वे मेरे उपरोक्त क्लाइंट्स के कंट्रोल में नहीं हैं। कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त जसबीर सिंह और उसकी पत्नी राधा के साथ कोई भी लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर करेगा और मेरे क्लाइंट उनके किसी भी काम, कृत्य और गलत काम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
विक्की दिलेर अधिवक्ता
द्वारका कोर्ट, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विनोद त्यागी पुत्र श्री रघुवीर सिंह त्यागी, निवासी मकान संख्या 1, ग्राम सिहानी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003 एवं श्री मनन त्यागी पुत्र श्री संजय त्यागी, निवासी मकान संख्या 1, ग्राम सिहानी, नियर आर एस फार्म हाउस, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003, एक आवासीय प्लाट , क्षेत्रफल 83 वर्ग गज, खसरा संख्या 836 मि, स्थित कृष्णा नगर, ग्राम सिहानी, परगना लोनी, तहसील व, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1425-1430 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्वकिल कथित सम्पत्ति को श्रीमती माला सिंह पत्नी श्री भगवान सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I Mukesh Kumar S/o Suresh Chandra Gupta R/o 1, Gali No-1, Geetanjali Vihar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor son Rumansh aged 15 years and he shall hereafter be known as Rohit.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Roshani D/O: Raj Kumar Bharti, R/O HNo 836, A block, gujaini, PO- Udyog Nagar, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh- 208022, have changed my name and shall hereafter be known as KM PRIYANKA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nikhil Kumar alias Nikhil S/o Ghanshyam Singh residing at Jhakkaki, Bijnor, Uttar Pradesh-246763, have changed my name and shall hereafter be known as Nikhil Gahlot.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GURMEET ALIAS IVAN VIRATMAAN S/O SANTAR PAL residing at Mehalki, Jansath, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251314, have changed my name and shall hereafter be known as IVAN VIRATMAAN. And I have changed my name only not my religion.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल 1 श्रीमती कृष्णा गौतम पत्नी श्री कुलदीप कुमार गौतम 2 श्री कुलदीप कुमार गौतम पुत्र स्वर्गीय श्री पूरन लाल गौतम फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण निर्मित संपत्ति के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल संख्या 49 लगभग 100 वर्ग गज है, जिसमें भूतल और छत के अधिकार के साथ पहली मंजिल शामिल है, जो खसरा संख्या 619/98 में शामिल है, जो ग्राम छतरपुर तहसील साकेत नई दिल्ली की राजस्व संपत्ति में बिक्री के आधार पर स्थित है। डीड दिनांक 13.08.2025 दस्तावेज़ संख्या 2025/7/1/9931 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 8872, पृष्ठ संख्या 45-72 पर 13.08.2025 को उप-पंजीयक-हौज खास में पंजीकृत। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई आवास नहीं है, और इसका वित्त पोषण आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड शाखा गुड़गांव हरियाणा द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I Yasir Khan Mohammad S/O Salahuddin Khan R/O. C-113/1, 3rd floor Shaheen Bagh Jamia Nagar, Okhla Delhi-110025 changed my name to Mohammad yasir Khan.

NAME CHANGE
I shilpi W/O Ranjeet kumar R/O. H.no-178 Block no-20 Trilok Puri Delhi-110091 changed my name to Shilpi Devi.

NAME CHANGE
I Ashif Jamal S/O Azizur Rehman R/O. H.no-4393, 4th floor Ansari Road Daryaganj Delhi-110002 changed my name to Asif Jamal.

NAME CHANGE
I Hafsah D/O Asif Jamal R/O. H.no-4393, 4th floor Ansari Road Daryaganj Delhi-110002 changed my name to Hafsah Asif.

NAME CHANGE
I Akash Singh S/O Jagdish R/O. H.no-264 Block no-33 Trilokpuri Delhi-110091 changed my name to Akash.

NAME CHANGE
I ASHOKA holder of Indian Passport No R0299390 issued at BENGALURU issue on date of 28/04/2017 , permanent resident of NEAR PREMA CLINIC, UPPOOR THENKABETTU POST, UDUPI, PIN 576101, KARNATAKA, INDIA and presently residing at GOOD BURGER BLDG NO C4, ROOM NO 402, SHABIYA 9 MUSAFFAH, ABU DHABI, UAE do hereby change my name from ASHOKA to ASHOKA POOJARY with immediate effect.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित पाल, पुत्रः सुंदर पाल, पताः फ्लैट नं. 1201, कोरल टॉवर, गर्दनिया गुलमोहर, सेक्टर-3, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 530/2023, U/s 420/419/120B/ 406/34 IPC, पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित पाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्षित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित पाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 530/2023, U/s 420/419/120B/406/34 IPC, पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **रोहित पाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उदभव कुमार जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
शाहदरा, कमरा नं. 13, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14784/ED/2025

नाम परिवर्तन
मैं Mohd Nazim Sheikh s/o , Ziauddin पता: मकान न. 2150 द्वितीय तल तुर्कमान गेट दिल्ली 110006 घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Mohd Nazim दर्ज है जबकि मेरा पूरा और सही नाम Mohd Nazim Sheikh है। भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु Mohd Nazim Sheikh के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE
I, PREETI BALHARA, D/o JOGINDER SINGH BALHARA, aged about 29 years, R/o BUILDING 24A, STREET NO.1, BLOCK-A, POCHANPUR, DWARKA SECTOR 23 PO RAJ NAGAR-II, DIST: SOUTH WEST DELHI-110077 declare that my father's was incorrectly recorded as JOGINDER BALHARA in some of my official documents instead of his correct name JOGINDER SINGH BALHARA. That the said JOGINDER BALHARA and JOGINDER SINGH BALHARA refer to one and the same person, who is my biological father.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्री सगीर अहमद पुत्र बसीर व वारिशा बेगम पत्नी सगीर अहमद पता मकान नं0 294ए, फेस-1, दुर्गा विहार, नजफगढ़, दीनदारपुर, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र सकील अहमद व पुत्रवधु तब्बसुम को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधु नैतिक व अनैतिक कार्य करते है तो वह उनका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरे मुविक्कलों का कोई लेना देना नहीं होगा।
मनोज कुमार अधिवक्ता
चैम्बर नं0 639 जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE
I hitherto known as PANCHMATISHEELA W/o SURAJ BHAN, R/o A1-926, Sarita Bihar Madan Pur Khadar, J J Colony, Sarita Vihar S.O, Dist. South Delhi, Delhi-110076, have changed my name and shall hereafter be known as PANCHSHELA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJAN LAL SHARMA alias RAJAN LAL S/o MADAN LAL, R/o House No. C-44, Gali No.-5, Dwarka Mor, Jain Road, Bhagwati Garden Extension, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, have changed my name and shall hereafter be known as RAJAN LAL, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-248664P, Rank-RIS, Name-RAM NIWAS residing at VPO-ROTOO, TEHSIL-JAYAL, DIST-NAGAUR, RAJASTHAN-341023, have changed my mother's name from HEERA DEVI to HIRA DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of her correct date of birth as 01/01/1936 vide Affidavit dated 03/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Jamuna Devi W/O Ram Kumar, R/O C-534 SHANKAR ENCLAVE-2 PREM NAGAR-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, North West Delhi, Delhi 110086, have changed my name and shall hereafter be known as JAMNA DEVI.

NAME CHANGE
I, AMARJEET SINGH S/o Sulakhan Singh R/o D-47, Sham Nagar, Delhi-110018, have changed my name to AMARJEET SINGH JUNEJA permanently

NAME CHANGE
I, KUJEET KAUR W/o Amarjeet Singh Juneja R/o D-47, Sham Nagar, Delhi-110018, have changed my name to KULJEET KAUR JUNEJA permanently

NAME CHANGE
I, RAJ KISHOR S/o Baavan Jha R/o F-288, jj Colony, Inderpuri, Delhi-110012 have changed my name from RAJ KISHOR to RAJ KISHOR JHA permanently

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHUJAT AHMED S/O MOHD ZAKIR ANSARI R/O G-240 Shaheed Nagar , VTC : Chikamberpur , Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201006 declare that name of my Father has been wrongly written as MD ZAKIR ANSARI in my 10th Class Education Documents . The actual name of my Father is MOHD ZAKIR ANSARI , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, CHETNA BANSAL W/O B SAMPAT MURTY , R/o House No. D - 115, First Floor Flat, Suman Chowk, Near Baba Balak Nath Mandir, Chattarpur, Extension, Chattar Pur, South Delhi, Delhi - 110074 have changed the name of my minor daughter namely SAANVI BANSAL, aged 3 years and she shall hereafter be known as ABINESHA BHATTER.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHIT TIWARI S/O MOHAN CHANDER TIWARI R/O Khasra No - 238 , House No-39 - B , Gali No-20 , Sushant Vihar , Ibrahim Pur , PO: Alipur , DIST - North West Delhi , Delhi - 110036 declare that name of my Father has been wrongly written as MOHAN CHANDRA TIWARI in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is MOHAN CHANDER TIWARI, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJAY alias SANJIV KUMAR residing at 127, Nehar Ke Upar Wala Mohla, Village Jat khor, Delhi - 110039 have changed my name and shall hereafter be known as SANJIV KUMAR.

NAME CHANGE
I, ASHOK KUMAR YADAV son of Shri Dalip Singh resident of WZ-2, F/F, Sadh Nagar, Main Road, Palam Colony, South West Delhi-110045 have changed the name of my minor daughter BATAKH YADAV aged 13 years and she shall hereafter be known as VANYA YADAV.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AKHLAK S/O MUSTAK AHMED R/O H NO-CPJ-63, Near Naveen Public School, New Seelampur, Seelam Pur, PO: Bhajan Pura, Dist: North East Delhi, Delhi-110053 declare that name of mine and my father has been wrongly written as AKLAQ and MUSTAQ in my RC NO-DLINCR0959 and PERMIT NO-TLINC/0959/NCR (UP). The actual name of mine and my father are AKHLAK and MUSTAK AHMED which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,MOHAMMAD TARIQ S/O IRSHAD AHMAD R/O V-120/2, STREET NO-22-A, VIJAY PARK MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD TARIQ FOR ALL FUTURE PURPOSE AND MY SON NAME MOHAMMAD ZIYAD S/O MOHD TARIQ R/O V-120/2, STREET NO-22-A, VIJAY PARK MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY SON NAME MOHD ZIYAD FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I BHAVNA W/O NAKUL SEHGAL R/O 2406 SECTOR 7A FARIDABAD HARYANA 121001, I have changed my name to BHAVNA GERA Permanently

NAME CHANGE
I hitherto known as Mannhariika D/O RAJ BAHADUR Singh, R/O-L2/ 125 A LIG DDA FLATS KALKAJI, L2, BIJLI GHAR GATE NO-4, KALKAJI DDA FLATS, Kalkaji, South Delhi, Delhi, 110019, have changed my name and shall hereafter be known as NIHARIKA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nitish Kumar Mandal S/O Ram Kumar Mandal R/O B-120, GALI NO. 6, Vidyapati Nagar Inder Enclave-2, Mubarak Pur Dabas, PO: Mubarak Pur Dabas, DIST: North West Delhi, Delhi - 110081, have changed my name and shall hereafter be known as NITESH KUMAR MANDAL.

PUBLIC NOTICE
It is orgeneral information that I, ANUARA BIBI W/O YAKUB ALI R/O 85/A, GROUND FLOOR, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that name of my minor son has been wrongly written as CHHADEK ALI in my minor son namely SADIQ ALI aged 15 years in his aadhaar card No. 6077 0347 6783. The actual name of my minor son is SADIQ ALI which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल मोहम्मद शाकिर ने फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट नंबर 4-012, बिना छत के अधिकार के चौथी मंजिल पर, देव हाइट एनएच-24 से संबंधित खसरा नंबर 1140 मिनट और 1142 में 1180 वर्ग फुट के सुपर एरिया के साथ, आईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज के पास, गांव डासना परगना डासना, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में श्री मुशर्रफ जमाल कुरैशी और तरन्नुम जमाल से खरीदा है। शुरू में श्रीमती सुरैया खानम 10.08.2021 के बिक्री विलेख के आधार पर पूर्ण मालिक थीं, जैसा कि दस्तावेज़ संख्या 5941, पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 18233 में, पृष्ठ संख्या 95 से 122 पर, इस दिनांक 10.08.2021 को एसआर-सदर I गाजियाबाद, उसके बाद श्रीमती। सुरैया खानम की मृत्यु 10.02.2024 को हो गई। हमारे मुवक्किल यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल फाइनेंस लिमिटेड द्वारा किया जाना है। शाखा- राज नगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बरवाला को मिला नगर परिषद का दर्जा, सरकार ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अधिसूचना जारी कर बरवाला नगर को नगर परिषद का दर्जा दिया है। यह अधिसूचना हरियाणा नगर पालिका अधिनियम, 1973 की धारा 2 ए (2)के अंतर्गत जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार हिसार जिला के बरवाला नगर को नगर परिषद के रूप में अधिसूचित किया गया है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने इस निर्णय को बरवाला नगर की जनता के लंबे समय से चले आ रहे सपने की पूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि बरवाला को नगर परिषद का दर्जा दिलाने के लिए वो लगातार प्रयासरत थे। इस संबंध में उन्होंने निकाय विभाग को पत्र भी लिखा था और क्षेत्र की जरूरतों के मद्देनज़र इसकी मांग की थी। आज वह प्रयास सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि नगर परिषद बनने से बरवाला में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। अब बरवाला में सड़क, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी सुविधाओं का विस्तार और बेहतर प्रबंधन पहले से भी तेज और ज्यादा सुनिश्चित होगा। रणवीर गंगवा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री विपुल गोयल का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बरवाला की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। बरवाला को नगर परिषद का दर्जा मिलना आने वाले वर्षों में क्षेत्र के समग्र विकास की नींव बनेगा।

फार्मास्यूटिकल ड्रग से हुई मौत तो कैमिस्ट के खिलाफ होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस अब फार्मास्यूटिकल ड्रग के इंजेक्शन से होने वाली मौतों की गहन जांच करेगी। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फार्मास्यूटिकल ड्रग के इंजेक्शन से मरने वाले व्यक्ति के मोबाइल फोन की जांच की जाए। आमतौर पर नशे या फार्मास्यूटिकल ड्रग से होने वाली मौतों के मामले में पुलिस द्वारा परिजनों के बयान दर्ज करके लाश को पोस्टमार्टम के बाद उनके हवाले कर दिया जाता है। ऐसे में फार्मास्यूटिकल ड्रग के अवैध कारोबारी बच निकलते हैं। अब पुलिस ने इस पर रणनीति के तहत जांच करने का फैसला किया है। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि अब फार्मास्यूटिकल ड्रग के इंजेक्शन से मरने वाले व्यक्ति के मोबाइल फोन की जांच की जाएगी। उसकी लोकेशन/कॉल डिटेल्स से उस केमिस्ट शॉप के मालिक का पता करेंगे जिसने उसको ये प्रतिबंधित दवाई बेची। यह जानते हुए भी कि उसके इंजेक्शन से खरीदने वाले की मृत्यु भी हो सकती है। ऐसे समाज के दुश्मनों और युवाओं की जान से खेलने वाले लालचियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा ठोक उसे वर्षों जेल में ठूसे रखेंगे। पुलिस महानिदेशक के निर्देश के बाद हरियाणा के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को इस बारे में बताया गया है। उन्होंने अपने अंतर्गत आते पुलिस थानों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। अब पुलिस द्वारा फार्मास्यूटिकल ड्रग से होने वाली मौत को हत्या मानकर जांच की जाएगी।

पानीपत में पिस्तौल से जानलेवा हमला करने मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत सीआईए थ्री पुलिस टीम ने मतलौडा अनाज मंडी में पंचायत के दौरान पिस्तौल से फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामलें में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेटर विजय ने बताया कि पूछताछ में आरोपी अजीत उर्फ जीता ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके चार आरोपियों खुराना निवासी शुभम उर्फ शुभि, मतलौडा निवासी दीपक व सोनू व खंडरा गांव निवासी विकास व फरार अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। थाना मतलौडा में मतलौडा निवासी जितेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह नौ अक्तूबर को दिन में मतलौडा नई अनाज मंडी में दुकान नंबर 35 पर मौजूद था। उसके साथी सुरेंद्र को मतलौडा निवासी सुरेश ने फोन कर मंडी में पचायत के लिए बुलाया था।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत दो घायल

पानीपत। पानीपत में रात को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के वक्त तीनो युवक बाइक पर सवार होकर सोनीपत से शादी समारोह से लौटकर गांव बबैल जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि रात एक बजे जब बाइक गांव नांगल खेड़ी मोड़ के पास पहुंची, तभी सामने से तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। बाइक पर पीछे बैठा युवक वाहन के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही सेक्टर 29 थाना प्रभारी अनिल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल युवकों को पुलिस ने तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज जारी है। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है, जबकि बाइक चालक सोनू और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुए है। थाना प्रभारी अनिल ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सड़क के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि हादसे में शामिल वाहन की पहचान की जा सके।

मेहनत व माटी का मेल ही हरियाणा की है पहचानः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। 27वें हरियाणा स्टेट गेम्स के रंगारंग शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की माटी में वो ताकत है, इसे जो छू लेता है वह चैंपियन बन जाता है। यहां मेहनत और माटी का मेल ही हरियाणा की पहचान है। उन्होंने खिलाडियों से कहा कि हरियाणा स्टेट गेम्स की थीम माटी से मेडल तक सिर्फ एक थीम नहीं, बल्कि यह एक संकल्प है। इस अवसर पर पंडितों द्वारा किए गए शंखनाद व मंत्रोच्चारण से स्टेडियम गूंजायमान हो गया। यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में रविवार की रात को स्टेट गेम्स की शुरुआत पर मुख्यमंत्री ने जोशीले अंदाज में खिलाडियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा की युवा शक्ति के परिश्रम व प्रतिभा का उत्सव है। इसकी थीम भी है-मिट्टी से मेडल तक। हरियाणा के खेल इतिहास के एक नये अध्याय की शुरूआत हो रही है। हरियाणा की यह मिट्टी बहुत खास है। यह वह धरती है, जिसने देश को वह लाल दिए हैं जिन्होंने खेल के मैदान में भारत का तिरंगा बुलंद किया है। यही वह भूमि है जहां के खिलाडि़यों ने ओलंपिक से लेकर एशियाई, राष्ट्रमंडल से अंतराष्ट्रीय खेलों तक भारत की शान बढ़ाई है। आज 13 साल के लंबे अंतराल के बाद 27वें हरियाणा राज्य खेल उत्सव का शुभारंभ हुआ है। यह नई खेल क्रांति की शुरुआत है। 24 खेलों में छह हजार से अधिक खिलाड़ी मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने मैदान में उतरेंगे।सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि माटी से मेडल तक सिर्फ एक थीम नहीं है, यह एक संकल्प है। हम हर गांव, हर शहर, हर खेल मैदान में प्रतिभाओं को तराशेंगें और उन्हें विश्व मंच पर पहुंचाने का काम करेंगें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि हमने खेलों के लिए सशक्त व पारदर्शी नीति भी बनाई है। बचपन से ही खिलाडि़यों को तराशने के लिए खेल नर्सरी खोली हैं। उन्होंने कहा कि 13 साल बाद इन खेलों के लिए ओलंपिक संघ का आभार। मुख्यमंत्री ने खिलाडि़यों को दी जा रही सुविधाओं का भी ब्यौरा यहां दिया। अपने भाषण के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 27वें स्टेट गेम्स की अधिकारिक घोषणा की।

पुलिस की एक ही जाति, वो है खाकीःओपी सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी तथा एक एएसआई द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद पुलिस विभाग में उठ रही जातिवाद की चर्चाओं पर विराम लगाते हुए पुलिस महानिदेशक ने साफ किया है कि पुलिस की केवल एक ही जाति होती है और वह है खाकी। सोशल मीडिया पर भी हरियाणा पुलिस में अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच जातिवाद के मीम चल रहे हैं। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद प्रदेश में कई जातिवादी महापंचायतों का आयोजन भी किया गया। अब डीजीपी ओपी सिंह ने इस विवाद को खत्म करने की दिशा में कई प्रयास किए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर डीजीपी ने लिखा कि पिछले पंद्रह दिन में 9 करोड़ लोगों ने हमारी बातें सुनी। 7 करोड़ लोग एक्टिवली एंगेज हुए और 99 प्रतिशत ने कहा कि हम आपके साथ हैं। और मूल बात क्या निकली कि पुलिस की एक ही जाति है, वो है खाकी। डीजीपी ने कहा कि मैंने अपने जवानों और अधिकारियों से कहा है कि आम लोगों के अच्छे-सच्चे होने का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? उनसे सलीके-सहृदयता से पेश आयें और अपने तोप का मुंह ठगों-बदमाशों की ओर करें। पुलिस महानिदेशक की इस पोस्ट विभागीय कर्मचारियों में फैले असंतोष तथा जातिवादी विवाद को समाप्त करने की दिशा में देखा जा रहा है।

छह बार विधायक रहे संपत सिंह ने कांग्रेस छोड़ी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश के वित्त मंत्री और छह बार विधायक रह चुके प्रो. संपत सिंह ने कांग्रेस को दूसरी बार अलविदा कह दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे अपने त्यागपत्र में संपत सिंह ने कहा कि उन्हें अब विश्वास नहीं रहा कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा की जनता का मजबूत प्रतिनिधित्व प्रदेश की राजनीति में कर सकती है। पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. देवीलाल के साथियों में शामिल रहे प्रो. संपत सिंह आठ अगस्त 2022 को दूसरी बार कांग्रेस में शामिल हुए थे। साल 2019 में वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गये थे, लेकिन वहां उनका ज्यादा दिन दिल नहीं लगा। साल 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने प्रो. संपत सिंह का हिसार जिले की नलवा विधानसभा सीट से टिकट काट दिया था और अनिल मान को चुनाव लड़वा दिया था, लेकिन वहां भाजपा नेता रणधीर पनिहार की जीत हुई। संपत सिंह ने चुनाव में बागी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था, लेकिन तब उन्हें नाम वापस लेने के लिए मना लिया गया था। पिछले दिनों प्रो. संपत सिंह ने इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला के अनुरोध पर रोहतक में ताऊ देवीलाल के राज्य स्तरीय जयंती समारोह का मंच साझा किया था। तभी से अटकलें लगाई जा रही थी कि प्रो. संपत सिंह किसी भी दिन कांग्रेस को अलविदा कह सकते हैं। इनेलो प्रमुख रहे चुके पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की सरकार में ही प्रोफेसर विधानसभा में विपक्ष के नेता और वित्त व बिजली मंत्री रहे हैं। संपत सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने इस्तीफे में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके स्व. भजनलाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. अशोक तंवर, हरियाणा के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा और पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना के समय-समय पर कांग्रेस छोडक़र चले जाने के कारणों से भी पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया। साथ ही कहा कि अब इनमें अधिकतर नेता भाजपा की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में आरके आनंद की हार का जिक्र भी अपने पत्र में करते हुए पार्टी के एक नेता को जिम्मेदार ठहराया। संपत सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि कुमारी सैलजा को राजनीतिक दबाव में अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। श्रुति चौधरी व किरण चौधरी कांग्रेस छोडक़र चले गए, जो कि भाजपा में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। सावित्री जिंदल हिसार से निर्दलीय विधायक हैं।

हरियाणा ने देश को दिए विश्वस्तरीय खिलाड़ीः पी.टी ऊषा

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद पी.टी. ऊषा ने कहा कि हरियाणा की मिट्टी में हौसला, साहस और दृढ़ निश्चय की ऐसी ऊर्जा है। हरियाणा ने हमेशा देश को विश्वस्तरीय खिलाड़ी दिए हैं। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में हरियाणा स्टेट गेम्स के शुभारंभ अवसर पर बोलते हुए कही। वे समारोह में विशिष्ट रहीं। इस अवसर पर सीएम नायब सिंह सैनी, सांसद धर्मवीर सिंह, हरियाणा ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल समेत कई अतिथि मौजूद रहे। पी.टी. उषा ने कहा कि राज्य सरकार और हरियाणा ओलंपिक संघ के बीच आपसी सहयोग से खेलों का यह पुनर्जागरण संभव हुआ है। खेल मैदानों से लेकर एथलेटिक ट्रैक और शूटिंग रेंज तक, हर जगह हरियाणा प्रदेश की खेल नीतियों और सुविधाओं का प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में यह सहयोग आगे भी इसी तरह जारी रहेगा। हरियाणा खेल जगत में नई ऊंचाइयां छुएगा। इस बार के राज्य खेल उत्सव का शुभंकर महाबली चीता रखा गया है, जो गया है। उत्सव में हरियाणा प्रदेश की गौरवशाली खेल यात्रा पर एवी क्लिप पर प्रदर्शित की गई। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में यह खेल उत्सव 8 नवंबर को कुरुक्षेत्र में सम्पन्न

हरियाणा के खिलाड़ियों की तेज रफ्तार, साहस और जीत की भावना का प्रतीक है। वहीं, आयोजन का थीम सॉन्ग माटी ते मेडल उपजें छोरे छोरी हरियाणा के पूरे राज्य में जोश और गर्व का संचार कर रहा है। इस गीत के माध्यम से हरियाणा की मिट्टी से जुड़े खिलाड़ियों की मेहनत और जज़्बे को सलाम किया होगा। मिट्टी से मेडल तक थीम पर आधारित इस सात दिवसीय उत्सव में हरियाणा के नौ जिलों सहित चंडीगढ़ तथा नई दिल्ली में 24 विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी जिनमें राज्य भर के 6 हजार से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

यौगिक खेती सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में श्रेष्ठ कदमः बच्चन सिंह आर्य

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में हुआ किसान सम्मेलन

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व कृषि मंत्री बचन सिंह आर्य ने कहा कि वो ब्रह्माकुमारीज संस्थान से 32 वर्षों जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान का पवित्र जीवन उन्हें बहुत आकर्षित करता है। राजयोग हमें पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यौगिक खेती जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में श्रेष्ठ कदम है। वे यहां ब्रह्माकुमारीज के बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा एक दिवसीय किसान सम्मेलन में बोल रहे थे। दादी प्रकाशमणी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय कृषि दर्शन एवं सम्पूर्ण ग्राम विकास विषय पर कार्यक्रम हुआ। पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि पुराने समय में जब वो खेती करते थे तो पहले धरती का वंदन करते थे। गौ पालन सबसे श्रेष्ठ कार्य है। उन्होंने कहा कि सभी को गौ पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसा अन्न होगा वैसा ही मन होगा। जितना हम खुद उगाए कृषि उत्पादों का उपयोग करते हैं, उतना ही स्वस्थ रहते हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी सरला दीदी ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य से सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत आत्मनिर्भर था। भारत की संस्कृति स्वर्णिम और गौरवशाली रही है। भारत कृषि प्रधान देश है। लेकिन आज रासायनिक उर्वरकों के कारण खेती की दशा बिगड़ती जा रही है। किसानों की दयनीय स्थिति हो गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन.वी. कुंभारे ने कहा कि बिना कृषि के विकास के देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि धरती की उर्वरक शक्ति को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती जरूरी है। कृभको के संयुक्त महाप्रबंधक दिनेश कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य समस्या का मूल कारण वास्तव में प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती का प्रदूषण मुक्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की वरिष्ठ शिक्षिका राजयोगिनी विजय दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हमारे किसान अन्नदाता हैं। राजयोग एवं यौगिक खेती के माध्यम से हम किसानों का सशक्तिकरण कर सकते हैं। ग्राम विकास प्रभाग के सक्रिय सदस्य बीके राजेंद्र ने प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रभाग का उद्देश्य शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देना है। संस्थान द्वारा समय-समय पर देश के किसानों को प्रशिक्षित करना है।

कुदरत की मार व सरकार की लापरवाही से किसान बेहाल : राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा है कि राज्य के रोहतक, भिवानी, हिसार और जींद जिलों में अब भी 50 हजार एकड़ से अधिक कृषि भूमि में जलभराव है और सरकार गंभीर नहीं है। चंडीगढ़ में जारी एक बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के खेतों में दो से तीन फीट पानी भरा है, फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, मगर भाजपा सरकार अब तक मुआवजे की घोषणा तक नहीं कर पाई है। यह सरकार किसानों की नहीं, ठेकेदारों और अफसरों की सरकार बन गई है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि चार जिलों में हजारों किसान अपनी जमीनों पर फिर से बुआई नहीं कर पा रहे हैं। खरीफ की फसल डूब जाने के बाद अब रबी की तैयारी भी ठप पड़ी है। सरकार की निष्क्रियता और प्रशासनिक सुस्ती के कारण किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने हरियाणा सरकार से मांग की कि जिन जिलों में जलभराव अभी भी है, वहां फौरन गिरदावरी पूरी कर किसानों को अंतरिम राहत राशि जारी की जाए। प्रत्येक प्रभावित किसान को प्रति एकड़ कम से कम 50,000 का मुआवज़ा तत्काल दिया जाए। सिंचाई विभाग और जल निकासी प्रणाली की विफलता की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। आने वाले रबी सीजन में किसानों को मुफ्त बीज और खाद सब्सिडी दी जाए ताकि वे फिर से खेती शुरू कर सकें।

नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में डाक्टरों का सहयोग जरूरीः एसपी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने डॉक्टरों के साथ बैठक की और कहा कि सिरसा पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम में अहम योगदान दें, ताकि एक सभ्य समाज की संरचना की जा सके।

उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर चिंता का विषय है, इसलिए हम सबको एक साथ मिलकर इस लड़ाई से लडऩा होगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे से पीड़ित युवाओं को नशा छुड़ाने के लिए आपका सहयोग अति आवश्यक है । पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने सिरसा के सभी निजी व सरकारी अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे ओपीडी पर्चियों, लैब रिपोर्टों और दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन पर अपने हस्ताक्षर, नाम, पदनाम और पंजीकृत संख्या अवश्य अंकित करें। इसके अलावा प्रिस्क्रिप्शन स्लिप पर दवाइयां लिखते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें की मरीज को दवाई कितने दिन लेनी है, इसके लिए तिथि लिखे ताकि कोई व्यक्ति दवाइयां का आदि होकर लंबे समय तक दवाई न खरीदें।

उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर संचालकों से भी आह्वान किया गया है की वे पुरानी प्रिस्क्रिप्शन पर दवाइयां ने दें । उन्होने कहा कि डी एडिशन सेंट्रो पर ईलाज के लिए आने वाले युवाओं के साथ शालीनता से पेश आए तथा उन्हें नशा छोडऩे के लिए प्रेरित करें। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि इस तरह हम अपने कर्तव्य का पालन करते हुए जीवन में छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर काम करेंगे तो निश्चित रूप से ही हमारी मेहनत रंग लाएगी और एक नशा मुक्त समाज बनाने में हम कामयाब होंगे।

सरकार की लापरवाही से हो रहा है युवाओं का पलायनः सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के लगातार विदेश पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार की लेटलतीफी और अधूरे कानूनों के कारण प्रदेश के युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। सरकारी विभागों में हजारों पद वर्षों से खाली पड़े हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रिया या तो अधूरी रह जाती हैं या फिर जानबूझकर टाल दी जाती हैं। सांसद सैलजा ने जारी एक प्रेस बयान में कहा कि प्रदेश के लाखों शिक्षित युवा रोजगार के अभाव में विदेश जाने को मजबूर हैं। वहीं, विदेशों में विशेषकर अमेरिका में डंकी रूट से गए युवाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है उन्हें हिरासत में लेकर जंजीरों में बांधा जा रहा है और अपमानित करते हुए वापस भेजा जा रहा है। यह न केवल हरियाणा के लिए शर्म की बात है, बल्कि युवाओं के सपनों और परिश्रम का निर्मम अपमान भी है। सांसद ने कहा कि हाल में सामने आए समाचारों से स्पष्ट है कि हरियाणा सरकार ने 2024 में बनाए गए ट्रैवल एजेंट पंजीकरण कानून को अब तक प्रभावी नहीं किया, जिसके कारण फर्जी एजेंटों का जाल फैलता जा रहा है। ये एजेंट भोले भाले युवाओं से लाखों रुपये लेकर उन्हें अवैध रास्तों से विदेश भेजते हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए।

सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए, युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और कौशल प्रशिक्षण के अवसर बढ़ाए जाएं, फर्जी एजेंटों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर अवैध रैकेट खत्म किए जाएं और ग्राम पंचायतों और मीडिया के माध्यम से विदेश जाने के खतरों पर जन जागरूकता चलाई जाए। सांसद ने कहा कि हरियाणा का युवा 20-25 हजार रुपये मासिक वेतन पर संघर्ष कर रहा है, जबकि रोजगार न मिलने के कारण वही युवा 45 लाख रुपये तक खर्च कर डंकी रूट से विदेश जाने का जोखिम उठाता है। लेकिन वहां पहुंचकर अपमानित होता है, ठगा जाता है और अंत में खाली हाथ लौटता है।

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे पुरस्कारः अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए पंजीकरण और आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए निर्धारित शर्तें और मापदंड पूरे करने वाले 15 नवंबर तक अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से वर्ष 2006 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार नाम से एक योजना शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के जिलों/संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करना, मान्यता देना और पुरस्कृत करना है।उपायुक्त ने बताया कि प्राथमिकता कार्यक्रमों, नवाचारों और आकांक्षी जिलों में जिला कलेक्टरों के प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए 2014 में इस योजना का पुनर्गठन किया गया। जिले के आर्थिक विकास की दिशा में जिला कलेक्टरों के प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए 2020 में इस योजना का फिर से पुनर्गठन किया गया। रचनात्मक प्रतिस्पर्धा, नवाचार, प्रतिकृति और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 2021 में एक नए दृष्टिकोण के साथ योजना को नया रूप दिया गया। इस दृष्टिकोण के तहत केवल मात्र लक्ष्यों की प्राप्ति के बजाए सुशासन, गुणात्मक उपलब्धि और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए, पुरस्कारों के लिए आवेदनों का मूल्यांकन तीन मानदंडों सुशासन, गुणात्मक और मात्रात्मक आधार पर किया जाएगा। पुरस्कार प्रथम श्रेणी जिलों का समग्र विकास, द्वितीय श्रेणी आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम व श्रेणी नवाचार में प्रदान किए जाएंगे। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार योजना 2026 के अंतर्गत ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए गए

NAME CHANGE

I hitherto known as LAKSH YADAV S/o RAMBIR YADAV, R/o 7/1, Darbari Pur Road, Near Mata Mandir, Sector-69, Badshahpur, PO: Badshahpur, Dist. Gurgaon, Haryana-122101, have changed my name and shall hereafter be known as LAKSHYA YADAV, for all future purposes

मानेसर में घंटों लगने वाले जाम के कारण सप्लाई चेन होती है प्रभावितः विनोद बापना

एजेंसी

गुरुग्राम। सीआईआई गुरुग्राम जोन के चेयरमैन और कैपेरो मारुति के सीईओ विनोद बापना ने कहा कि मानेसर क्षेत्र देश के प्रमुख औद्योगिक हब में शामिल है। यहां मारुति, हीरो, होंडा जैसी अग्रणी कंपनियों के साथ सेंकड़ों वेंडर्स कार्यरत हैं। घंटों लगने वाले जाम के कारण सप्लाई चेन प्रभावित होती है। उत्पादन में देरी से व्यापार को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। राव इंद्रजीत सिंह द्वारा इस समस्या को प्राथमिकता देना निश्चित रूप से उद्योग जगत के लिए राहत की बात है। यहां जारी बयान में बापना ने कहा कि फ्लाईओवर निर्माण की घोषणा हुए लगभग एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, परंतु अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर मानेसर क्षेत्र में लंबे समय से जारी भीषण जाम से परेशान औद्योगिक इकाइयों और आम नागरिकों को अब कुछ राहत की उम्मीद जगी है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुग्राम में अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लिया है। फ्लाईओवर निर्माण से पहले वाहनों के सुगम आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि मानेसर में प्रस्तावित एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण कार्य को तभी शुरू किया जाए जब गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग (352डी) का कार्य पूरा हो जाए, ताकि एनएच-48 पर यातायात दबाव कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य केवल ढांचे खड़े करना नहीं, बल्कि आमजन की सुविधा, सुरक्षा और क्षेत्र के औद्योगिक संतुलन को बनाए रखना भी होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री की इस पहल पर उद्योग जगत ने उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंत्री के हस्तक्षेप से अब यह प्रक्रिया तेज होगी। जल्द ही एनएच-48 पर निर्बाध यातायात और सुचारु औद्योगिक गतिविधियों का रास्ता साफ होगा।

रुपया सात पैसे टूटकर 88.77 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.77 पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों एवं वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की सतत निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.73 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 88.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद स्तर से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 88.70 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.59 पर आ गया।

बजाज ऑटो की थोक बिक्री अक्टूबर में आठ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली बजाज ऑटो की निर्यात सहित कुल थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 5,18,170 इकाई हो गई। अक्टूबर 2024 में उसने 4,79,707 वाहन बेचे थे। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि कुल घरेलू बिक्री अक्टूबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 3,14,148 इकाई हो गई जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 3,03,831 इकाई थी। अक्टूबर में कुल निर्यात सालाना आधार पर 1,75,876 इकाई से 16 प्रतिशत बढ़कर 2,04,022 इकाई हो गया। वहीं अक्टूबर में निर्यात सहित दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री सालाना आधार पर 4,14,372 इकाइयों की तुलना में सात प्रतिशत बढ़कर 4,42,316 इकाई हो गई। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 2,66,470 इकाई रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,55,909 इकाई थी।

पाइन लैब्स का आईपीओ सात नवंबर को खुलेगा

नई दिल्ली वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 210-221 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसका 3,900 करोड़ रुपये का आईपीओ सात नवंबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 11 नवंबर को संपन्न होगा। बड़े निवेशक छह नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 2,080 करोड़ रुपये के नए शेयर और 8.23 करोड़ से अधिक शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी की योजना नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग ऋण चुकाने, आईटी परिसंपत्तियों में निवेश, क्लाउड बुनियादी ढांचे पर व्यय, प्रौद्योगिकी विकास पहल और 'डिजिटल चेकआउट पॉइंट्स' की खरीद के लिए करने की है।

कोल इंडिया का उत्पादन अक्टूबर में 9.8 प्रतिशत घटा

मुंबई देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है।

भारत में पेट्रोल की खपत बढ़ी, डीजल की बिक्री में गिरावट

पेट्रोल की खपत में 7.03 प्रतिशत की वृद्धि, डीजल में सालाना आधार पर 0.48 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली

तेल मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में पेट्रोल की खपत में सालाना आधार पर 7.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसकी प्रमुख वजह त्योहार के कारण बढ़ी मांग है। इस महीने में पेट्रोल की घरेलू खपत 36.5 लाख टन रही, जो पिछले साल अक्टूबर में 34.1 लाख टन थी।

देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की खपत में सालाना आधार पर 0.48 प्रतिशत गिरावट आई है। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनॉलिसिस सेल (पीपीएसी) की रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में पेट्रोल की खपत 76 लाख टन रही।

सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) से चलने वाले वाहनों के इस्तेमाल के कारण डीजल की मांग में कमी आई है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से वाणिज्यिक वाहनों और कृषि मशीनरी में होता है।

विमान में इस्तेमाल होने वाले ईंधन (एटीएफ) की मांग इस माह के दौरान सालाना आधार पर 1.57 प्रतिशत बढ़ी है, जो मुख्य रूप से त्योहारी यात्रा की वजह से हुआ है।

अक्टूबर में एटीएफ की खपत 76.9 लाख टन रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 75.7 लाख टन थी। अक्टूबर में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत भी 5.42 प्रतिशत बढ़ी है और यह पिछले साल अक्टूबर के 28.2 लाख टन की तुलना में इस साल अक्टूबर में बढ़कर 29.4 लाख टन हो गई।

लेंसकार्ट की एआई से लैस 'स्मार्ट' चश्मे लाने की योजना

नई दिल्ली चश्मे एवं लेंस की खुदरा विक्रेता लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड दिसंबर के ओ खिर तक एआई से लैस स्मार्ट चश्मे लाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी में इसे आंतरिक रूप से अभी 'बी बाय लेंसकार्ट स्मार्टग्लासेस' कहा जाता है। इन कृत्रिम मेधा से लैस चश्मों के स्वास्थ्य व कल्याण संबंधी तथा अन्य जानकारी मुहैया कराने सहित यूपीआई भुगतान करने में सक्षम होने की उम्मीद है। जेमिनी 2.5 पर विकसित इन 'स्मार्ट' चश्मों की कीमत अभी तय नहीं की गई है। इससे जुड़ी जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा` कि इन स्मार्ट ग्लास का उद्देश्य आईवियर अनुभव में कृत्रिम मेधा (एआई) और वाणिज्य को लाना है जहां आपका चश्मा न केवल दृष्टि के लिए बल्कि बातचीत और सुविधा के लिए भी होगा। सके संभवतः क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन एआर1 जेन-1 मंच द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। यह एक चिपसेट है। इस संबंध में लेंसकार्ट ने अभी कोई जानकारी नहीं दी है।

अक्टूबर में यूपीआई ने तोड़ा रिकॉर्ड, 27.28 लाख करोड़ के डिजिटल लेनदेन हुए

त्योहारी सीजन और जीएसटी 2.0 सुधारों से बढ़ी डिजिटल गतिविधियां

मुंबई अक्टूबर माह डिजिटल भुगतान के इतिहास में रिकॉर्ड बनाने वाला साबित हुआ। इस दौरान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से 20.7 अरब लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 27.28 लाख करोड़ रहा। यह अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में लेनदेन की संख्या 5 प्रतिशत और मूल्य 10 प्रतिशत अधिक रहा। इस वृद्धि के पीछे त्योहारी सीजन में बढ़ती खरीदारी और जीएसटी 2.0 सुधारों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। अन्य प्रणालियों में भी सकारात्मक रुझान दिखा। आईएमपीएस लेनदेन सितंबर के 39.4 करोड़ से बढ़कर 40.4 करोड़ और मूल्य 6.42 लाख करोड़ पहुंच गया। फास्टैग से अक्टूबर में 36.1 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि आधार आधारित भुगतान प्रणाली में भी 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत अब तेज़ी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ भारतीय बाजार

सेंसेक्स 40 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 39.78 अंक या 0.05 प्रतिशत उछलकर 83,978.49 अंक पर बंद हुआ। इसके 14 शेयरों में तेजी और 16 में गिरावट रही। कारोबार के दौरान इसने 84,127 के उच्चतम और 83,609.54 के निम्नतम स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.25 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,763.35 पर आ गया। चुनिंदा वाहन और बैंकिंग शेयरों में लिवाली से दो दिन से जारी गिरावट थम गई।

रुपये में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही और सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 88.75 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो अब तक के सबसे निचले स्तर के करीब है। विश्लेषकों ने कहा कि नए घरेलू उत्प्रेरक के अभाव और विदेशी फंडों की निकासी के कारण उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से बाजार सीमित दायरे में रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में, महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज्यादा 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे ऊपर रही। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में 1.69 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इटरनल, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक भी प्रमुख लाभ में रहे। वहीं मारुति सुजुकी में सबसे ज्यादा 3.37 प्रतिशत की गिरावट आई। आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा गिरे।

यूरोपीय बाजार में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

1.21 लाख के पार पहुंचा सोना

नई दिल्ली सोने-चांदी के दाम में सोमवार को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार 10 ग्राम सोना 343 रुपए बढ़कर 1,21,113 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले सोने की कीमत 1,20,770 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 535 रुपए बढ़कर 1,49,660 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई। इससे पहले इसकी कीमत 1,49,125 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। इब्जा की सोने की कीमतों में 3 प्रतिशत जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं।

अमेरिका के बढ़े टैरिफ से भारत के निर्यात में पांच माह में 37.5 फीसदी गिरावट

फार्मा, टेक्सटाइल, मेटल्स और सोलर पैनल सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाए जाने का असर अब भारत के निर्यात आंकड़ों में साफ दिखाई देने लगा है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के अनुसार मई से सितंबर 2025 के बीच भारत का अमेरिका को निर्यात 37.5 प्रतिशत घटकर 8.8 अरब डॉलर से 5.5 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से 27 अगस्त 2025 को लागू किए गए अमेरिकी टैरिफ फैसले के बाद देखी गई, जिसके तहत भारत के कई उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा झटका फार्मास्युटिकल्स, मेटल्स, स्मार्टफोन्स और ऑटो पार्ट्स जैसे उद्योगों को लगा है। फार्मा निर्यात 15.7 प्रतिशत घटकर 745.6 मिलियन डॉलर से 628.3 मिलियन डॉलर रह गया। औद्योगिक धातुओं में एल्यूमिनियम 37, कॉपर 25, आयरन-स्टील 8, और ऑटो पार्ट्स में 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। श्रम-प्रधान उद्योगों पर इसका असर और गहरा रहा। टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, केमिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी के निर्यात में 33 प्रतिशत की गिरावट आई। सोलर पैनल का निर्यात तो 60.8 प्रतिशत घट गया। मई के 202.6 मिलियन डॉलर से घटकर सितंबर में 79.4 मिलियन डॉलर रह गया। टेक्सटाइल और परिधान उद्योग में भी भारी नुकसान हुआ, जहां निर्यात 944 मिलियन डॉलर से घटकर 597 मिलियन डॉलर रह गया। जीटीआरआई ने कहा कि यह गिरावट केवल भारत की प्रतिस्पर्धा-क्षमता की कमी नहीं दर्शाती, बल्कि अमेरिकी औद्योगिक सुस्ती का भी संकेत देती है।

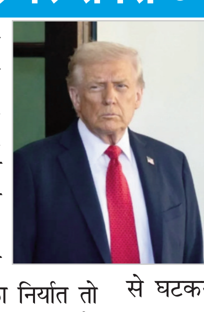

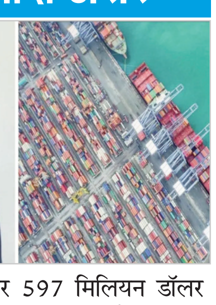

स्मॉल कैप फंड्स ने तीन साल में निवेशकों को दिया शानदार रिटर्न

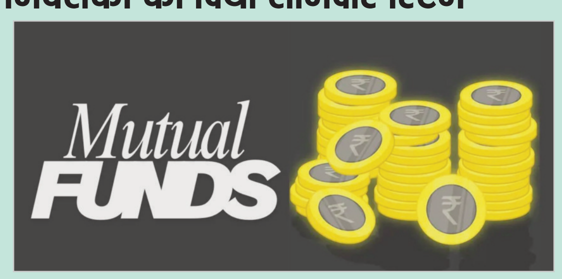

मुंबई घरेलू शेयर बाजार में हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद कुछ स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को चौंकाने वाला रिटर्न दिया है। एएमएफआई के 30 अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार, बीते तीन साल में बंधन स्मॉल कैप फंड ने सबसे अधिक रिटर्न दिया। इसके डायरेक्ट प्लान ने 33.10 फीसदी और रेगुलर प्लान ने 31.25 फीसदी का रिटर्न हासिल किया। इंवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड का डायरेक्ट प्लान 27.76 फीसदी और रेगुलर प्लान 26.00 फीसदी का रिटर्न देने में सफल रहा। क्वांट स्मॉल कैप फंड ने डायरेक्ट प्लान में 25.82 फीसदी और रेगुलर प्लान में 24.52 फीसदी रिटर्न दिया। स्मॉल कैप फंड्स ने बाजार की गिरावट के बावजूद निवेशकों को बेहतर लाभ पहुंचाया। डायरेक्ट प्लान रेगुलर प्लान की तुलना में हमेशा बेहतर रिटर्न प्रदान करता है।

टाटा ट्रस्ट्स विवाद में नया मोड़: मेहली मिस्त्री ने बोर्ड बदलावों पर रोक की मांग कर दायर की कैविएट

पुनर्नियुक्ति से वंचित उद्योगपति ने कहा, बिना मेरी बात सुने ट्रस्ट कोई निर्णय न ले

नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स के भीतर उठे मतभेद अब कानूनी मोड़ पर पहुंच गए हैं। उद्योगपति मेहली मिस्त्री, जिन्हें हाल ही में ट्रस्ट्स के बोर्ड में दोबारा नियुक्ति नहीं मिली, ने मुंबई के चैरिटी कमिश्नर के समक्ष कैविएट दाखिल की है। इस कानूनी कदम के तहत उन्होंने अनुरोध किया है कि ट्रस्ट बोर्ड में किसी भी तरह के बदलाव से पहले उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। कैविएट एक ऐसा प्रावधान है, जिसके तहत कोई व्यक्ति अदालत या सक्षम प्राधिकारी से यह आग्रह करता है कि बिना उसकी बात सुने कोई आदेश पारित न किया जाए। मिस्त्री ने यह नोटिस सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, सर रतन टाटा ट्रस्ट और बाई हिराबाई जमसेटजी नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन के सभी ट्रस्टीज, जिनमें चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हैं, को भेजा है। मिस्त्री का तर्क है कि 17 अक्टूबर 2024 को ट्रस्ट्स ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार सभी मौजूदा ट्रस्टी अपने कार्यकाल के बाद स्थायी ट्रस्टी के रूप में फिर से नियुक्त किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार, महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट और ट्रस्ट डीड के तहत यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी है और इसे रद्द करने के लिए नई मीटिंग बुलाना अनिवार्य है। हालांकि, कुछ ट्रस्टीज का कहना है कि वह प्रस्ताव केवल प्रक्रिया का हिस्सा था, बाध्यकारी नहीं। वरिष्ठ वकील ने कहा कि मिस्त्री को यह साबित करना होगा कि उनकी पुनर्नियुक्ति में कानूनी त्रुटि या ट्रस्ट डीड का उल्लंघन हुआ है। चैरिटी कमिश्नर केवल कैविएट की वैधता की जांच कर सकते हैं, ट्रस्ट के आंतरिक निर्णयों पर नहीं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बेचा 35 टन सोना

रिजर्व बैंक का कुल फॉरेक्स रिजर्व में 6.92 अरब डॉलर गिरावट दर्ज की गई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) को स्थिर रखने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया, रिजर्व बैंक ने लगभग 35 टन सोना बेचा है। यह घटना 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त हुये सप्ताह से जुड़ी है। रिजर्व बैंक का कुल फॉरेक्स रिजर्व में 6.92 अरब डॉलर (करीब 60,000 करोड़ रुपये) की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के कारण हुई है।

रुपए के मुकाबले डॉलर की कीमत तथा भुगतान संतुलन के लिए आरबीआई को यह हस्तक्षेप करना पड़ा है। सोने के भंडार में कमी- 24 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.01 अरब डॉलर घटकर 105.536 अरब डॉलर रह गया है। इस कमी के पीछे 35 टन सोने की बिक्री प्रमुख कारण रही है।

सोने की कीमतों में वैश्विक उछाल के बावजूद आरबीआई के पास अभी भी 105 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सोना स्टॉक में है। कुल फॉरेक्स रिजर्व- रिजर्व बैंक का फॉरेक्स रिजर्व 695.35 अरब डॉलर पर आ गया है। जो पिछले सप्ताह के 702.27 अरब डॉलर से कम है।

इसमें विदेशी मुद्रा संपत्ति 5.58 अरब डॉलर, स्वर्ण भंडार में 3.01 अरब डॉलर, एसडीआर में 0.11 अरब डॉलर और आईएमएफ रिजर्व पोजीशन में 0.22 अरब डॉलर की कमी दर्ज हुई है।

डॉलर को संभालने बेचना पड़ा सोना- रुपये को डॉलर की मजबूती से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए आरबीआई ने डॉलर खरीदे और सोना बेचा है। सोना आरबीआई के रिजर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कुल रिजर्व का लगभग 13-15 फीसदी हिस्सा सोने के रूप में है।

जब सभी सोना खरीद रहे हैं, तब रिजर्व बैंक ने सोना बेचा- दुनिया के सभी फेडरल बैंक सोना खरीद रहे हैं, भारत सोना बेच रहा है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख पर असर पड़ना तय है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आरबीआई ने 57.5 टन सोना खरीदा था।

ईडी ने रिलायंस ग्रुप की 3,000 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं

मनी लॉन्ड्रिंग जांच में बड़ी कार्रवाई, कंपनी ने आरोपों को बताया निराधार

मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिजनेसमैन अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कदम धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान उठाया गया है। जांच एजेंसी ने पुष्टि की है कि यह कुर्की रिलायंस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों और अनिल अंबानी से जुड़े लेनदेन के मामले में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि कुर्क संपत्तियों से जुड़ा विस्तृत बयान जल्द जारी किया जाएगा। ईडी की यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जिसमें अनिल अंबानी की कई ग्रुप कंपनियों पर बैंकों से लिए गए कर्ज में धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। एजेंसी 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध लेनदेन की जांच कर रही है, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है। इसी मामले में इस साल अगस्त में ईडी ने अनिल अंबानी से भी पूछताछ की थी। इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों की जांच कर रहा है। सीबीआई ने यस बैंक, उसके पूर्व सीईओ राणा कपूर और उनके रिश्तेदारों की कंपनियों के साथ रिलायंस ग्रुप के कथित धोखाधड़ी वाली डील्स में चार्जशीट दाखिल की है। रिलायंस ग्रुप ने सभी आरोपों से इनकार किया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि 17,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी बातें पूरी तरह काल्पनिक हैं। कंपनी का कहना है कि वह बैंकों और वित्तीय संस्थानों के कर्ज से मुक्त है तथा जून 2025 तक उसका नेटवर्थ 14,883 करोड़ रुपये है। फिलहाल ईडी की कार्रवाई के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया का इंतजार है।

विदेशी फर्मों की दुर्लभ खनिज ऑक्साइड आपूर्ति में रुचि

पीएलआई योजना से मैग्नेट उत्पादन को मिलेगी रफ्तार

मुंबई

भारत सरकार की दुर्लभ स्थायी मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देने वाली उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को अंतरराष्ट्रीय खनन और रिफाइनिंग कंपनियों का समर्थन मिला है। ब्रिटेन की रेनबो रेयर अर्थ्स, ऑस्ट्रेलिया की लिनास रेयर अर्थ्स और इलुका रिसोर्सेज जैसी प्रमुख कंपनियों ने आश्वासन दिया है कि वे बोली जीतने वाली भारतीय कंपनियों को दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की पर्याप्त मात्रा दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से आपूर्ति कर सकती हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, योजना के तहत निजी कंपनियों को 7,350 करोड़ के प्रोत्साहन के साथ पांच 6,000 टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले संयंत्र स्थापित करने होंगे। इन संयंत्रों में कुल 6,000 टन स्थायी मैग्नेट का उत्पादन करने के लिए लगभग 1,500 टन दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आवश्यकता होगी। वर्तमान में इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड केवल 500 टन तक आपूर्ति कर सकती है, इसलिए शेष 1,000 टन का आयात करना अनिवार्य है।

ऐतिहासिक विजयः भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

-डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है-क्योंकि यह सिर्फ.मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

विश्व कप के इस रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 298 रन बनाए। पारी की शुरूआत शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। स्मृति ने संयमित लेकिन महत्वपूर्ण 45 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया, जबकि शेफाली वर्मा ने आक्रामक शैली में खेलते हुए 78 गेंदों में 87 रन ठोके। उनकी पारी में चौके-छक्कों की झड़ी लगी रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बार जल्दी आउट हो गईं, लेकिन युवा बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रनों की अहम पारी खेली और टीम को एक बार फिर स्थिरता दी। मिडिल ऑर्डर में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को लगभग 300 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो शुरूआती ओवरों में उसने तेज शुरूआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही अपनी पकड़ बना ली। रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को बांधे रखा। शेफाली वर्मा ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया-उन्होंने 7 ओवर में मात्र 36 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनका हरफनमौला प्रदर्शन भारतीय जीत की रीढ़ साबित हुआ। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दक्षिण

अफ्रीका पर दबाव बढ़ता गया और अंततः भारतीय टीम ने जीत के साथ इतिहास रच दिया। शेफाली वर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट' का सम्मान मिला।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि 'खेल लड़कियों का काम नहीं', वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं। इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ.खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल (डब्लूपीएल) ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूनार्मेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है। यह जीत इस दिशा में एक और सशक्त कदम है।

आज इस विजय के साथ भारत के सामने नई जिम्मेदारी भी आई है। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि यह उत्साह और समर्थन केवल कुछ दिनों तक सीमित न रहे। जरूरत है कि स्कूल स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक खेलों को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लड़कियाँ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित हों। खेल मंत्रालय और राज्य सरकारों को ग्रामीण इलाकों में खेल प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जहाँ संसाधन और प्रशिक्षक दोनों उपलब्ध हों।

मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। महिला क्रिकेट को निरंतर प्रमुखता देना, खिलाड़ियों की कहानियों को सामने लाना, और समाज में इस भावना को मजबूत करना कि यह केवल खेल नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है-यही अब आने वाले समय की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस जीत के पीछे अनेक अनकही कहानियाँ हैं-वह माँ जो अपनी बेटी के लिए समाज की परवाह किए बिना बैट खरीदती है, वह पिता जो खेत बेचकर क्रिकेट किट दिलाता है, वह कोच जो बिना वेतन के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करता है, और वे साथी खिलाड़ी जो रिजर्व में रहकर भी हर समय टीम के साथ खड़ी रहती हैं। यह जीत केवल मैदान पर खेलने वाली 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की जीत है जो वर्षों से इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे।

भारत की विजेता महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरनी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ शामिल थीं। रिजर्व खिलाड़ियों में तेजल हसबनिस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि और सयाली सतघरे थीं, जिनका योगदान भी कम नहीं था। वे भले ही मैदान पर नहीं उतरीं, लेकिन टीम की तैयारी और एकता में उनकी भूमिका अहम रही।

इस विश्व कप ने भारतीय महिला क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थायी पहचान दिलाई है। यह अब किसी एक पीढ़ी की उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन है। भारत की बेटियाँ अब विश्व की नई मिसाल हैं-वे केवल खिलाड़ियों के रूप में नहीं, बल्कि उस शक्ति के प्रतीक हैं जो हार को भी प्रेरणा में बदल देती है।

आज जब पूरी दुनिया भारतीय टीम की इस उपलब्धि को सलाम कर रही है, तब यह पल हमें यह सोचने पर भी मजबूर करता है कि असली जीत तब होगी जब हर गाँव, हर स्कूल में कोई न कोई बेटी बैट थामकर मैदान में उतरे और यह कहे-ह्लमैं भी भारत की तरह जीतना चाहती हूँ।ह्व इस ऐतिहासिक जीत ने यह सिद्ध कर दिया है कि ह्लजहाँ इच्छा, वहाँ राहह्व कोई कहावत मात्र नहीं, बल्कि भारत की बेटियों की हकीकत है। यह जीत केवल 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि पूरे भारत की जीत है-उन परिवारों की जिन्होंने अपनी बेटियों को सपने देखने की आजादी दी; उन कोचों की जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी प्रतिभा को निखारा; और उन दर्शकों की जिन्होंने हर गेंद पर टीम का हौसला बढ़ाया। 2025 का यह वर्ष भारतीय खेलों के लिए स्वर्णिम वर्ष के रूप में दर्ज होगा। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ.इतिहास नहीं, भविष्य लिख रही हैं। उनकी यह विजय हर भारतीय के दिल में गर्व, प्रेरणा और उम्मीद की लौ जगा रही है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

संपादकीय

प्रेस की आज़ादी में बाधा

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलतः लाखों पाठक आपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरूआत ही अखबार के साथ चाय-कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है।

वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की। यह घटना अभिव्यक्ति की आजादी पर ऐसा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुबह के दौरे में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी।

चिंतन-मनन

गहराई में जाएं

गुरू के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरूदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरू ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरू ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं।

गुरू ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो। यही कान, यही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।

अभी समय लगेगा नीतीश कुमार को राजनीति से बाहर करने में

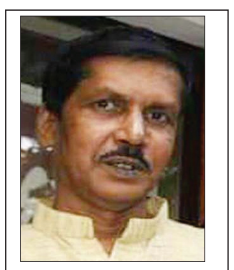

कुमार कृष्णन

भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी औकात दिखा दी है। अमित शाह ने साफ कर दिया कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद भी नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने की कोई गारंटी नहीं है।

बिहार के मुंगेर कोतवाली के पीछे शर्मा जी की चाय दुकान पर वहस में यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि चुनाव के बाद भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी।

एक मित्र दूसरे मित्र को जोर देकर कहते हैं, बस इंतजार कीजिए और देखिए। भाजपा निश्चित रूप से जदयू से ज्यादा सीटें जीतेगी और मुख्यमंत्री की गद्दी पर कब्जा करेगी। नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

गृह मंत्री की टिप्पणी को नीतीश कुमार के दो दशक लंबे शासनकाल के अंत के संकेत के रूप में व्यापक रूप से देखा जा रहा है, अमित शाह की टिप्पणी ने अनजाने में ही जेडीयू नेता की राजनीतिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। हालाँकि बाद में शाह ने अपना रुख नरम करने की कोशिश की–यह सुझाव देते हुए कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में जारी रह सकता है–लेकिन अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक समय लुप्त होती ताकत के रूप में खारिज किए जा चुके नीतीश ने अपनी प्रासंगिकता फिर से स्थापित कर ली है और इस चुनावी मौसम में खुद को एक बार फिर बिहार के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित कर लिया है। पटना के भीड़-भाड़ वाले बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, मतदाताओं का मूड बताता है कि अपने स्वास्थ्य और मनःस्थिति पर सवालों के बावजूद, नीतीश एनडीए के चुनावी गणित के लिए अपरिहार्य बने हुए हैं।

पलटू राम और पलटू चाचा जैसे उपहासपूर्ण विशेषण – नीतीश के लगातार बदलते राजनीतिक उलटफेरों को दशार्ते हुए–2020 के विधानसभा चुनावों में छाए रहे, अब काफी हद तक फीके पड़ गए हैं। राजद के मूल जनाधार वाले यादवों और मुसलमानों को छोड़कर, आज बहुत कम मतदाता इन व्यंग्यों का इस्तेमाल करते हैं।

विडंबना यह है कि 74 वर्षीय नेता ने खुद पाँच साल पहले घोषित अपनी विदाई को दरकिनार कर दिया है और चुनाव प्रचार में वापस आ गए हैं, रोजाना कई रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, हालाँकि वह अपना लिखा हुआ भाषण ही पढ़ते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान, प्रचार के आखिरी दिन, उन्होंने पूर्णिया के दमदाहा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी चुनावी मुकाबला होगा।

आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है और परसों चुनाव है। यह मेरा आखिरी चुनाव है। अंत भला तो सब भला , उन्होंने 5 नवंबर, 2020 को कहा था।नीतीश को दरकिनार किए जाने की चर्चा ने ही गैर-यादव पिछड़ी जातियों के एक बड़े वर्ग को, जो उनका सबसे वफादार मतदाता वर्ग है, उत्साहित कर दिया है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को लेकर व्यापक शिकायतों के बावजूद, उनमें से कई लोग किसी विकल्प पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे नीतीश को सड़कें बनवाने, अपेक्षाकृत शांति सुनिश्चित करने और बिहार को उसके अराजकता भरे अतीत से बाहर निकालने का श्रेय देते हैं। गंगा के उस पार राघोपुर में–जो उनके प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव का गढ़ है–अति पिछड़ी जाति के किसान हरलाल चंद्रवंशी, मुख्यमंत्री के मानसिक पतन की अटकलों को विरोधियों का प्रचार कहकर खारिज करते हैं। वे उन वायरल क्लिप्स को नजरअंदाज कर देते हैं जिनमें नीतीश नरेंद्र मोदी को अटल बिहारी वाजपेयी समझ रहे हैं या किसी अधिकारी के सिर पर गमला रख रहे हैं।

विरोधी तो प्रचार करेगा ना । नीतीश जी पूरे फिट हैं , वे जवाब देते हैं, जिससे रुस्तमपुर में उनके यादव साथी गाँव वालों की भौंहें तन जाती हैं। यहाँ के यादव बिहार के अगली पीढ़ी के नेता के रूप में युवा तेजस्वी का पूरे जोश से समर्थन करते हैं। लेकिन हरलाल अड़े रहते हैंः बिहार में जेडीयू के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

राजद नेता और विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने भी अनजाने में जदयू के पारंपरिक समर्थकों में बेचैनी पैदा कर दी है। उन्होंने शाह के बयान का बार-बार ज़िक्र करके भाजपा पर उनके चाचा नीतीश को दरकिनार करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया, जिससे मुख्यमंत्री के प्रति सहानुभूति पैदा हुई। विपक्ष के चुनावी चेहरे तेजस्वी लगभग हर रैली में भीड़ से कहते रहे हैं, यह नीतीश जी का आखिरी चुनाव है। अमित शाह खुद कह चुके हैं कि उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। 1994 में लालू प्रसाद से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले नीतीश को कभी भी अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। फिर भी, 2005 में राजद विरोधी लहर पर सवार होकर सत्ता में आने के बाद से, उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि बिहार में उनके बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती। शुरूआत में अपने ओबीसी कुर्मी समुदाय के बमुश्किल 3 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के रूप में देखे जाने वाले नीतीश ने व्यापक ओबीसी और दलित वोट बैंक को विभाजित करने के लिए चतुराईपूर्ण सोशल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल किया और लगभग 12-15 प्रतिशत का एक विश्वसनीय आधार तैयार किया। उन्होंने इस मूल समर्थन का इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार गठबंधन बदलने और बदलते गठबंधनों के बावजूद मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखने के लिए किया है।

2020 के विधानसभा चुनावों में, उनकी पार्टी जेडीयू लगभग पूरी तरह से हार गई थी, 243 में से केवल 43 सीटें जीत पाई, जबकि भाजपा 74 सीटों पर पहुँच गई। फिर भी, इस डर से कि नीतीश राजद में शामिल हो सकते हैं–जो 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी–भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने पर सहमत हो गई। यह डर तब जायज साबित हुआ जब 2022 में, नीतीश ने भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ गठबंधन कर लिया और भगवा पार्टी पर अपने संगठन को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व- क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिसमुद्दे पर हो रही है,वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश। जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी,आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन,उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से 'न्यूक्लियर रेस' में धकेल देगा? दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड दूसरों को रोको, खुद करो नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में 'न्यूक्लियर नैतिकता' का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत,अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका,जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरुनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है,जब वह अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपताहै, उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो,यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था। उसके बाद उसने अंतरराष्ट्रीय दबाव और कंप्रीहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे। लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेजी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइल 'एवंगार्ड' और 'सरमाट' की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी 'डोंगफेंग-41' जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी 'मिलिट्री टेक्नोलॉजी' में सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया,रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो,जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका परीक्षण शुरू करता है,तो रूस भी तुरंत जवाबी परमाणु परीक्षण करेगा। यह बयान सीधे संकेत देता है कि दुनियाँ फिर से कूल्ड वॉर जैसे दौर की ओर बढ़ सकती है।रूस की इस प्रतिक्रिया के बाद चीन ने भी अपनी सैन्य प्रयोगशालाओं में सुरक्षा और क्षमता वृद्धि के नाम पर तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, यूरोप के देशों,विशेषकर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने संयुक्त बयान? जारी कर कहा कि यह फैसला वैश्विक स्थिरता के लिए घातक साबित हो सकता है।संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि '33 वर्षों की शांति को तोड़ने वाला यह कदम, दुनियाँ को एक और हथियारों की दौड़ में झोंक सकता है।'

साथियों बात अगर हमन्यूक्लियर रेस,क्या इतिहास खुद को दोहरा रहा है? को समझने की करें तो,यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो यह समझना कठिन नहीं कि हर बार जब किसी शक्ति ने अपने हथियारों की ताकत दिखाने की कोशिश की है, तो उसका परिणाम वैश्विक अस्थिरता के रूप में सामने आया है।1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए दो बम विस्फोटों ने मानव सभ्यता की दिशा ही बदल दी थी। उसके बाद 1945 से अब तक लगभग 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण दुनिया भर में किए गए हैं।इनमें से आधे से अधिक परीक्षण अमेरिकाने अकेले किए,आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने करीब 1,030 परमाणु परीक्षण, रूस (पूर्व सोवियत संघ) ने 715, फ्रांस ने 210, चीन ने 45, ब्रिटेन ने 45, भारत ने 6, पाकिस्तान ने 6, और उत्तर कोरिया ने 6 परीक्षण किए हैं। यह सूची बताती है कि परमाणु शक्ति केवल रक्षा का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह देशों के राजनीतिक दबाव और वैश्विक पहचान का उपकरण बन चुकी है।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थिति,संयमित शक्ति, जिम्मेदार नीति को समझने की करें तो, भारत का नाम जब भी परमाणु शक्ति वाले देशों में लिया जाता है, तो एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में लिया जाता है। भारत ने कभी भी 'पहले इस्तेमाल' की नीति नहीं अपनाई। उसने केवल 'नों फर्स्ट यूज पालिसी' के सिद्धांत पर चलते हुए कहा कि परमाणु हथियार केवल 'रक्षा' के लिए हैं, 'आक्रमण' के लिए नहीं। भारत ने अब तक केवल दो बार परमाणु परीक्षण किए(1)1974 में स्माइलिंग बुद्धा नाम से, जब इंदिरा गांधी सरकार ने दुनियाँ को भारत की क्षमता दिखाई (2) 1998 में 'पोखरण-II' परीक्षण, जब भारत ने आधिकारिक रूप से खुद को परमाणु शक्ति घोषित किया। इसके बाद भारत ने किसी भी प्रकार का नया परीक्षण नहीं किया है।बल्कि, उसने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद उसका 'स्वैच्छिक पालन' जारी रखा है। 2017 के बाद से, जब उत्तर कोरिया ने अपना आखिरी परीक्षण किया था, तब से लेकर अब तक किसी देश ने कोई नया परमाणु परीक्षण नहीं किया। इस दृष्टि से भारत की नीति अत्यंत संतुलित मानी जाती है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समझौते और उनका भविष्य को समझने की करें तो,अमेरिका का यह कदम न केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोरता है, बल्कि दशकों से चले आ रहे परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है। (1)कंप्रेहंसिव नुक्लियर टेस्ट बैन ट्रिटी (सीटीबीटी)-यह संधि 1996 में तैयार हुई थी, जिसका उद्देश्य विश्व में सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों को रोकना था। अमेरिका ने इसे साइन तो किया, लेकिन कभी रैटिफाई नहीं किया।(2)नॉन - प्रॉलीफेरेशन ट्रिटी (एनपीटी) - 1970 में लागू हुई इस संधि के तहत देशों को परमाणु हथियार न फैलाने की जिम्मेदारी दी गई। अमेरिका इसका बड़ा समर्थक रहा है, पर अब वही नियम तोड़ रहा है।(3)स्टार्ट (स्ट्रेटेजीकआर्म्स रिडक्शन ट्रिटी)-अमेरिका और रूस के बीच हुआ यह समझौता हथियारों की संख्या घटाने के लिए था, लेकिन अब दोनों ही देश इस संधि को लगभग निष्क्रिय बना चुके हैं, अमेरिका का ताजा फैसला इन संधियों के लिए 'मौत की घंटी' साबित हो सकता है।

साथियों बात अगर हम विश्व के लिए संभावित खतरे, शांति से युद्ध की ओर? को समझने की करें तो,अगर अमेरिका ने वाकई में अपने परमाणु परीक्षण फिर शुरू

संक्षिप्त समाचार

भारी बर्फबारी और भूस्खलन में ऊपरी मुस्तांग का संपर्क कटा

काठमांडू, एजेंसी। भारी हिमपात और भूस्खलन के कारण सड़कों, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बाधित हो जाने से ऊपरी मुस्तांग का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। इसके चलते वहाँ करीब 550 से अधिक पर्यटक और 100 से ज्यादा वाहन फँसे हुए हैं। जोमसोम-कोरला सड़क जगह-जगह धँसने और भूस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश के साथ हुई बर्फबारी के कारण बागबेनी से ऊपर छुसाङ क्षेत्र तक सड़क, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बंद हो गई हैं। मुस्तांग के पुलिस प्रमुख डीएसपी छिरिंग किप्पा लामा के अनुसार, स्थानीय पुलिस चौकियाँ रविवार सुबह तक भी संपर्क में नहीं आ पाई हैं। उन्होंने बताया कि छुसाड़ से ऊपर आधा दर्जन से अधिक बड़े भूस्खलन हुए हैं और जेसीबी मशीनों से सड़क खोलने का कार्य शुरू किया गया है लेकिन पूरी तरह मार्ग साफ करने में अभी कुछ दिन लगेंगे। कागबेनी और आसपास के क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के कारण पर्यटकों को बचाव की आवश्यकता पड़ी। इसके साथ ही ऊँचे पहाड़ी और हिमालयी इलाकों का संपर्क भी पूरी तरह टूट गया। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी बिष्णु प्रसाद भुसाल के अनुसार, ऊपरी मुस्तांग में 550 से अधिक पर्यटकों से संपर्क कट गया है। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि 559 लोग और 108 वाहन वहाँ फँसे हुए हैं। ऊपरी मुस्तांग में संपर्क का कोई माध्यम उपलब्ध नहीं है। बड़े-बड़े भूस्खलन हटाने की आवश्यकता होने के कारण इसमें कम से कम 3 दिन और लगेंगे। उन्होंने कहा कि वहाँ फंसे अधिकांश पर्यटक भारत और दूसरे देशों के हैं। नेपाली टूर गाइड और विदेशी पर्यटकों की सही संख्या का भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि चूँकि वहाँ होटल और घर मौजूद हैं इसलिए सभी लोग सुरक्षित स्थान पर होंगे।

हाइड्रोलिक गियर फेल होने पर काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग, 82 यात्री सुरक्षित

काठमांडू, एजेंसी। धनगढी से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाले श्री एयरलाइंस के विमान (फ्लाइट क्यू-400222) को हाइड्रोलिक गियर में समस्या आने के बाद भैरहवा के गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। काठमांडू एयर ट्रैफिक कंट्रोल के मुताबिक काठमांडू में उतरने की तैयारी के दौरान कई प्रयास करने के बावजूद विमान का लैंडिंग गियर नहीं खुल पा रहा था। सुबह 10 बजे धनगढी से उड़ान भरने वाले इस विमान को मूल रूप से काठमांडू में उतरना था, लेकिन समस्या का पता लगने के बाद उसे कुछ समय के लिए सिमरा के ऊपर आसमान में होल्ड कराया गया। इसके बाद भैरहवा हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। हाइड्रोलिक फेल होने के कारण विमान रनवे पर ही रुक गया था। विमान में 82 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। लगभग एक घंटे बाद विमान को रनवे से खींचकर हटाया गया। इस विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को बाद में दूसरे विमान से काठमांडू भेजा गया है। श्री एयरलाइंस ने बिगड़े हुए विमान की मरम्मत के लिए काठमांडू से टेक्निकल टीम भेजी है।

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में तीन दिनों से उड़ानें बंद, सैकड़ों विदेशी पर्यटक फंसे

काठमांडू, एजेंसी। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के प्रवेशद्वार के रूप में लुक्ला स्थित तेनजिंग-हिलारी हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानें पिछले तीन दिनों से खराब मौसम के कारण निलंबित हैं। उड़ानें बंद रहने के कारण खुम्बु क्षेत्र से लौटने की तैयारी में लगे सैकड़ों विदेशी पर्यटक लुक्ला में फंसे हुए हैं। इलाके के सभी होटल और गेस्टहाउस पूरी तरह भरे हुए हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर नवराज कटुवाल के अनुसार लगातार बारिश, बर्फबारी और घना कोहरा होने से सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के लुक्ला हवाई अड्डे से उड़ानें गुरुवार से ही बंद हैं, जो आज शनिवार को भी नहीं खुल पाई हैं। कटुवाल ने बताया कि दृश्यता बहुत कम है और न केवल हवाई जहाज, बल्कि हेलीकॉप्टर भी उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। कुछ हेलीकॉप्टरों ने पिछले गुरुवार उड़ान भरी थी, लेकिन तब से कोई उड़ान नहीं हुई है। लुक्ला में तारा एयर के प्रभारी अमृत मगर ने बताया कि करीब 1,500 पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लुक्ला के सभी होटल भरे हुए हैं और नए मेहमानों के लिए कमरे खोजना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी तोया कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि कुछ होटलों को पर्यटकों को लॉबी में ही बैठाने की व्यवस्था करनी पड़ी है। फ्रांस की पर्यटक जूली मारी ने कहा कि हम तीन दिन पहले एवरेस्ट बेस कैंप से लौटे थे और तब से लुकला में ही उड़ान शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

पोकरोव्स्क में अब भी डटे यूक्रेनी सैनिक, रूस ने घेराबंदी का दावा किया

कीव/मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर ओलेक्जेंडर सर्स्की ने शनिवार को कहा कि उनकी सेना पूर्वी शहर पोकरोव्स्क में अब भी मजबूती से डटी हुई है, जबकि रूस का दावा है कि उसने एक साल से अधिक चले संघर्ष के बाद शहर को 'पिन्सर मूवमेंट' (दोनों दिशाओं से घेरने की रणनीति) में जकड़ लिया है। रूस डोनेट्स्क प्रांत पर पूर्ण नियंत्रण पाने के अपने अभियान के तहत मध्य-2024 से पोकरोव्स्क पर कब्जे की कोशिश कर रहा है, जिसे 'डोनेट्स्क का प्रवेश द्वार' कहा जाता है। युद्ध से पहले करीब 70,000 आबादी वाला यह शहर अब लगभग पूरी तरह तबाह और खाली हो चुका है।

रूस की बड़ी जीत बन सकता है पोकरोव्स्क : यदि रूस इस शहर पर कब्जा कर लेता है, तो यह अवदीवका के पतन के बाद उसकी सबसे बड़ी सैन्य उपलब्धि होगी। अवदीवका को रूस ने 2024 की शुरुआत में बेहद खूनी लड़ाई के बाद अपने नियंत्रण में लिया था। उसके बाद से रूस ने 1,000 किलोमीटर लंबी मोर्चा रेखा पर धीरे-धीरे बढ़त बनाई है। दोनों पक्षों के हजारों सैनिकों की मौत हो चुकी है। जहां कीव का कहना है कि स्थिति 'काफी हद तक ठहरी हुई' है और क्षेत्रीय नुकसान मामूली हैं, वहीं मॉस्को का दावा है कि वह अब भी 'रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बढ़त' हासिल कर रहा है।

'हम पोकरोव्स्क को संभाले हुए हैं' : यूक्रेनी कमांडर : यूक्रेन के सेना प्रमुख सर्स्की ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'हम पोकरोव्स्क को संभाले हुए हैं। दुश्मन बलों को शहर से बाहर निकालने का व्यापक अभियान जारी है।' रूसी अधिकारियों का कहना है कि यदि वे पोकरोव्स्क और इसके उत्तर-पूर्व में स्थित कोस्त्यान्तिनिव्का पर नियंत्रण पा लेते हैं, तो वे आगे क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क की ओर बढ़ सकेंगे – जो डोनेट्स्क क्षेत्र के यूक्रेन-नियंत्रित सबसे बड़े शहर हैं।

जमीन पर हालात अब भी अस्पष्ट : यूक्रेनी ओपन-सोर्स मानचित्र डीपस्टेट के अनुसार, रूसी सैनिक फिलहाल शहर के दक्षिणी हिस्से के एक छोटे भाग पर नियंत्रण में हैं, जबकि बाकी क्षेत्र को 'ग्रे ज़ोन' बताया गया है - यानी किसी भी पक्ष का पूरा नियंत्रण नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मीडिया चैनल ज्वेज्दा ने दावा किया कि यूक्रेनी सैनिक आत्मसमर्पण कर रहे हैं और दो बंदी सैनिकों का वीडियो जारी किया, लेकिन रॉयटर्स इस वीडियो की पुष्टि नहीं कर सका। इस बीच, कीव ने बताया कि उसने एक हेलीकॉप्टर से विशेष बलों की टीम को पोकरोव्स्क में भेजा है ताकि रूसी बढ़त को रोका जा सके। रूस का कहना है कि उसने उस मिशन में शामिल 11 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया, जबकि यूक्रेनी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज किया और कहा कि अभियान अब भी जारी है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, पोकरोव्स्क की स्थिति 'कठिन और बदलती हुई' है, लेकिन उन्होंने शहर के कुछ हिस्सों में 'रणनीतिक रूप से बेहतर स्थिति' हासिल की है।

डोनबास पर कब्जे की कोशिश जारी : रूस डोनबास क्षेत्र (लुहान्स्क और डोनेट्स्क प्रांतों) पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। यूक्रेन वर्तमान में डोनबास के पश्चिमी हिस्से का लगभग 10 प्रतिशत क्षेत्र – करीब 5,000 वर्ग किलोमीटर – अपने नियंत्रण में रखे हुए है। पोकरोव्स्क की लड़ाई यह तय कर सकती है कि पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष की दिशा किस ओर मुड़ेगी, कीव के बचाव की ओर या मॉस्को के बढ़ते कब्जे की तरफ।

सीरियाई राष्ट्रपति अहमद शरआ जल्द कर सकते हैं वॉशिंगटन की यात्रा : अमेरिकी दूत

मनामा, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने शनिवार को कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद शरआ निकट भविष्य में वॉशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। बैरक ने बहरीन में आयोजित वार्षिक वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'मनामा डायलॉग' के दौरान संवाददाताओं से कहा कि इस दौरे के दौरान सीरिया के अमेरिका-नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की 'उम्मीद' है, जो इस्लामिक स्टेट (आईएस) जैसे आतंकी संगठन के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय है। यदि यह यात्रा होती है, तो यह राष्ट्रपति शरआ की संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले उन्होंने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क का दौरा किया था। गौरतलब है कि पिछले वर्ष दिसंबर में बशर अल-असद से सत्ता संभालने के बाद, राष्ट्रपति शरआ ने कई देशों की यात्राएं की हैं, जिनका उद्देश्य उन वैश्विक शक्तियों के साथ सीरिया के संबंधों को पुनर्स्थापित करना है जिन्होंने असद शासन के दौरान दमिश्क से दूरी बना ली थी। सीरिया अभी तक 2014 में गठित उस अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं है, जिसका उद्देश्य इस्लामिक स्टेट को समाप्त करना था। इस संगठन ने 2014 से 2017 के बीच सीरिया और इराक के लगभग एक-तिहाई हिस्से पर कब्जा कर लिया था और वहां कट्टरपंथी शरीया कानून लागू किया था। बाद में, अमेरिकी गठबंधन बलों और उनके स्थानीय साझेदारों ने आईएस को 2019 में उसके अंतिम गढ़ से बाहर कर दिया। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, इस्लामिक स्टेट अब असद शासन के पतन के बाद सीरिया और पड़ोसी इराक में पुनर्गठन की कोशिश कर रहा है। अगर शरआ का यह वॉशिंगटन दौरा सफल रहता है, तो यह न केवल दमिश्क और वॉशिंगटन के बीच संबंधों के सामान्यीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, बल्कि सीरिया के नई अंतरराष्ट्रीय भूमिका की भी शुरुआत साबित हो सकता है।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेंडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू हुई। जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई। जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां, हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है।

वेनेजुएला में विपक्ष अमेरिकी कार्रवाई पर बंटा, सीनेटरों ने ड्रग रणनीति पर मांगे जवाब

काराकास/वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के खिलाफ संभावित अमेरिकी कार्रवाई को लेकर देश के विपक्षी नेताओं में गहरे मतभेद सामने आए हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि इन हमलों के पीछे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करने की साजिश हो सकती है। सितंबर से अब तक कैरिबियाई सागर और प्रशांत महासागर में अमेरिकी हमलों में दर्जनों लोग मारे गए हैं। उधर अमेरिका में कांग्रेस के उच्च सदन सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ड्रग तस्करी' विरोधी रणनीति पर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित वेनेजुएला की मारिया कोरिना माचाडो ने ट्रंप की नीतियों का समर्थन किया है, जो राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को

अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बताते हैं। उन्होंने अमेरिकी खुफिया एजेंसी 'सीआईए' की गुप्त कार्रवाइयों और सैन्य तैनाती का स्वागत किया। हालांकि दो बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहें हेनरिके कैप्रिल्स ने अमेरिकी सशस्त्र हस्तक्षेप का विरोध करते हुए मादुरो सरकार और अमेरिका के बीच बातचीत की वकालत की है। कैप्रिल्स ने माचाडो गुट को 'चरमपंथी' करार दिया, जबकि माचाडो के सलाहकार मैगाली मेडा ने इस बाबत विपक्ष की एकजुटता का दावा किया। इस बीच विश्लेषकों का कहना है कि विपक्ष का विभाजन वेनेजुएला के नागरिकों को दुविधा में डाल रहा है। इस मसले पर कतर ने मध्यस्थता की पेशकश की है, लेकिन अभी इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। वर्ष 2024 चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार की शानदार जीत के बावजूद मादुरो तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ले चुके हैं। वह अमेरिकी हमलों को सत्ता परिवर्तन की साजिश बता रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, 70 प्रतिशत वेनेजुएलाई नागरिक मादुरों शासन के खिलाफ हैं, जबकि 60 प्रतिशत माचाडो के नेतृत्व में अमेरिकी समर्थन चाहते हैं। उधर, अमेरिका में सीनेट आर्म्ड सर्विसेज समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष रोजर विकर और डेमोक्रेट जेक रीड ने ट्रंप प्रशासन से वेनेजुएला के 'ड्रग कार्टेल' के खिलाफ नौका हमलों के कानूनी आधार और 'कार्यकारी आदेश' की मांग की है। हालांकि इस बाबत सितंबर 23 और अक्टूबर 6 के उनके पत्रों का अभी कोई जवाब नहीं मिला है। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को वेनेजुएला पर हमलों की योजना की बात से इनकार किया और इतना ही कहा कि वह अमेरिकी सैन्य ताकत को दुरूस्त कर रहे हैं।

मिस्त्र ने खोला प्राचीन सभ्यता को समर्पित विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय

काहिरा, एजेंसी। मिस्त्र ने शनिवार को अपनी प्राचीन सभ्यता की विरासत को समर्पित ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम (जीईएम) का भव्य उद्घाटन किया। दो दशकों से निर्माणाधीन यह विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय है, जो न केवल मिस्त्र की ऐतिहासिक धरोहर को एक छत के नीचे समेटेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को नई ऊर्जा देने की उम्मीद भी जगाता है। गिजा के प्रसिद्ध पिरामिड और स्फिंक्स के पास स्थित यह म्यूजियम 50,000 से अधिक प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित करता है, जिनमें फराओ-कालीन जीवन की झलक देखने को मिलती है। खास बात यह है कि यहां राजा तुच तनखामुन की समाधि से मिली संपूर्ण धरोहर को पहली बार एक साथ प्रदर्शित किया गया है, जो 1922 में खोजे जाने के बाद अब तक कहीं एक स्थान पर नहीं रखी गई थी।

'मानवता की एक सिम्फनी' का मंच : उद्घाटन समारोह में कई विश्व नेताओं, राजपरिवारों और सरकार प्रमुखों ने हिस्सा लिया। मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह संग्रहालय 'प्राचीन मिस्त्रवासियों की प्रतिभा और आधुनिक मिस्त्रवासियों की रचनात्मकता का संगम' है, जो विश्व संस्कृति और कला को एक नया आयाम देगा। इस मौके पर काहिरा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और शनिवार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया। संग्रहालय के प्रांगण में भव्य मंच पर ऑर्केस्ट्रा और कलाकारों ने 'ग्लोबल सिम्फनी ऑफ ह्यूमैनिटी' नामक संगीत प्रस्तुति दी। उद्घाटन से एक रात पहले सैकड़ों ड्रोन ने आसमान में राजा तुतनखामुन के मुखौटे और रथ की शानदार लाइट शो प्रस्तुति दी थी, जिसने वातावरण को और भी रहस्यमय बना दिया था।

अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा म्यूजियम : संग्रहालय के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य और उद्योगपति सर मोहम्मद मंसूर के अनुसार, जीईएम हर साल करीब 50 लाख पर्यटकों को आकर्षित करेगा। यह संख्या इसे विश्व के सबसे लोकप्रिय संग्रहालयों की श्रेणी में लाकर खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि इसका देश की अर्थव्यवस्था पर 'अत्यंत सकारात्मक प्रभाव' पड़ेगा। 2014 में सत्ता संभालने के बाद राष्ट्रपति सीसी ने कई मेगा प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य मिस्त्र की जड़ हो चुकी अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकना है। ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम उन्हीं में से एक है, एक ऐसा स्मारक जो न केवल मिस्त्र की गौरवशाली सभ्यता का प्रतीक बनेगा, बल्कि आधुनिक मिस्त्र की प्रगति का भी प्रतीक चिन्ह साबित होगा।

तंजानिया की राष्ट्रपति हसन विवादित चुनाव में भारी मतों से जीतीं

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया की राष्ट्रपति समिया सुलुहू हसन ने देश के विवादित चुनाव के शनिवार तड़के घोषित आधिकारिक नतीजों में जबरदस्त जीत हासिल की है। हालांकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि यह चुनाव कोई मुकाबला नहीं, बल्कि राष्ट्रपति हसन का ताजपोशी समारोह था। खबरों के अनुसार चुनाव में उन्हें 97% से ज्यादा वोट हासिल हुए जो एक तरह का रिकार्ड है। हालांकि हसन के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया और उन्हें केवल छोटे दलों के 16 उम्मीदवारों का सामना करना पड़ा। इस बीच 29 अक्टूबर को हुए ये चुनाव भारी हिंसा के बीच सम्पन्न हुए हैं जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। कई शहरों में चुनावों को एकतरफा बताते हुए प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और वोट गिनती रोकने की कोशिश की। सेना को पुलिस की मदद के लिए तैनात किया गया है । इस बीच अधिकारियों ने हिंसा में मारे गए या घायल लोगों की संख्या नहीं बताई। हालांकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता सेइफ मगंगो ने शुक्रवार को जिनेवा में वीडियो के जरिए व्यापारिक राजधानी दार अस सलाम, शिन्यांगा और मोरोगोरो शहरों में 10 लोंगो के मारे जाने की पुष्टि की हैं। खबरों के मुताबिक देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी 'चाडेमा' के नेता तुंडू लिस्सू महीनों से जेल में बंद हैं। उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया है क्योंकि उन्होंने चुनाव सुधारों की मांग की थी। वहीं एक अन्य विपक्षी नेता, एक्ट-वजालेंदो समूह के लुहागा म्पिना को उम्मीदवार बनने से रोक दिया गया। तंजानिया में सत्ताधारी 'चामा चा मापिंदुजी' या 'सीसीएम पार्टी' दशकों से सत्ता पर काबिज है, जबकि विपक्षी नेता इस बार राजनीतिक बदलाव लाने की उम्मीद कर रहे थे। हसन ने अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है या फिर चुनावों में भाग ही नहीं लेने दिया है। देश में एक्स (पूर्व ट्विटर) और तंजानियाई डिजिटल प्लेटफॉर्म 'जामीयफोरम्स' पर पाबंदी है। उनके खिलाफ आवाज उठाने वालों को धमकी या गिरफ्तारी से चुप करा दिया गया। सत्ताधारी सीसीएम पार्टी के तार चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हैं जो 1961 में देश की ब्रिटेन से आजादी के बाद से ही सत्ता पर काबिज है।

अफ़ग़ानिस्तान के साथ 'शत्रुता' और नहीं बढ़ाना चाहते-पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह अफ़ग़ानिस्तान के साथ 'शत्रुता' को और नहीं बढ़ाना चाहता है बल्कि वह आशा करता है कि तालिबान शासक अफ़ग़ानिस्तान की धरती से सक्रिय विद्रोहियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके उसकी सुरक्षा संबधी चिंताओं का समाधान करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने शुक्रवार को यह बात कही। यह टिप्पणी उस समय आई है जब एक दिन पहले ही पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने तुर्किए और कतर की मध्यस्थता में लगभग एक सप्ताह तक चली वार्ता के बाद युद्ध विराम कायम रखने पर सहमति व्यक्त की थी, ताकिक्षेत्र में व्यापक संघर्ष को रोका जा सके। अंद्राबी की इस टिप्पणी को दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम होने का संकेत माना जा रहा दिया है। गौरतलब है कि अक्तूबर की शुरुआत से ही दोनों पक्षों के बीच सीमा पर हुई गोलीबारी में दर्जनों सैनिक, नागरिक और विद्रोही मारे गए थे। इस बीच कतर ने दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडलों को दोहा आमंत्रित किया है, जहाँ वे 19 अक्टूबर को युद्धविराम पर सहमत हुए। इसके बाद तुर्किये में इस्तांबुल में छह दिनों तक बातचीत हुई, जो गुरुवार रात तक जारी रही। इस वार्ता में दोनों पक्ष युद्धविराम कायम रखने पर सहमत हुए हैं। इस शांति वार्ता के बाद, दोनों पक्ष युद्धविराम को लागू करने संबंधी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए छह नवंबर को इस्तांबुल में फिर से बैठक करेंगे। अंद्राबी ने द्विपक्षीय वार्ता को सफल बनाने में कतर और तुर्किये की भूमिका की प्रशंसा की।

युद्धविराम के बावजूद, दोनों देशों ने प्रमुख सीमा चौकियों को बंद रखा हैं, जिससे माल से भरे सैकड़ों ट्रक और हज़ारों शरणार्थी दोनों तरफ़ फँसे हुए हैं। अंद्राबी के अनुसार सुरक्षा कारणों से अफ़ग़ानिस्तान के साथ सभी सीमा चौकियां व्यापार के लिए फिलहाल बंद हैं, लेकिन शरणार्थियों को कम से कम दक्षिण-पश्चिमी चमन सीमा चौकी से अफगानिस्तान लौटने में मदद की जा रही हैं। उधर, अफगानिस्तान में काबुल में, गृह मंत्रालय की सीमा पुलिस के प्रवक्ता अबीदुल्लाह उकाब फ़ारूक़ी ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी तोरख़म सीमा चौकी शनिवार को शरणार्थियों के लिए फिर से खोल दी जाएगी। हालांकि इस बाबत पाकिस्तान की ओर से कोई घोषणा नहीं की गई है। वर्तमान घटनाक्रम में एक दिन पहले पाकिस्तान में अफ़ग़ानिस्तान के राजदूत अहमद शकीब द्वारा 'एक्स' पर एक लेख साझा किया गया था जिसमें उन्होंने कहा शिकायत की थी कि पाकिस्तान द्वारा सीमा चौकियां बंद करने के कारण बड़ी संख्या में अफ़ग़ान शरणार्थी वहां फँसे हुए हैं। इस पर अंद्राबी ने एतराज जताते हुए कहा कि अफ़ग़ानिस्तान के राजदूत ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के माध्यम से बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर अपनी शिकायतें व्यक्त करके 'राजनयिक' मानदंडों का उल्लंघन किया है।

जानकारी

खूबसूरती को बढ़ाने और चेहरे को चमकाने के लिए फायदेमंद है चीनी

आप लोग चीनी का इस्तेमाल चाय या कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं चीनी आपकी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए भी है लाजवाब। तो आइए आपको बताते हैं कि, कैसे आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकते हैं।

चीनी का हर रोज इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी हर तरह की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। बहुत से इंसान इस बात से अंजान हैं कि, चीनी हमारी त्वचा की कई परेशानियों को दूर कर देती हैं। चलिए आपको बताते हैं चीनी आपकी स्किन के लिए कैसे लाभकारी होती है। अगर आपकी स्किन अधिक ही ड्राई रहती है, तो चीनी और तिल का तेल मिलाना चाहिए तथा इसमें नीलगिरी का तेल मिला लीजिए। इसको अपने चेहरे पर लगाना चाहिए। इससे चेहरा ऑयली होगा और चेहरे को ठंडक मिलेगी।

चीनी हर तरह की स्किन के लिए लाभकारी होती है। एक चम्मच चीनी में ऑलिव ऑयल तथा नींबू के रस की कुछ बूंदे डालकर पेस्ट बना लीजिए। इसे अपने चेहरे पर15 मिनट लगाना चाहिए। फिर हल्के हाथों से इसे स्क्रब कीजिए और धो लीजिए। सेल्स स्किन को डल और बेजान बना देते हैं। अगर आपकी स्किन भी बेजान हो गई है तो दो चम्मच चीनी में एक चम्मच हल्का गर्म नारियल तेल मिला लीजिए। इसे चेहरे पर स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लीजिए।

- वजन घटने तथा प्रैग्नेंसी के बाद स्किन पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इनको हटाने के लिए चीनी, कॉफी, बादाम तेल तथा शहद मिलाकर पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट को स्ट्रेच मार्क्स पर लगाकर मालिश कीजिए।
- इसके अलावा थोड़ी सी मात्रा में चीनी लीजिए। उसमें चुकंदर का रस मिलाएं और फिर इस पेस्ट से हल्के हाथों से होंठों पर स्क्रब कीजिए। थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए। इससे होंठ मुलायम और पाउटी बन जाएंगे। अगर आप भी बढ़ाना चाहती हैं अपने चेहरे की खूबसूरती तो जरुर करें चीनी का इस्तेमाल।

15 से 59 साल के लोगों के लिए मौत की बड़ी वजह बन रहा ब्रेन स्ट्रोक

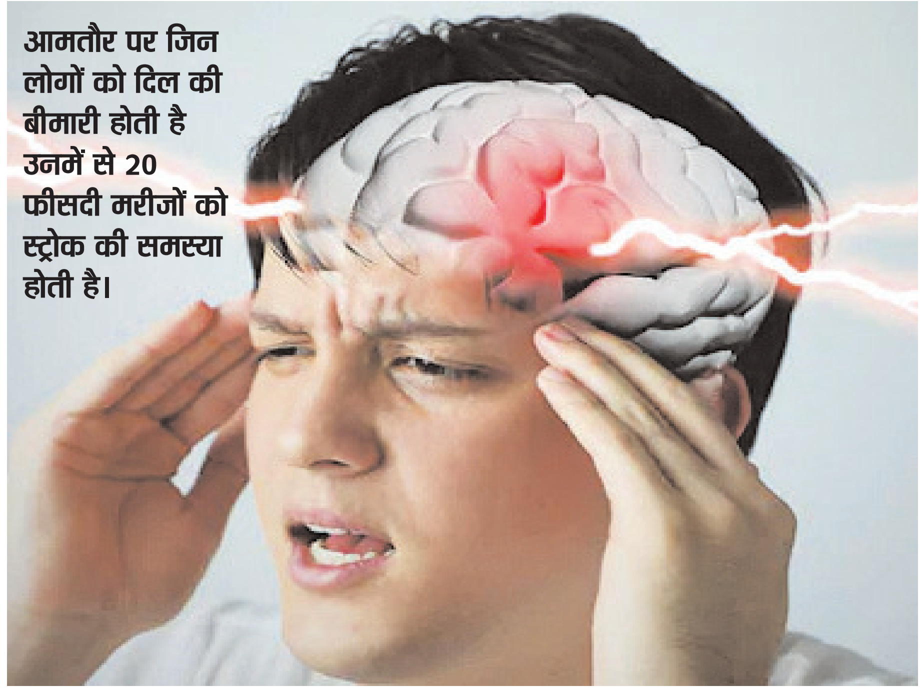

दुनियाभर में फैली तमाम जानलेवा बीमारियों के बीच एक और खतरनाक बीमारी धीरे धीरे लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इस बीमारी का नाम है ब्रेन स्ट्रोक। आज हालत यह है कि दुनिया का हर छठा व्यक्ति कभी न कभी ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हुआ है और 60 से ऊपर की उम्र के लोगों में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन स्ट्रोक है। यह 15 से 59 वर्ष के आयुवर्ग में मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार स्ट्रोक आने के बाद 70 फीसदी मरीज अपनी सुनने और देखने की क्षमता खो देते हैं। साथ ही 30 फीसदी मरीजों को दूसरे लोगों के सहारे की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनमें से 20 फीसदी मरीजों को स्ट्रोक की समस्या होती है।

डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव बताते है कि मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति बाधित होने या गंभीर रूप से कम होने के कारण स्ट्रोक होता है।

- उनके अनुसार मस्तिष्क के ऊतकों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की कमी होने पर कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं इसलिए समय रहते रोगी को उपचार मिलने से उसे सामान्य स्थिति में लाया जा सकता है, अन्यथा मृत्यु अथवा स्थायी विकलांगता हो सकती है।
- ब्रेन स्ट्रोक को समय पर सही इलाज देकर ठीक किया जा सकता है, लेकिन इलाज में देरी होने पर लाखों न्यूरॉन्स क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और मस्तिष्क के अधिकतर कार्य प्रभावित होने लगते हैं। इससे प्रभावित होने पर व्यक्ति के शरीर का कोई एक हिस्सा सुन्न होने लगता है और उसमें कमजोरी या लकवा जैसी स्थिति होने लगती है। मरीज को बोलने में दिक्कत आ सकती है, झुरझुरी आती है और उसके चेहरे की मांस पेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे लार बहने लगती है।

ब्रेन स्ट्रोक से जुड़ी कुछ खास बातें

- देश में हर साल ब्रेन स्ट्रोक के लगभग 15 लाख नए मामले दर्ज किए जाते हैं और यह असामयिक मृत्यु और विकलांगता की एक बड़ी वजह बनता जा रहा है।
- यहां यह भी अपने आप में परेशान करने वाला तथ्य है कि हर 100 में से लगभग 25 ब्रेन स्ट्रोक रोगियों की आयु 40 वर्ष से नीचे है। यह हार्ट अटैक के बाद दुनिया भर में मौत का दूसरा सबसे आम कारण है।
- पीएसआरआई हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ अमित श्रीवास्तव बताते हैं कि समय रहते स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानकर तत्काल उपचार कराने पर कुछ ही समय में यह बीमारी ठीक हो जाती है।
- इसके लक्षणों और तत्काल एहतियाती उपायों की जानकारी देते हुए डॉ. गोयल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का चेहरा एक तरफ से टेढ़ा होने लगे और उसे बोलने में दिक्कत हो तो उस व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा मुस्कुराना चाहिए ताकि चेहरे की मांसपेशियों की कसरत हो।
- इसी तरह अगर एक हाथ कमजोर या सुन्न लगे तो उपचार मिलने से पहले उसे ऊपर नीचे करने की कोशिश करें। उन्होंने बताया कि यदि बोलने में दिक्कत हो तो ऐसे व्यक्ति किसी एक वाक्य को बार बार दोहराएं और उसका सही उच्चारण करने की कोशिश करें।
- वह हिदायत देते हुए कहते हैं कि इनमें से कोई भी लक्षण नजर आने पर मरीज को तत्काल किसी नजदीकी अस्पताल में लेकर जाएं। 'गोल्डन ऑवर' में उपचार मिलने से मरीज को स्ट्रोक से बचाया जा सकता है।
- चिकित्सकों के मुताबिक इसका मुख्य कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्त शर्करा, उच्च कोलेस्ट्रॉल, शराब, धूम्रपान और मादक पदार्थों की लत के अलावा आरामतलब जीवन शैली, मोटापा, जंक फूड का सेवन और तनाव है।
- युवा रोगियों में यह अधिक घातक साबित होता है, क्योंकि यह उन्हें जीवन भर के लिए विकलांग बना सकता है।
- डॉ। राजुल अग्रवाल, सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार पहले यह समस्या बढ़ती उम्र में होती थी वही आज स्ट्रोक का खतरा युवाओ पर भी मंडरा रहा है।
- अनियमित जीवन शैली, खानपान और तनाव स्ट्रोक होने के मुख्य कारणों में से है। इससे बचाव के लिए व्यायाम, उचित खानपान और नशे से दूर रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है।
- साथ ही व्यक्ति को तनाव से बचने की कोशिश करनी चाहिए। तनाव कई बीमारियों की जड़ है जो धीरे धीरे घुन की तरह शरीर को खोखला कर देती है।

सेहत

दांत और आंख की हर बीमारी का रामबाण इलाज हैं ये घरेलू उपाय

आज हम आपको बताने वाले हैं कि, कैसे आप अपनी आंख और दांतों का घरेलू तरीको को अपनाकर हर दर्द कर सकते हैं दूर। जैसे कि लोगों में आम दांत में दर्द, कई बार आंखों में जलन जैसी परेशानियां होने लगती हैं, लेकिन इस दर्द से राहत पाने के लिए जो तरीके आज हम आपको बताने वाले हैं वो बेहद लाजवाब हैं। अगर आपकी आंखें कमजोर हैं तो आप डॉक्टरी सलाह के साथ ही कई घरेलू उपायों को भी अपना सकते हैं...

- आंखों की बीमारियों से बचने के लिए आपको रोज सुबह उठते ही सबसे पहले अपने मुंह में पानी भरना है और उसके बाद पंद्रह से ज्यादा बार आंखों को पानी से धोना है। ऐसा करने से आपको आंखों की समस्या से निजात मिलेगी।
- इसके अलावा आप अपने दोनों पैरों के अंगूठों के नखों को तेल से भर दें और फिर हल्की से मसाज करें। इससे आपकी आंखों की रोशनी बढ़ सकती है।

दांतों के दर्द के लिए खास उपाय...

- इसी तरह अगर आपके दांत में दर्द हो रहा है तो आपको नमक और काली मिर्च रामबाण का काम करेगी। थोड़ा नमक लें और उससे आधी मात्रा में काली मिर्च का पाउडर में मिलाकर जरा-सा पानी डालें और पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को उस जगह लगा लें जहां दांत में कीड़ा लगा हो। इससे आपको राहत मिलेगी।
- इसके अलावा आप लहसुन पर थोड़ा सा नमक लगाकर इसे चबाएं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।
- दांतों को स्वस्थ्य रखने के लिए आपको रोज सुबह कच्चा प्याज खाना चाहिए। इससे आपके दांतों को दर्द से आराम मिलेगा। आप दांत में जहां दर्द हो रहा है वहां नींबू भी लगा सकते हैं। इससे आपको फौरन राहत मिलेगी।
- लौंग को दांतों के लिए रामबाण है। अगर आपके दांत में दर्द हो रहा है तो लौंग मुंह में दबा लें आपको फौरन आराम मिलेगा। इसके अलावा आप लौंग का तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी पाना चाहते हैं आंख और दांत के दर्द से राहत तो ये तरीके जरुर अपनाएं।
- लहसुन के दवे को नमक में डुबोकर चबाएं, दांतों के दर्द में आराम होगा। रोज सुबह लहसुन का एक जवा चबाने से दांत मजबूत रहते हैं।
- रोज सुबह एक कच्चा प्याज खाने से भी दांतों के दर्द में आराम मिलता है। डॉक्टरों का मानना है कि हर तीन मिनट पर एक स्लाइस प्याज की खाने से मुंह में मौजूद कीटाणु मर जाते हैं और दर्द में तुरंत आराम मिलता है।
- नींबू विटामिन सी का बड़ा स्त्रोत है। दांतों के दर्द वाले हिस्से पर नींबू का कतरा लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है।
- दांतों में तेज दर्द से आराम के लिए एक चौथाई चम्मच नमक में एक चुटकी काली मिर्च पाउडर मिलाकर दर्द वाले हिस्से पर लगाएं। आपको तुरंत आराम मिलेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2636

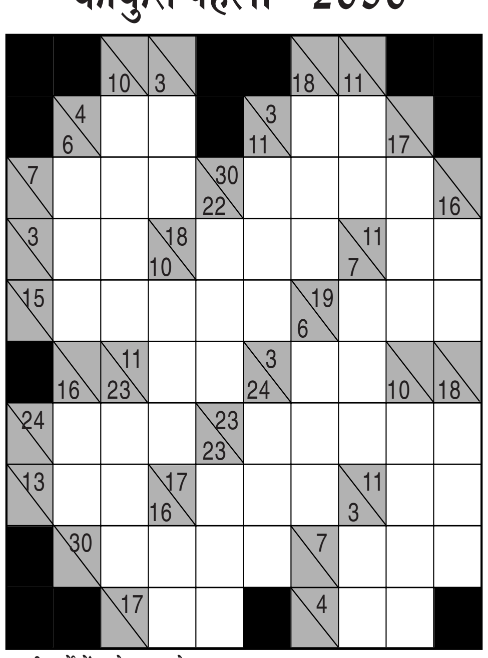

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

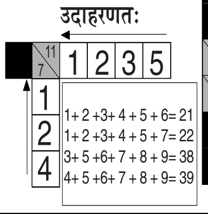

काकुरो - 2635 का हल

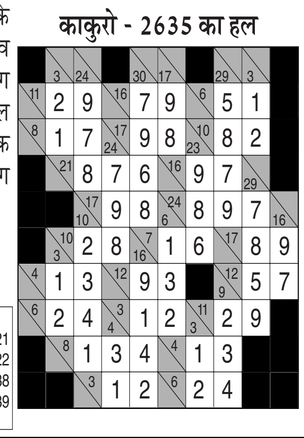

हंसी के फूव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा- 'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था, एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.' दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला- 'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला- 'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक- 'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर- 'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2636

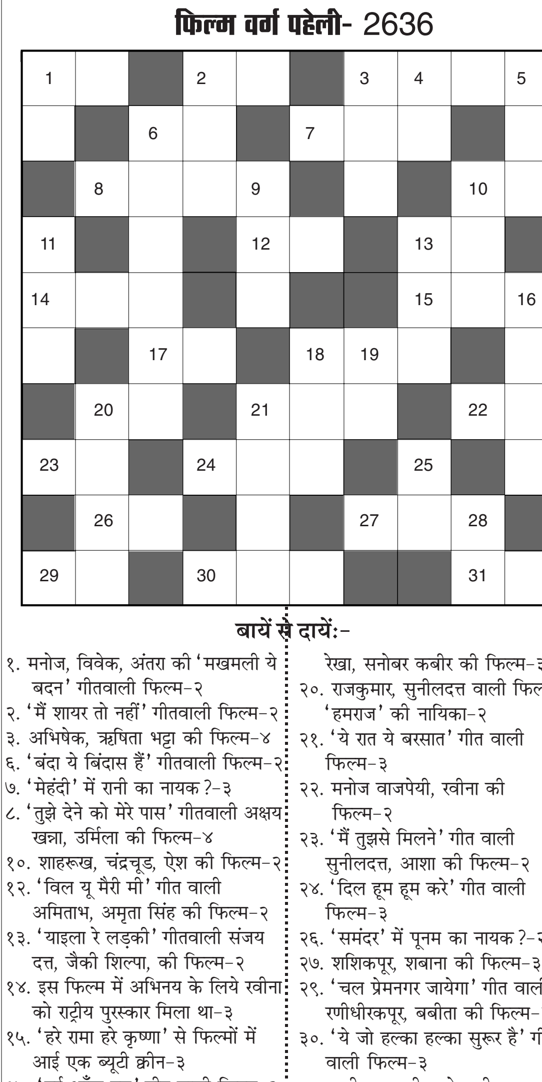

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली से बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋचिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास है' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेंहदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-३
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2635

गु	ना	ह		ग	ज	ब		बा	गी
म		व	जू	द		हा	र	जी	त
	द	स		र	फ्ता	र		ग	
दो	स्त		द				शा	र	दा
	क	या	म	त		घ			स्ता
क		दें		ह	म	रा	ज		न
ल	ज्जा		खे	ल		ना		बा	
हो		ना		का	श		जं	ग	ल
ना	जा	य	ज		रा	नी		बा	
हो		क		बॉ	बी		जा	न	म

सूडोकु -2636

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2635 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली -2636

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2635 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

2006 में स्वयं सहायता समूह के लिए विश्व बैंक से लिया था लोन, सहरसा में बोले सीएम नीतीश

एजेंसी

सहरसा। बिहार के सहरसा में आयोजित चुनावी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में महिलाओं, अल्पसंख्यकों और ग्रामीण-शहरी विकास पर सरकार द्वारा किए गए कामों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बिहार ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की नीति अपनाई है और आज उसके नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास भी हमारी सरकार ने 2006 में ही शुरू कर दिया था। हमने 2006 में पंचायत चुनावों में और बाद में शहरी निकायों में 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए। फैसला लिया और तुरंत लागू भी किया। यही वजह है कि आज बिहार में लाखों महिलाएं स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर रही हैं। इसके साथ ही सीएम नीतीश ने बिहार में पुलिस और नौकरी क्षेत्र में महिलाओं

के लिए दिए गए आरक्षण को भी ऐतिहासिक बताते हुए कहा, '2013 में हमने पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। आज बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या पूरे देश में सबसे अधिक है। 2016 से सरकारी नौकरियों में भी महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया।' उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए 2006 में विश्व बैंक से ऋण लेकर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की शुरुआत की गई, जिसका नाम 'जीविका' रखा गया। आज जीविका दीदियों की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समाज के सभी वर्गों के विकास की बात करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय, खासकर मुस्लिम समाज के लिए किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'हम लोगों ने हर तबके के विकास के लिए काम किया है। मुस्लिम समुदाय के लिए भी काम किया है। मदरसों को सरकारी मान्यता दी गई है और उनके शिक्षकों को सरकारी शिक्षकों के बराबर वेतन दिया जा रहा है।' नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना और सबको समान अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, जीविका दीदियां और स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

वैशाली में महागठबंधन को लेकर बोले अमित शाह, जिसमें एकता नहीं, वह बिहार को नहीं रख सकता एकजुट

एजेंसी

हाजीपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को बिहार चुनाव में एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए वैशाली जिले के महुआ पहुंचे। यहां उन्होंने ब्रह्मानन्द उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन में खींचतान का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस गठबंधन में एकता नहीं हो, वह बिहार को एक नहीं रख सकता है। ब्रह्मानन्द उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वैशाली ही वह भूमि है जिसने दुनिया में सबसे पहले लोकतंत्र के सिद्धांत, लिच्छवी गणराज्य के सिद्धांतों से स्थापित किए। वैशाली की यह महान भूमि भगवान महावीर और भगवान बुद्ध की कर्मस्थली रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए के सामने खड़े सभी दलों में तू-तू मैं-मैं हो रही है। जिस गठबंधन में एकता न हो, वह गठबंधन बिहार को एक नहीं रख सकता। बिहार को एक रखना, सुरक्षित रखना और समृद्ध बनाना सिर्फ और सिर्फ नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ही कर सकती है। अमित शाह ने कहा, 'इस चुनाव में एनडीए का गठबंधन पांच पांडवों की तरह मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरा है। सभी पार्टियां एकजुट होकर जंगलराज को रोकने के लिए कटिबद्ध हैं।' जनसभा में आए लोगों को जंगलराज की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी के राज में आए दिन बिहार में नरसंहार होते थे, हत्याएं होती थीं, अपहरण और फिरौती के उद्योग चलते थे और महिलाओं की अस्मिता भी लूटी जाती थी। अब वही जंगलराज वाले नए चेहरों के साथ, नए कपड़ों में और नए भेष में आ रहे हैं।अमित शाह ने कहा कि लालू यादव ने अगर बिहार में कुछ किया है, तो वह घोटाला और भ्रष्टाचार है।

अनंत सिंह की जैसी छवि है, उनकी गिरफ्तारी तय थी : तेजप्रताप यादव

एजेंसी

पटना। दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में मोकामा विधानसभा क्षेत्र से जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने कहा कि जिस तरह की उनकी छवि है, उनकी गिरफ्तारी तय थी। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेज प्रताप ने कहा कि उनकी छवि और उनके खिलाफ दर्ज गंभीर आपराधिक मामलों को देखते हुए, उनकी गिरफ्तारी होनी ही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना में होने वाले रोड शो को लेकर तेजप्रताप यादव ने कहा कि सभी अपना-अपना काम कर रहे हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल रोड शो कर रहे हैं, हमारी पार्टी भी रोड शो कर रही है और मैं खुद रोड शो कर रहा हूं। महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के एक बयान पर तेजप्रताप ने कोई खास टिप्पणी नहीं की। यह बयान 18 नवंबर को सीएम पद की शपथ लेने से संबंधित था, जिस पर तेजप्रताप ने कहा कि चुनाव है, कोई कुछ भी कह सकता है। तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि अगली सरकार महागठबंधन की बन रही है और दो माह के भीतर सभी अपराधियों को जेल भेजा जाएगा। इस पर तेजप्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता देखेगी कौन क्या करेगा।

मप्र के इंदौर में बना 65वां ग्रीन कॉरिडोर, ब्रेन डेड महिला वकील के अंगदान से तीन लोगों को मिलेगा नया जीवन

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर अंगदान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां रविवार को 65वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इंदौर उच्च न्यायालय की वकील अभिजीता राठौर (38) के ब्रेन डेड होने के बाद रविवार को उनका अंगदान किया गया। इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर उनका लिवर और दोनों किडनियां शहर के तीन अस्पतालों में पहुंचाई गईं। इस दौरान जुपिटर हॉस्पिटल का माहौल बेहद भावुक रहा। अभिजीता के पति प्रवीण राठौर ने पत्नी को अंतिम बार मंगलसूत्र पहनाकर विदाई दी। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके लिवर और दोनों किडनियां तीन अन्य मरीजों को प्रत्यारोपित की जाएंगी। इससे तीनों मरीजों को नया जीवन मिलेगा। दरअसल, मूल रूप से उज्जैन निवासी महिला वकील अभिजीता राठौर को लंग्स में इन्फेक्शन के कारण 25 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनके ब्रेन में ब्लड क्लॉट (खून जमना) हो गया, जिसके चलते डॉक्टरों ने शनिवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया था। उनके ब्रेनडेथ घोषित होने के बाद परिजनों ने अंगदान की इच्छा जताई। इसके बाद अंगदान की प्रक्रिया शुरू हुई।

देश में शोध को आसान और प्रभावी बनाने पर तिरुवनंतपुरम में हुई नीति आयोग की क्षेत्रीय बैठक

तिरुवनंतपुरम। देश में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग ने 'ईज़ ऑफ डूइंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट' पर आठवीं क्षेत्रीय परामर्श बैठक तिरुवनंतपुरम में की। बैठक में वैज्ञानिक मंत्रालयों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों ने मिलकर चर्चा की कि भारत में शोध कार्यों को कैसे आसान, प्रभावी और उपयोगी बनाया जा सकता है। यह बैठक 30 और 31 अक्टूबर को नेशनल सेंटर फॉर अर्थ साइंस स्टडीज़ (एनसीईएसएस) में हुई। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीईएसएस के निदेशक प्रो. एनवी चेलापति राव के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि देश के क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान नवाचार आधारित विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नीति आयोग के प्रो. विवेक कुमार सिंह ने आरओपीई फ्रेमवर्क की जानकारी दी और बताया कि इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं के सामने आने वाली अड़चनों को दूर कर एक अनुकूल माहौल तैयार करना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने सुझाव दिया कि सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों के अनुभव का उपयोग किया जाए, विश्वविद्यालय-उद्योग-सरकार के सहयोग को मजबूत किया जाए और विज्ञान को समाज से जोड़ा जाए ताकि इसके नतीजे लोगों तक पहुंच सकें। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत ने कहा कि आर एंड डी के लिए संस्थानों की आंतरिक व्यवस्था और बाहरी नीतिगत ढांचे दोनों को बेहतर बनाना जरूरी है।

हिमालयन इकोज साहित्य और कला महोत्सव में गूंजे शब्द, सुर और संस्कृति के स्वर

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल के प्रसाद भवन में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और उत्तराखंड पर्यटन के सहयोग से आयोजित हिमालयन इकोज साहित्य और कला महोत्सव का दसवां संस्करण पारंपरिक शंखनाद के साथ प्रारंभ हुआ। सम्मेलन में देश-विदेश के 70 से अधिक साहित्यकार, कलाकार और चिंतक प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर नेपाल से आये साहित्यकार सुजीव शाक्य ने अपनी पुस्तक 'नेपाल 2043: द रोड टू प्रॉस्पेरिटी' पर चर्चा करते हुए नेपाल में जेनजी आंदोलन और विकास की दिशा पर विचार रखे। लेखिका अनुराधा राय ने अपनी आगामी पुस्तक और पहाड़ से जुड़े अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने कहा कि पर्वतीय जीवन उनके लेखन की संवेदना और दृष्टिकोण को आकार देता है। भूटान की कलाकार लेकी त्शेवांग ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों पर भूटानी, हिंदी और पहाड़ी गीतों की प्रस्तुति दी। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सत्र में नेहा सिन्हा और पत्रकार गार्गी रावत ने भारत के वन्यजीवों की सुरक्षा पर विचार रखे। इसके साथ ही अरुंधति नाथ और निहारिका बिजली ने बंगाली भूत कथाओं की परंपरा पर चर्चा की, जबकि 'नैनीताल मेमोरीज, स्टोरीज एंड हिस्ट्री' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान बन रहा अग्रणी : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का वो मजबूत स्तम्भ है जो समाज में न्याय और समानता की अलख जगाता है। सशक्त न्याय व्यवस्था से ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने न्याय की परिभाषा को बदलने का काम किया है। प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आने वाले समय में देश में अग्रणी राज्य होगा। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जोधपुर में आयोजित बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के लिए नवनिर्मित भवन लोकतंत्र को और भी मजबूत करने का काम करेगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों

को भी मार्गदर्शन देगा। जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन, नए जजों की नियुक्ति शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। हर व्यक्ति न्याय की आस लेकर कोर्ट-कचहरी में आता है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सुलभ न्याय मिलने से ही विकास की यात्रा पूरा हो सकेगी। न्यायपूर्णता के साथ ही, विकास सार्थक होता है। बार कौंसिल आमजन की न्याय की आकांक्षाओं को पूरी करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन कर रही है। साथ ही नए जजों की नियुक्ति भी तीव्र गति से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हित के कार्य हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज के शिल्पकार होने के साथ ही न्याय व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जिनकी तर्कशक्ति, आपका ज्ञान और आपकी प्रतिबद्धता ही न्याय का आधार है। अधिवक्ता लोगो के भरोसे के जीत की प्रतिमूर्ति हैं।

हरियाणा के मंत्री अनिल विज का तंज: देशभक्त आरएसएस की 'रोशनी से डरकर आंखें मूंद लेती है कांग्रेस, ठीक वैसे ही जैसे उल्लू

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान कि नरेंद्र मोदी आरएसएस पर बैन लगाए पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा आरएसएस के खिलाफ रही है। तीन बार इन्होंने आरएसएस पर प्रतिबंध भी लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह 'उल्लू को रोशनी से डर लगता है और रोशनी देखकर उल्लू आंखे बंद कर लेता है, उसी प्रकार से आरएसएस जैसी देशभक्त चरित्रवान संस्था और देश को आगे ले जाने वाली संस्था को देख इनकी (कांग्रेस) आंखे बंद हो जाती है' जिस वजह से यह उल्टी बाते करते हैं। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने अमेरिका जाना था, मगर डर के कारण वो नहीं गए, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि मोदी जी ने कब जाना है, कहा जाना है, किससे मिलना व क्यों मिलना है यह मोदी जी तय करेंगे, न कि राहुल गांधी। जितने राष्ट्रप्रमुखों को मोदी जी मिले और जितने देशों के सर्वोच्च

अवार्ड मोदी जी को मिले, आज तक वह किसी को नहीं मिले।

सपा नेता अखिलेश यादव के बयान कि नीतिश कुमार भाजपा के चुनावी दूल्हे है और मुख्यमंत्री पद पर लोगों की पसंद नहीं है, को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भाजपा पार्टी ने तय कर रखा है कि नीतिश को मुख्यमंत्री बनाएंगे। भाजपा जो कहती है वो करती है। अब अखिलेश यादव को दूल्हा पता नहीं क्यों याद आ रहा है, ये क्या दूल्हे के आगे पीछे चलने वाले बैंडबाजे वाले हैं। बिहार में चुनाव हो रहा है और चुनाव में इन्हें दूल्हें याद आ रहे हैं। नीतिश कुमार जी को आगे रखकर उनके नाम से चुनाव लड़ रही है।

हर जनसभा में उनका चेहरा आगे होता है और भारतीय जनता

छठी मैया का अपमान करने वालों को बिहार की जनता माफ नहीं करेगी : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

सिमरी बख्तियारपुर। बिहार में चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। इसी क्रम में प्रदेश के सिमरी बख्तियारपुर पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा छठ महापर्व को लेकर दिए गए विवादित बयान को 'मूर्खतापूर्ण' बताते हुए कहा कि बिहार की जनता छठी मैया का अपमान करने वाले को कभी माफ नहीं करेगी। फडणवीस ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी ऐसे मूर्खतापूर्ण बयान देते रहते हैं और इसी वजह से उनकी पार्टी को लगातार नुकसान हो रहा है। उन्होंने न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी का अपमान किया है, बल्कि छठी मैया का भी अपमान किया है। बिहार की जनता आस्था का अपमान

कभी बर्दाश्त नहीं करेगी और छठी मैया का अपमान करने वाले को जवाब जरूर देगी। सीएम फडणवीस ने आगे कहा कि बिहार की जनता पूरी तरह एनडीए के साथ है और आगामी चुनाव में एक बार फिर विकास के पक्ष में मतदान करेगी। फडणवीस ने कहा कि बिहार में वास्तव में विकास हुआ है। पिछले पांच वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अब हम 'विकसित बिहार' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के राज्य दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि यह लोकतंत्र है, कोई भी कहीं भी जा सकता है। लेकिन, बिहार की जनता उनकी बातों में नहीं आने वाली। जनता पहले ही तय कर चुकी है कि वह किसे वोट देगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद किया, बिहार को भी पीछे धकेलने की कोशिश की। अब यह पूरा महागठबंधन बिहार का विकास नहीं कर सकता, केवल एनडीए ही राज्य को विकास के पथ पर ले जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी 7 नवंबर को आएंगे वाराणसी, भाजपा ने शुरू की ग्रैंड वेलकम की तैयारी

एजेंसी

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी से सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को काशी आएंगे। प्रधानमंत्री 8 को यहां से खजुराहो के लिए चलने वाली वंदे भारत सहित तीन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन और भाजपा नेताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सायंकाल बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। यहाँ उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी यहां से सड़क मार्ग से सीधे बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। गेस्टहाउस में प्रधानमंत्री पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं जिले के प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वांह प्रधानमंत्री मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुवाडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा फिरोजपुर से दिल्ली और लखनऊ से सहारनपुर के बीच चलने वाली दो वंदे भात ट्रेनों का भी प्रधानमंत्री वर्चुअली शुभारम्भ करेंगे। इसके पश्चात वे एक चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए बिहार रवाना हो जाएगे। पटेल ने बताया कि भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के ग्रैंड वेलकम की तैयारियां शुरू कर दी हैं। उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित वाराणसी दौरे और बनारस रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन भी सुरक्षा संबंधी तैयारियों में जुट गया है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भूपति ने की साथियों से आत्मसमर्पण करने की अपील, जारी किया मोबाइल नंबर

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहे और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण करने वाले डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली मोजुल्ला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने अपने साथियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा है। उसने एक वीडियो संदेश में अपना और अपने साथी का मोबाइल जारी किया है। उसने कहा कि लड़ाई अब जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीकों से लड़ी जानी चाहिए। आत्मसमर्पण करने के बाद भूपति ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीते 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण वाले भूपित ने कहा कि संगठन के लोग मुझे गद्दार कह रहे हैं, लेकिन मैं गद्दार नहीं हूं। वर्तमान की परिस्थितियां बदल गई हैं। इसलिए अपने अन्य 60 साथियों के साथ हथियार डाला हूं। उसका कहना है कि आज भी देश में संगठन में मौजूद कई साथी इलाका और सत्ता के लिए हथियारबंद संघर्ष में डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस रास्ते पर चलकर ही हम जनता से दूर हुए हैं, यह इस रास्ते की विफलता को दर्शाता है। हमने अपने साथियों को खोने के बाद आत्मसमर्पण का फैसला लिया। अब हम हथियार छोड़कर, जनता के बीच रहकर उनके लिए काम करना चाहते

हैं। भूपति ने अपने साथियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की है। साथ ही भूपति ने साथियों के लिए अपना एक कॉन्टैक्ट नंबर 8856038533 जारी किया है कि इस नंबर पर उससे सीधे संपर्क करें। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सली रूपेश का नंबर 6267138163 भी जारी किया है। जिस पर उसने हिंसा छोड़ने की इच्छा रखने वाले नक्सलियों से उनसे संपर्क करने की बात कही है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि संगठन के भीतर वैचारिक संकट गहराता जा रहा है। यह समय बंदूक उठाने का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है। भूपति ने नक्सल संगठन में मौजूद अपने साथियों से अपील की है कि वे भी हिंसा का रास्ता छोड़ दें और आत्मसमर्पण कर दें। भूपति का कहना है कि हमने जिन साथियों को खोया है उसके लिए अब बदलाव जरूरी है। सेंट्रल कमेटी सारी परिस्थितियों को समझ रही है। लेकिन संघर्ष पर बदलाव लाने के लिए तैयार नहीं है।

महाराष्ट्र के सातारा जिले में डॉक्टर आत्महत्या मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

मुंबई। महाराष्ट्र के सातारा जिले के फलटण उपजिला अस्पताल की महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के तहत आईपीएस अधिकारी तेजस्वी सातपुते इस एसआईटी टीम की अध्यक्षता करेंगी। गृह विभाग के सूत्रों ने बताया कि फलटण डॉ. आत्महत्या मामले की हो रही जांच पर सवाल खड़े किए गए थे, इसीलिए शनिवार को देर रात इस मामले की एसआईटी जांच का निर्णय लिया गया है। साथ ही एसआईटी को इस मामले में तुरंत जाँच शुरू करने के आदेश भी दिया है। तेजस्वी सातपुते 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और सतारा और सोलापुर जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि सातारा जिले के फलटण के उप-जिला अस्पताल में कार्यरत एक महिला डॉक्टर ने 23 अक्टूबर को आत्महत्या कर ली थी।

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय प्रदेश और देश दोनों के लिए गौरव का विषय है। यहां से निकलने वाले छात्र समाज और राष्ट्र की न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिया जाने वाला दीक्षा मंत्र, 'सत्यं वद, धर्मं चर' (सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो) भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा की नींव है। यही भावना हमारे संविधान, संसद और न्यायपालिका के बोधवाक्य 'धर्मो रक्षति रक्षितः' और 'यतो धर्मस्य ततो जयः' में भी प्रतिबिंबित होती है।

सीएम योगी ने कहा कि धर्म हमारे लिए जीवन पद्धति का हिस्सा है, जबकि उपासना आस्था का विषय है। धर्म का अर्थ है अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना। इसी भावना के साथ युवाओं को आगे बढ़ना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए एक सुदृढ़ न्यायिक प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। न्याय व्यवस्था जितनी मजबूत

होगी, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना उतना ही सरल होगा। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्राचीन काल का रामराज्य भेदभाव रहित और न्यायसंगत शासन का प्रतीक था, जिसे आज की आधुनिक व्यवस्था में सुशासन के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ई-कोर्ट प्रणाली, वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर), साइबर लॉ प्रशिक्षण, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर विशेष जोर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आधुनिक प्रशिक्षण कक्ष, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और छात्रावास के निर्माण कार्य भी कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों, अभियोजकों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के स्किल डेवलपमेंट और प्रशिक्षण के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत ने तीन नए कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू कर न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूल ऑफ लॉ तभी प्रभावी हो सकता है जब बेंच (न्यायपीठ) और बार (अधिवक्ता समाज) के बीच बेहतरीन समन्वय हो। बेंच विवेक का प्रतीक है और बार संवेदना का। जब विवेक और संवेदना साथ आते हैं, तब न्याय का सच्चा स्वरूप मूर्त रूप लेता है। सीएम योगी ने जानकारी दी कि प्रदेश में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ हो चुका है। 10 जनपदों में इसके लिए धनराशि जारी कर दी गई है, जहां एक ही परिसर में सभी स्तरों के न्यायालय, अधिवक्ता कक्ष और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय अब अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के लिए देशभर में जाना जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश में 380 से अधिक पॉक्सो और फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए गए हैं।

आदि कैलाश में पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन में 22 राज्यों के 700 से अधिक धावकों ने लिया भाग

एजेंसी

पिथौरागढ़। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आदि कैलाश में उत्तराखंड की पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। यह आयोजन उत्तराखंड की ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। यह 60 किलोमीटर लंबी अल्ट्रा रन मैराथन आज रविवार को आदि कैलाश से प्रारंभ हुई, जिसमें देश के 22 राज्यों से 700 से अधिक धावकों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन के लिए सभी प्रतिभागियों, आयोजनकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है। आयोजन के दौरान स्थानीय जनता में भारी उत्साह देखने को मिला और हजारों लोगों ने धावकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में सचिव पर्यटन, आईटीबीपी अधिकारी श्, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कई धावकों ने अपने अनुभव को लेकर कहा कि आईटीबीपी और भारतीय सेना का सहयोग और मार्गदर्शन अतुलनीय रहा, जिसने इस कठिन रूट पर आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाया। प्रतिभागियों ने उत्तराखंड सरकार और जिला प्रशासन की ओर से की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री धामी ने एक बयान जारी कर कहा कि सीमांत क्षेत्रों का विकास हमारी प्राथमिकता है। अल्ट्रा मैराथन जैसे आयोजन न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी में साहसिक खेलों के प्रति उत्साह भी पैदा करते हैं। आने वाले समय में उत्तराखंड साहसिक खेलों और पर्वतीय पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश जैसे पवित्र व आध्यात्मिक धाम में आयोजित यह ऐतिहासिक अल्ट्रा रन न केवल साहस और समर्पण की मिसाल है, बल्कि यह सीमांत क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन और खेल संस्कृति को नई दिशा देगा। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह आयोजन उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य और असीम संभावनाओं का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और उनके ओर से आदि कैलाश में किए गए दर्शन के बाद इस संपूर्ण क्षेत्र में पर्यटन और आध्यात्मिक गतिविधियों को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है। राज्य सरकार भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हिमालयी और शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शानदार प्रदर्शन के बाद दिल्ली पहुंचेगी चैंपियन टीम इंडिया, पीएम मोदी से होगी भेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला विश्व कप 2025 का समापन भारतीय महिलाओं द्वारा अपने पहले खिताब जीतने के साथ हुआ। 2 नवंबर को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में हुए टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं को हराकर भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के इतिहास रचने पर पूरा देश खुशी से झूम उठा। इस जीत के साथ ही, अब टीम के नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम 4 या 5 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली जाएगी।

विश्व कप फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 298 रन बनाए। इसके बाद टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 246 रनों पर रोक दिया और 52 रनों से मैच जीतकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता। भारत की जीत सुनिश्चित होने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर महिला टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह जीत आने वाली पीढ़ी को खेलों में शामिल होने के लिए कैसे प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चैंपियन टीमों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।' अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, टीम देर रात तक जश्न मनाती रही। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ जश्न मनाते हुए कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिनमें अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी और मिताली राज जैसी पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हुईं।

सिनर ने जीता पेरिस मास्टर्स, अल्काराज़ से छीनी विश्व नंबर-1 की कुर्सी

पेरिस (एजेंसी)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम किया और साथ ही विश्व नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्जा जमा लिया। फाइनल में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4) से हराया। 24 वर्षीय सिनर के लिए यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। उन्होंने न केवल अपना पहला पेरिस मास्टर्स खिताब जीता बल्कि बिना एक भी सेट गंवाए टूर्नामेंट जीतने वाले इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। यह सिनर का इस वर्ष का पांचवां खिताब है और उन्होंने लगातार 26वीं इनडोर हार्डकोर्ट जीत दर्ज की। फाइनल के बाद सिनर ने कहा, ÷यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार मेहनत की है और अब उसका नतीजा देखना बेहद संतोषजनक है।÷

वहीं, ऑगर-अलियासिम के लिए यह हार निराशाजनक रही। उन्हें ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी था, लेकिन वे मौका गंवा बैठे। इस जीत के साथ सिनर ने स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर टेनिस जगत की शीर्ष रैंकिंग हासिल कर ली है।

महिला टीम पर हुई पैसे की बारिश, बीसीसीआई ने आईसीसी से अधिक इनाम घोषित किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई ने विजेता भारतीय टीम के लिए जो इनामी राशि घोषित की है वह आईसीसी की इनामी राशि से भी अधिक है।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताबी जीत दर्ज की है। आईसीसी ने इसके बाद भारतीय टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब 39.78 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी है। वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को 51 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

सैकिया ने कहा, साल 1983 में कप्तानी कपिल देव ने भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाकर क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की थी। आज महिलाओं ने भी वही किया है। हरमनप्रीत और उनकी टीम ने आज न केवल ट्रॉफी जीती है, बल्कि उन्होंने सभी भारतीयों का दिल भी जीता है। इससे महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए एक अच्छी राह बनी ही। टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही महिला क्रिकेट अगले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं खिताबी जीत से वह शीर्ष पर पहुंच गया है। इससे उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने साथ ही कहा, जय शाह के बीसीसीआई अध्यक्ष रहने के दौरान वह महिला क्रिकेट में कई बदलाव लाए थे जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंनं वेतन समानता पर भी ध्यान दिया था। इसके बाद आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद शाह ने महिलाओं की पुरस्कार राशि 300 फीसदी बढ़ा दी। पहले पुरस्कार राशि 2.88 मिलियन डॉलर थी, और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों ने महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है।

आईपीएल 2026: एसआरएच का बड़ा फैसला, रणजी में फॉर्म में लौटे गेंदबाज को रिलीज नहीं करेगी टीम

हैदराबाद (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद सनराइजर्स हैदराबाद अपने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को रिलीज या किसी अन्य फ्रेंचाइज़ी को ट्रेड करने के पक्ष में नहीं है। शमी, जिन्होंने पिछली आईपीएल सीजन में महज छह विकेट लिए थे, इस समय रणजी ट्रॉफी 2025-26 में लाजवाब फॉर्म में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शमी के लिए कुछ टीमों ने ट्रेड ऑफर दिए थे, लेकिन SRH ने सभी प्रस्ताव ठुकरा दिए। टीम प्रबंधन का मानना है कि 35 वर्षीय शमी ने फिटनेस और लय दोनों वापस पा ली है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके और बंगाल के ओपनिंग मैच में सात विकेट लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

सूत्रों के अनुसार, नए चयनकर्ता आरपी सिंह ने भी शमी से उनकी वापसी को लेकर चर्चा की। माना जा रहा है कि अगर प्रदर्शन जारी रहा, तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल किया जा सकता है। इस बीच, खबरें यह भी हैं कि SRH ईशान किशन को रिलीज कर सकती है, जिनके लिए मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स दिलचस्पी दिखा रही हैं।

भारतीय तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली : ब्रैडी एलिसन

नई दिल्ली । अमेरिका के शीर्ष तीरंदाज ब्रैडी एलिसन आजकल आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के लिए भारत आये हुए हैं। इसी दौरान ब्रैडी ने कहा कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है। उसके तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली है। उन्होंने कहा, ''भारत के पास आज विश्व कप और अन्य चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो किसी भी टीम के लिए उन्हें हराना बहुत कठिन होगा।ß गौरतलब है कि तीरंदाजी को लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा, '' भारतीय तीरंदाजों के पदक की संभावना सिर्फ कंपाउंड में नहीं बल्कि रिकर्व में भी काफी अधिक है। अभी कई भारतीय तीरंदाज काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कहा कि ओलंपिक अभी तीन साल दूर है, पर भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'' एलिसन ने कहा कि किसिक ली को नए रिकर्व मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करने की भारतीय तीरंदाजी संघ की योजना एकदम सही है। उन्होंने कहा, '' वह दुनिया के सबसे अच्छे कोच में से एक है। उन्होंने जहां भी काम किया है वहां ओलंपिक पदक और विश्व चैंपियन दिए हैं। यह भारत के लिए लाभप्रद साबित होंगे। '' साथ ही कहा कि मैंने भी अपने करियर के शुरुआती दौर में कोच किसिक ली से प्रशिक्षण लिया था।

दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही एमसीए ने दी हरमनप्रीत सहित भारतीय महिला टीम को बधाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर दिग्गज क्रिकेटरों वेंकटेश प्रसाद, ईशांत शर्मा, सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स के साथ ही मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टीम को बधाई दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया में लिखा, कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम को ऐतिहासिक विश्व कप जीत पर ढेर सारी बधाई! आपके कौशल, दृढ़ संकल्प और जज्बे ने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और देश को बेहद गौरवान्वित किया है।

वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने लिखा, विश्व चैंपियन! हमारी महिला भारतीय क्रिकेट टीम का

अविश्वसनीय प्रदर्शन, सच्चा टीम वर्क, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन। हर खिलाड़ी ने पूरे जुनून से खेला और विश्व कप जीता। बहुत गर्व है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिलीवियर्स ने लिखा, टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम को भी फाइनल में पहुंचने पर गर्व होना चाहिए। महिला क्रिकेट दुनिया भर में तरक्की कर रहा है। यह टूर्नामेंट और फाइनल मैच दोनों काफी शानदार रहे। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने लिखा, इतिहास रच दिया! हमारी महिला टीम ने अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। यह उनके जज़्बे, हिम्मत और भरोसे की शानदार जीत है! आपने एक अरब लोगों के दिलों को गर्व से भर दिया है!

इसके अलावा पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, इन खिलाड़ियों के सफर को मैंने करीब से देखा है, और मैं कह सकता हूं कि यह ऐतिहासिक जीत उनकी अच्छी तैयारी, लगातार कोशिश और अटूट इरादे का परिणाम है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने हर मुश्किल का सामना शानदार अनुशासन, विश्वास और एकता के साथ किया। उनका सकारात्मक रवैया और समर्पण कभी कम नहीं हुआ। यह वर्ल्ड कप जीत दिखाती है कि जब सपना, मेहनत और भरोसा एक साथ मिलते हैं, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

एमसीए ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया, इतिहास रच दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप जीतने पर बधाई। आपके जुनून, दृढ़ता और शक्ति ने करोड़ों दिलों को गर्व से भर दिया है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने बताया भारतीय महिला टीम की जीत का कारण

-भारत की किसी भी टीम को हराना कठिन

नई दिल्ली। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर प्रशंसा करते हुए कि है पिछले कुछ समय से वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। हुसेन ने कहा कि उसके खिलाड़ी फार्म में थे और उसने आईसीसी खिताब जीतने का लक्ष्य हासिल कर ही लिया। हुसैन ने कहा है कि क्रिकेट की बात करें तो भारत की पुरुष टीम हो या महिला टीम उसे हराना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि डब्लयूपीएल शुरु होने से भी भारतीय महिला क्रिकेटर बेहतर हुई हैं। हुसैन ने कहा, 'पिछले कुछ साल में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्वकप के दौरान उनकी टीम शानदार रही। टूर्नामेंट के बीच में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की और अंत भी अच्छा किया।' साथ ही कहा, फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की तुलना में भारत की कई खिलाड़ी फॉर्म में थीं। अगर आप भारतीय लाइनअप पर नजर डालें, तो टूर्नामेंट के अंत तक कई खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में थे। दूसरी ओर से दक्षिण अफ्रीकी टीम बल्लेबाजी में एक या दो खिलाड़ियों पर ज्यादा निर्भर रही है। इसीलिए उसे अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने भी अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने भी बहुत अच्छा क्रिकेट खेला पर भारत क्रिकेट में बहुत अच्छा है, जैसा कि हमने दुनिया के इस हिस्से में देखा है, पुरुष हो या महिला टीम, किसी भी प्रारुप में, उन्हें हराना बहुत कठिन है।भारतीय टीम ने पहले दो मैच टूर्नामेंट में जीते थे पर अगले तीन मैचों में टीम को हार मिली थी। हार की हैट्रिक के बाद भी टीम दबाव में नहीं आयी और उसने जीत के साथ वापसी करते हुए इतिहास रच दिया।

क्रिस गेल सहित कई पूर्व स्टार क्रिकेटरों के साथ हुआ स्कैम, श्रीनगर के होटल में फंसे

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर से नए क्रिकेट टैलेंट को खोजने के लिए एक बड़े इवेंट के तौर पर पेश की गई इंडियन हेवन प्रीमियर लीग (IHPL) एक स्कैम साबित हुई है। लीग के ऑर्गनाइजर भाग गए हैं जिससे क्रिस गेल जैसे कई पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिकेटर्स बिलों का पेमेंट न होने के कारण यहां एक होटल में फंसे हुए हैं। IHPL, जो अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में यहां बड़े धूमधाम से शुरू हुई थी, मोहाली बेस्ड युवा सोसाइटी ने ऑर्गनाइज की थी।

गेल, डेवोन स्मिथ, जेसी राइडर और शाकिब-अल-हसन जैसे पूर्व क्रिकेटरों के बड़े-बड़े बिलबोर्ड शहर भर में कई जगहों पर लगाए गए थे, जिसमें बताया गया था कि ये मेगास्टार लोकल खिलाड़ियों के साथ इस लीग में खेलेंगे, जो 8 नवंबर को खत्म होने वाली थी। ज़्यादातर मैच बख्शी स्टेडियम में खेले गए जिसमें इंटरवल के दौरान लाउडस्पीकर पर म्यूजिक बजता था। हालांकि यह लीग शनिवार को अचानक खत्म हो गई क्योंकि खिलाड़ियों ने बकाया पेमेंट न मिलने के कारण मैचों में आने से मना कर दिया। ऑर्गनाइजर गायब हो गए, जिससे होटल वालों ने खिलाड़ियों को तब तक जाने से रोक दिया जब तक उनका बकाया क्लियर नहीं हो जाता।

यह मामला तब सामने आया जब मेलिसा जूनिपर, जो इस इवेंट में अंपायर थीं, ने कहा कि उन्हें पेमेंट नहीं मिला है। जूनिपर ने कहा, 'हमें कोई पेमेंट नहीं मिला है।' उन्होंने आगे कहा कि होटल स्टाफ ने उन्हें 'गायब ऑर्गनाइजर' के बारे में बताया। हालांकि पुलिस होटल गई थी, लेकिन इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई शुरू की है या नहीं।

गेल उन कई खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने पिछले साल कश्मीर में लेजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में खेला था। यह इवेंट, जो इस साल की IHPLकी तरह ही एक प्राइवेट इवेंट था, ने स्टेडियम में भारी भीड़ खींची थी क्योंकि लोकल लोगों को लगभग 40 साल में पहली बार इंटरनेशनल खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिला था। परमिंदर सिंह, जो युवा सोसाइटी के चेयरमैन के तौर पर लिस्टेड हैं, शायद लेजेंड्स लीग की सफलता से प्रभावित होकर कश्मीर में IHPL ऑर्गनाइज करने के लिए प्रेरित हुए होंगे।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के मालिक वाले बख्शी स्टेडियम को बुक किया और मैचों की मेजबानी के लिए किराया पहले ही दे दिया था। लीग खेलने के लिए 8 टीमें बनाई गईं जिसमें श्रीनगर सुल्तांस, जम्मू लायंस, लद्दाख हीरोज, पुलवामा टाइटन्स, उरी पैंथर्स, गुलमर्ग रॉयल्स, पटनीटॉप वॉरियर्स और किश्तवाड़ जायंट्स शामिल हैं। हर टीम में एक पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी था।

गेल और दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के होने के बावजूद IHPL में भीड़ नहीं जुटी। ऑर्गनाइजर्स ने टिकटों पर भारी डिस्काउंट दिया और टिकटों की बिक्री बढ़ाने की कोशिश में एक लोकल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उमर जरगर की मदद ली, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सवाल पूछे जा रहे हैं कि ऑर्गनाइजर्स युवा सोसाइटी जिसे इतने बड़े लेवल की लीग आयोजित करने का कोई पिछला अनुभव नहीं था, उसे मैच होस्ट करने के लिए बख्शी स्टेडियम का इस्तेमाल करने की इजाजत कैसे दी गई।

स्पोर्ट्स काउंसिल की सेक्रेटरी नुजहत गुल ने कहा कि ऑर्गनाइजर्स वेन्यू का इस्तेमाल मैच होस्ट करने के लिए करना चाहते थे और उन्होंने पैसे भी दिए थे। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा IHPL से कोई लेना-देना नहीं है। मैं उद्घाटन समारोह में सिर्फ एक मेहमान के तौर पर मौजूद थी।' युवा सोसाइटी ने अपनी वेबसाइट पर IHPL की घोषणा करते समय पूर्व क्रिकेटरों सुरेंद्र खन्ना और आशु दानी की तस्वीरों का इस्तेमाल किया, लेकिन यह नहीं बताया कि संगठन में इन दोनों की क्या भूमिका थी।

भारतीय महिला टीम की खिताबी जीत के पीछे कोच अमोल मजूमदार की रही है अहम भूमिका

नवी मुम्बई । हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्वकप जीत के साथ ही इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में हुए एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम की जीत में सभी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही साथ ही इस जीत के सूत्रधार कोच अमोज मजूमदार भी रहे। मजूमदार स्वयं तो भारतीय टीम से खेलने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाये पर उन्होंने महिला टीम को विश्व चैम्पियन जरुर बना दिया।

उन्हें दो साल पहले अक्टूबर 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया था। उसके बाद से ही वह टीम को नया रुप देने में लग गये थे। उन्होंने टीम में भरोसा पैदा किया कि वे आईसीसी खिताब जीतने में सक्षम है। इससे पहले होता ये आया था कि टीम बड़े मुकाबलों में दबाव में आ जाती थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसी कारण टीम दक्षिण अफ्रीका को हराने में सफल रही। साल 2005 और 2017 में टीम खिताबी मुकाबले में धैर्य खो बैठी थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। टीम की जीत के बाद उन्होंने कहा, मेरे पास खुशी जाहिर करने के लिए शब्द नहीं है। ये बहुत ही गर्व का क्षण है। टीम ने कड़ी मेहनत और विश्वास के साथ हर भारतीय को गर्व करने का मौका दिया। मजूमदार ने प्रथम श्रेणी में 11 हजार से ज्यादा रन बनाये थे इसके बाद भी उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। भारतीय टीम ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर जीत दर्ज की। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कोच अमोल मजूमदार के पैर छुए। इसका कारण है कि टीम की खिताबी जीत के शिल्पी कोच रहे। वह पर्दे के पीछे रहकर टीम का लगातार मार्गदर्शन करते रहे। मजूमदार ने अपने करियर में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली सहित कई दिग्गजों के साथ खेला था, ऐसे में उनके पास अनुभव का खजाना था। वह साल 1994 में भारतीय अंडर-19 टीम के उपकप्तान भी रहे थे। उन्होंने भारत ए की ओर से राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के साथ भी खेला था। अमोल ने मुम्बई के लिए रणजी ट्रॉफी के अपने डेब्यू मैच में ही 260 रन बनाकर धमाका कर दिया था। वह एक ऐसे दौर में उभरे थे जिस समय भारतीय टीम के पास सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे सितारे थे। इस कारण अमोल को अवसर नहीं मिला। अमोल ने साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया और इस तरह 21 साल का उनका क्रिकेटर करियर समाप्त हुआ। इसके बाद ही उन्हे भारतीय महिला टीम का कोच बनाया गया।

गंभीर ने भारतीय महिला टीम को बधाई दी , ये जीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईसीसी महिला विश्व कप में मिली शानदार जीत पर भारतीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि आपने न केवल इतिहास रचा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का काम भी किया है। गंभीर ने टीम के जीत दर्ज करते ही कहा कि इससे भावी पीढ़ियों की लड़कियों को इस खेल को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। भारतीय टीम ने साल 2005 और 2017 के फाइनल में मिली हार से उबरते हुए इस बार कोई गलती नहीं की। टीम को बधाई देते हुए, गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'आपने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि एक ऐसी विरासत भी बनाई है जो आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों को प्रेरित करेगी!' भारतीय क्रिकेट टीम ने खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीता।

महिला विश्व कप : यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा कैच, वोल्वार्ड्ट के कैच पर बोली अमनजोत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। महिला विश्व कप के फाइनल में अपने शानदार क्षेत्ररक्षण से दक्षिण अफ्रीका की सलामी जोड़ी को पवेलियन भेजने में योगदान देने वाली अमनजोत कौर ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के कैच को अपने अब तक के करियर का सबसे बड़ा कैच करार दिया। भारत ने रविवार का यहां फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर पहली बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया।

अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स को रन आउट कर वोल्वार्ड्ट के साथ पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने इसके बाद 42वें ओवर में वोल्वार्ड्ट का शानदार कैच उस समय लपका जब वह शतक पूरा कर भारत और जीत के बीच खड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी आठ ओवर में 79 रन की जरूरत थी और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भी शतक पूरा करने के बाद बड़े शॉट खेलने की तैयारी में थी।

उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद को डीप मिडविकेट की तरफ खेला और अमनजोत के हाथ से गेंद दो बार छिटकी लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में कैच पूरा कर स्टेडियम में मौजद दर्शकों के साथ टीम के खिलाड़ियों में जोश भर दिया।। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'वह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल कैच था, मैंने आज तक कभी मेरे हाथ से गेंद इस तरह से नहीं छिटकी थी। मैं या तो कैच लपकती थी या छूट जाता था। यह पहली बार है जब भगवान ने मुझे तीन मौके दिए।' उन्होंने कहा, 'वोल्वार्ड्ट का कैच काफी अहम था और उसके शतक के बाद हमें पता था कि वह एक छोर से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेगी।'

अमनजोत ने कहा कि वह गेंद और बल्ले की नाकामी को क्षेत्ररक्षण से पूरा करना चाहती थी। उन्होंने कहा, 'मैं बल्ले से बड़ा योगदान नहीं दे सकी थी और गेंदबाजी में भी बहुत प्रभावी नहीं थी, ऐसे में मेरा ध्यान बेहतर क्षेत्ररक्षण से उस कमी को पूरा करने पर था। मुझे पता था कि क्षेत्ररक्षण अच्छा रहेगा तो हम कुछ रन बचाकर दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ा सकते है।' अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें इससे पहले ब्रिट्स को रन आउट कर बढ़ दी थी। उनके सटीक थ्रो पर रन चुराने की कोशिश कर रही ब्रिट्स को पवेलियन लौटना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी के समय पिच थोड़ी बल्लेबाजी के अनुकूल हो गयी थी। हम यही बात कर रहे थे कि साझेदारी तोड़ना काफी जरूरी है। हम नहीं चाहते थे कि किसी भी मौके को हाथ से जाने दे। दूधिया रोशनी में ओस गिरने के बाद क्षेत्ररक्षण मुश्किल हो जाता है।'

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा

कोलंबो । श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरररराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

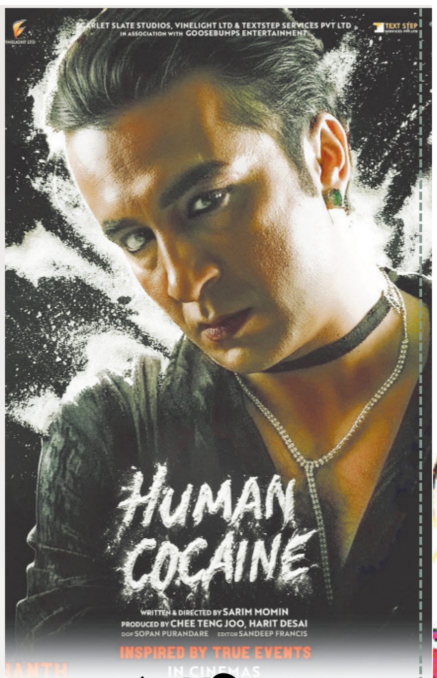

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ह्यूमन कोकेन में नजर आएंगे सिद्धांत कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। मैडॉक की स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर में वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, ह्यूमन कोकेन। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है। ह्यूमन कोकेन 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में सिद्धांत कपूर का लुक देखने लायक है। सिद्धांत कपूर बॉलीवुड फिल्मों में खूंखार विलेन का किरदार अदा करने वाले शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के बेटे हैं। श्रद्धा कपूर उनकी बहन हैं। सिद्धांत कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। सिद्धांत कपूर ने फिल्मों में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। उन्होंने ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर एन्ड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्ममेकिंग और एक्टिंग का कोर्स किया। इसके बाद एक डिस्क जॉकी के रूप में शुरुआत की। सिद्धांत ने करीब दो साल तक प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इनमें चुप चुपके, भूल भुलैया, भागम भाग, और ढोल जैसी फिल्में शामिल हैं।

2013 में शुरू किया अभिनय

सिद्धांत कपूर के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2013 में पहली बार फिल्म शूटआउट एट वडाला में अभिनय किया। इसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। इसके बाद सिद्धांत ने अगली में असिस्ट भी किया और एक छोटे से रोल में भी नजर आए। सिद्धांत जज्बा, हसीना पारकर, पलटन, हेलो चार्ली भूत-पार्ट 1 और चेहरे शामिल हैं। सिद्धांत वेब सीरीज भौकाल में भी नजर आ चुके हैं। उनका किरदार नेगेटिव था। इस साल सिद्धांत को नेटफ्लिक्स की सीरीज मंडला मर्डर्स में देखा गया था। इसके अलावा बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि सिद्धांत ने 1997 में आई सलमान खान की फिल्म जुड़वां में भी अभिनय किया था। वह रंगीला के रूप में नजर आए थे।

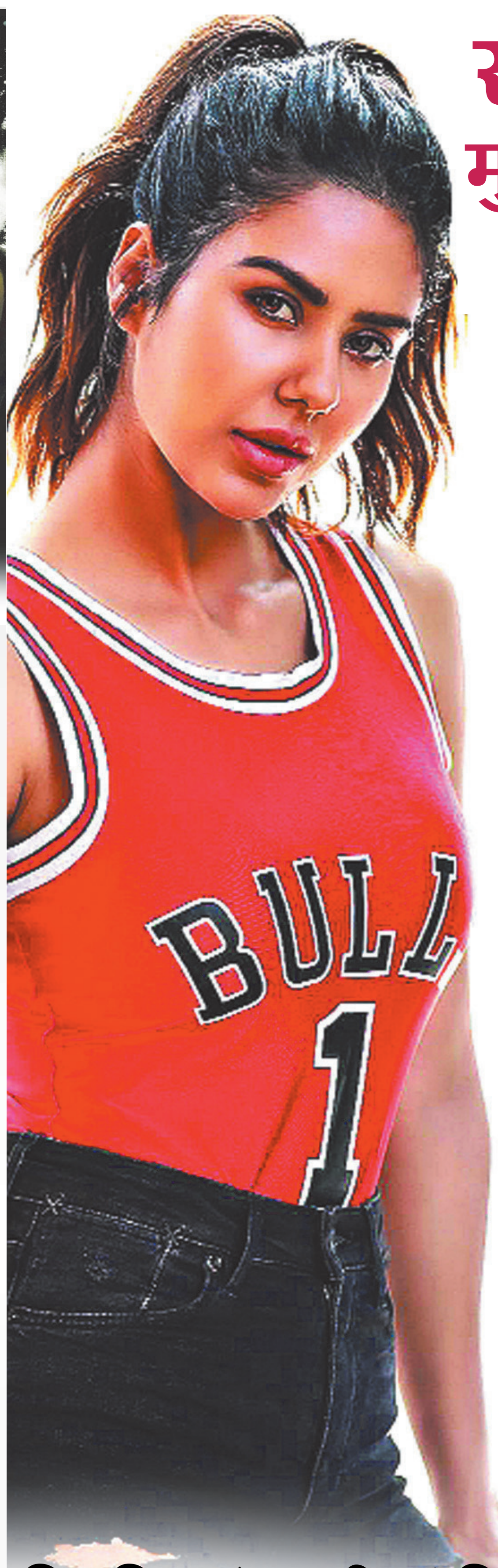

सोनम ने बताया कितना मुश्किल था फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का किरदार?

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में हर्षवर्धन राणे एक जुनूनी प्रेमी बने हैं। सोनम का रोल भी एकदम हटकर है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म और अपने किरदार को लेकर सोनम ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

आपको हर्षवर्धन के साथ मूवी करके कैसा लगा?

बहुत अच्छा लगा। बहुत कुछ सीखने को मिला मुझे। जब भी आपको इतने अच्छे एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो शानदार अनुभव रहता है। मैं बहुत ब्लेस्ड हूं। वह अपने काम को लेकर बहुत गंभीर हैं। ऐसे लोगों के साथ आप जब काम करते हैं तो आपकी फिल्म भी अच्छी बनती है और आपको काम करके भी मजा आता है। मेरा एक्सपीरियंस अच्छा रहा।

आपने इस फिल्म में इतना चैलेंजिंग रोल अदा किया है। कितना मुश्किल लगा?

मुश्किल से ज्यादा मैंने बहुत एंजॉय किया। एंजॉय इसलिए, क्योंकि मेरे पास ऐसा मौका आया, जिसका मैं इंतजार लंबे वक्त से कर रही थी। मुझे अभी भी लगता है कि जितना इमोशनल रोल मैं कर सकती हूं बतौर कलाकार, वह मौका अब भी नहीं मिला। मगर, जितना भी मौका मिला, मैंने किया। मुझे बहुत मजा आया। मुझे चैलेंजिंग रोल करके मजा आता है।

आप बहुत अच्छे से हिंदी बोल लेती हैं, क्योंकि फिल्म में बोली है। तो क्या शुरू से इतनी अच्छी हिंदी रही है?

मेरा जन्म उत्तराखंड में हुआ है। मेरी परवरिश यूपी में हुई है। मैं एक सिख परिवार में पली-बढ़ी हूं तो मुझे पंजाबी भी लिखनी, पढ़नी बोलनी सब आती है। हिंदी मैंने ऐसा कभी सोचा नहीं कि मेरी बहुत अच्छी है कि क्या है? मैं रोजमर्रा में हिंदी में बात करती हूं। ये मुझे लेकर परसेप्शन है कि मैं पंजाबी फिल्मों में काम करती हूं तो मेरी हिंदी ठीक नहीं है।

सामने आई अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनीत डकैत की रिलीज डेट

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनित फिल्म डकैत की नई रिलीज डेट तय हो गई है। पहले यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेष की चोट के कारण इसकी नई रिलीज डेट जारी की गई है।

मृणाल ठाकुर ने शेयर किया पोस्ट

मृणाल ने अपनी आगामी फिल्म डकैत का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए कैप्शन में लिखा, डकैत के साथ धमाकेदार ड्रामा का अनुभव करें। 19 मार्च, 2026 को हिंदी और तेलुगु में दुनिया भर में भव्य रिलीज।

डकैत और लव एंड वॉर में होगा मुकाबला

टीम ने आज आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर डकैत की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। डकैत 19 मार्च, 2026 को, उगादि और ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कथित तौर पर यह संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लव एंड वॉर के आस पास रिलीज होगी, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो रही है।

डकैत के बारे में

फिल्म डकैत एक प्रेम कहानी है। शेष और मृणाल के अलावा फिल्म में अनुराग कश्यप की अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन शनील देव ने किया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शनील देव ने मिलकर लिखी है। इस रोमांटिक एक्शन थ्रिलर में प्रकाश राज, सुनील, अतुल कुलकर्णी और जैन मैरी खान भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डॉन पलथारा की अगली फिल्म में दिलीश पोथन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी पार्वती थिरुवोथु

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन. दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर – ऐसा तिकडी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है. पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर लिखा – डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ. बेसब्र हूं. पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं. डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है – जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है. वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं. कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी.

स्पिरिट में हुई कोरियन एक्टर डॉन ली की एंट्री

साउथ इंडियन सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट में अब एक रोमांचक मोड़ आया है। इस फिल्म से अब एक कोरियन एक्शन एक्टर जुड़ गए हैं।

डॉन ली का फिल्म में स्वागत बुधवार को मेकर्स ने ऐलान किया कि ट्रेन टू बुसान और इटर्नल्स के लिए मशहूर एक्टर डॉन ली ने संदीप वांदा रेड्डी की एक्शन फिल्म स्पिरिट साइन कर ली है। मेकर्स ने उनका स्वागत करते हुए एक पोस्टर जारी किया। वहीं फैंस ने कमेंट्स में इस अंतरराष्ट्रीय जोड़ी पर खुशी जताई है। फिल्म स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो कबीर सिंह और एनिमल जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस महीने प्रभास के जन्मदिन पर पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में फिल्म स्पिरिट का साउंड स्टोरी टीजर जारी हुआ था। इस फिल्म में प्रभास और डॉन ली के अलावा विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। कथित तौर पर पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, लेकिन शेड्यूल की समस्या से उन्होंने फिल्म छोड़ दी। अब यह रोल तृप्ति डिमरी को मिला है। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। यह भूषण कुमार और संदीप की भद्रकाली पिक्चर्स का प्रोजेक्ट है।

बैटल ऑफ गलवां में सलमान के साथ नजर आएंगे गोविंदा

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

रजनीकांत सिनेमा से लेंगे संन्यास? कमल हासन संग काम के बाद होंगे रिटायर

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत एक ओर जहां 75 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच उनके रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई है। जी हां, तमिल मीडिया में यह चौंकाने और दिल तोड़ने वाली खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं कि थलाइवा अगले कुछ साल में फिल्मों से रिटायर हो सकते हैं। रजनीकांत फिलहाल नेल्सन के डायरेक्शन में बन रही जेलर 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि रजनीकांत बढ़ती उम्र के साथ आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से घिरे हुए हैं। हालांकि, बावजूद इसके वह लगातार अपनी फिल्मों के कारण यात्रा भी कर रहे हैं। फिलहाल उनकी झोली में 4 अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें से एक फिल्म दिग्गज एक्टर कमल हासन के साथ है। बताया जाता है इस मल्टीस्टारर फिल्म के बाद रजनी सर सिनेमा से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

रजनीकांत की झोली में कम से कम 4 फिल्में

बीते दिनों आई कुली के बाद रजनीकांत इन दिनों जहां जेलर 2 में बिजी हैं, वहीं इसके बाद वह RKFI के साथ एक और फिल्म करेंगे, जिसका निर्देशन सुंदर सी कर रहे हैं। इसकी घोषणा कुछ हफ़्तों में होने की उम्मीद है। इसके अलावा वह निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं, जिसकी टाइमलाइन अभी नहीं आई है। फिलहाल, रजनीकांत के पास कम से कम 4 फिल्में पाइपलाइन में हैं।

बीते दिनों, कमल हासन और रजनीकांत दोनों ने इस बड़े प्रोजेक्ट की पुष्टि खुद की थी। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि इस फिल्म को कौन डायरेक्ट करेगा। खबरों में नेल्सन दिलीपकुमार का भी नाम है। कहा जा रहा है कि नेल्सन 2027 में इस फिल्म को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन उससे पहले स्क्रिप्ट फाइनल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा किया जाएगा। वलाईपेचु की रिपोर्ट के मुताबिक, यह थलाइवा रजनीकांत की आखिरी फिल्म होगी।

रजनीकांत और कमल हासन करीब 4 दशक बाद साथ करेंगे काम

रजनीकांत और कमल हासन ने 1970 और 1980 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अपूर्व रागंगल (1975) और 16 वैयाथिनिले (1977) जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। पिछली बार वह करीब 4 दशक पहले पर्दे पर साथ दिखे थे।

भारत सरकार ने रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 2000 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण, और 2019 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, सात तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक नंदी पुरस्कार, एक फिल्मफेयर पुरस्कार और दो महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। रजनीकांत का असली नाम शिवाजी राव गायकवाड है। उन्होंने 1975 में अपूर्वा रागंगल फिल्म से डेब्यू किया था। कुली उनके करियर की 171वीं फिल्म थी।

गुलाबी मौसम में जरा बच के...

मौसमी बदलाव की आहट आ चुकी है। सुबह-शाम ठंड और प्रदूषण वाली हल्की धुंध भी असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही शुरू हो गई हैं सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं। लापरवाही के चलते किसी को सर्दी-जुकाम या चेस्ट कंजेशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो कुछ लोग ठंड की वजह से जॉगिंग बंद करने से परेशान हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस बदलते मौसम में फिट रख सकती है

घर पर करें वॉर्मअप

अगर आपको डायबीटीज, अस्थमा या दिल की बीमारी है तो सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय कोहरे के साथ प्रदूषण मिलकर पूरे वातावरण में फैल जाता है। इस दौरान बाहर निकलने से सांस के जरिए प्रदूषण फेफड़ों तक पहुंचकर कंजेशन बढ़ा सकता है। इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है या अस्थमा का अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में या तो धूप खिलने और आसमान साफ होने के बाद जॉगिंग या एक्सरसाइज के लिए बाहर निकलें या घर में ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस मौसम में दो तरह की एक्सरसाइज आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

1. कॉर्डियोवेस्कुलर वर्कआउट

सर्दियों में शरीर में जमने वाले एक्स्ट्रा फैट का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है। एम्स में मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रफेसर डॉ. ए.बी. डे का कहना है कि यह फैट दिल की धड़कनों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में दिल से जुड़ी बीमारियों की आशंका इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। वजन बढ़ने की समस्या भी इसी मौसम में ज्यादा होती है। इस तरह की परेशानी से निबटने के लिए आप घर पर ही कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग से जुड़ी आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसमें आपको 20 मिनट या इससे थोड़ा ज्यादा समय तक ऐसे व्यायाम करने होंगे, जो आपके दिल की धड़कनों को सामान्य से काफी तेज कर दें। घर पर आजमाई जाने वाली कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग के तहत अपनी जगह पर ही खड़े होकर जॉगिंग कर सकते हैं, रस्सी कूद सकते हैं, लगातार 20 से 25 बार उछल सकते हैं, घर की सीढ़ियों पर दो-तीन बार तेजी से ऊपर-नीचे कर सकते हैं। आप इनमें से हर एक को आजमा सकते हैं। हर तरह की एक्सरसाइज को 5-5 मिनट के लिए किया जा सकता है। ये तरीके आपके बाहर निकलने की परेशानी को भी दूर करेंगे, साथ ही आपके दिल को हमेशा जवां रखेंगे।

2. मांसपेशियों व जोड़ों से जुड़ा वर्कआउट

सर्दियों में मांसपेशियों का जकड़ जाना भी आम समस्या है। इसके अलावा, इस मौसम में जोड़ों के दर्द की परेशानी भी देखने को मिलती है। इसके लिए घर पर ही कुछ खास तरह की एक्सरसाइज के जरिए इन्हें दूर किया जा सकता है। मांसपेशियों के जकड़ जाने पर उन्हें व्यायाम के जरिए ही आराम पहुंचाया जा सकता है। पुशअप और पुलअप मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने का आसान तरीका है। इसके लिए कहीं भी बाहर निकलने की जरूरत नहीं है। इसके साथ घर पर ही एक्सरसाइज के कुछ खास उपकरणों के जरिए भी मांसपेशियों की जकड़न को दूर किया जा सकता है। डंबल से वॉर्मअप किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए आपको व्यायाम के लिए अलग से वक्त भी नहीं निकालना है। काम करते हुए भी कुछ मिनट का ब्रेक लें और बैठे-बैठे ही हाथ और पैरों के जोड़ को घुमाते रहें।

अपनाएं ये टिप्स

- कपड़ों का खास ध्यान रखें, अगर सुबह बाहर निकलते हैं तो गर्म कपड़े साथ रखें ताकि ठंड लगने पर उनका इस्तेमाल कर सकें।
- सुबह देर से घर से निकलने वाले अक्सर लापरवाही का शिकार होते हैं। देर शाम घर लौटते वक्त मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन दिन की गर्मी देखकर आप गर्म कपड़े आपने साथ नहीं रखते। ऐसी गलती न करें।
- अगर डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अस्थमा जैसी समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर मौजूदा मौसम के हिसाब से दवाओं के डोज आदि की जानकारी लें और दवाएं नियमित लें।
- बाइक चलाते वक्त विंड शीटर और मफलर का इस्तेमाल करें, क्योंकि सीने और नाक-कान के जरिए ठंडी हवा शरीर तक पहुंचने से समस्या बढ़ती है।
- बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता युवा लोगों के मुकाबले कम होती है।
- ठंड में आपको प्यास का अहसास कम होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके शरीर को कम पानी की जरूरत होती है। ठंड में भी खूब सारा पानी पिएं।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। वायरल बेहद संक्रामक होता है। साफ-सफाई में हल्की-सी लापरवाही होने पर भी यह तेजी से एक-दूसरे तक फैलता है।

कंप्यूटर पर काम करते वक्त
आंखों को दें थोड़ा आराम

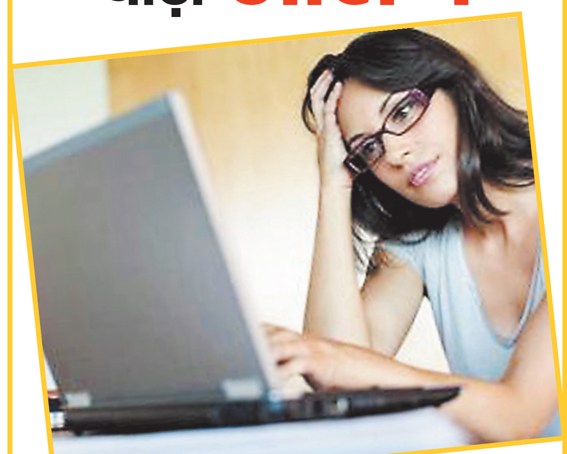

आज कंप्यूटर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। हर काम हमें कंप्यूटर पर ही करना होता है। लेकिन, कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने का असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इसकी वजह से कई बार हमारी आंखें लाल और थकी हुई लगती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों की रोशनी पर भी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि कंप्यूटर पर काम करते समय हम उसकी ब्राइटनेस को अडजस्ट करें, जिससे उसका ज्यादा असर हमारी आंखों पर न हो। आइए आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपनी आंखों का ख्याल रख सकते हैं-

आंखों के लिए लें ब्रेक - कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार नजरें गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। तो इसके लिए जरूरी है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेते रहें। कुछ देर के लिए अपनी नजरें कंप्यूटर से हटाकर दूर किसी चीज पर केंद्रित करें या फिर आप यूं ही कुछ देर के लिए अपनी सीट से उठकर घूमने जा सकते हैं। यह प्रॉसेस 20-30 मिनट के अंतराल पर कीजिए।

पलकें झपकाते रहें- पलकों को लगातार झपकाते रहना आंखों को तरो-ताजा बनाए रखने और उस पर पड़ने वाले दबाव को कम करने का कारगर तरीका है। कंप्यूटर पर काम करने वालों को हर तीन-चार सेकेंड में अपनी पलकों को झपकाते रहना चाहिए। दरअसल हमारी आंखों में एक द्रव्य होता है, जो पलकों के झपकाने से बनता है। लेकिन अगर आप बिना पलक झपकाए काम करते रहेंगे तो यह द्रव्य सूख सकता है और इससे आंखों की रोशनी जा सकती है।

कंट्रास्ट कम करना रहेगा बेहतर- अगर आपकी आंखों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ रहा है, तो एक बार अपने कंप्यूटर की ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट को भी अडजस्ट करके देखिए। इससे भी आपकी आंखों को फायदा होगा। कंप्यूटर की ब्राइटनेस न तो ज्यादा और न ही कम रखें।

कंप्यूटर फ्रेंडली बनें - ध्यान रखना होगा कि वर्कप्लेस पर रोशनी पर्याप्त है या नहीं। आपको एसी के नीचे बैठने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आंखों की नमी कम हो सकती है और आंखें रूखी हो सकती हैं।

इन्हें आजमाएं, कब्जियत दूर करें

हर एक रोगी आहार-विहार में असंयम के कारण कब्ज का शिकार होता है। कब्ज से ही दुनिया-भर की बीमारियाँ होती हैं। अपना आहार विहार सुसंयमित कर लें तो कभी कोई बीमारी नहीं होगी। असंयम के कारण कभी कोई रोग हो भी जाये तो प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उसका धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। ऐसा कोई रोग नहीं जो प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा नहीं किया जा सकता हो। प्राकृतिक चिकित्सा प्राणीमात्र के लिए वरदान है। अत- पहले संयम से रहकर कब्ज मिटाइए।

पहला प्रयोग - रात का रखा हुआ सवा लीटर पानी हर रोज सुबह सूर्योदय से पूर्व बासी मुँह पीने से कभी कब्जियत नहीं होगी तथा अन्य रोगों से सुरक्षा होगी।

दूसरा प्रयोग- रात्रि में पानी के साथ 2 से 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से अथवा 3-4 तोला (40-50 ग्राम) मुनक्का (काली द्राक्ष) को रात्रि में ठण्डे पानी में भीगोकर सुबह उन्हें मसलकर, छानकर थोड़े दिन पीने से कब्जियत मिटती है।

तीसरा प्रयोग- एक हरड़ खाने अथवा 2 से 5 ग्राम हरड़ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज मिटती है।

चौथी प्रयोग - गुडुच का सेवन लंबे समय तक करने से कब्ज के रोगी को लाभ होता है।

पाँचवाँ प्रयोग कड़ा मल होने व गुदाविकार की तकलीफ में जात्यादि तेल या मलहम को शौच जाने के बाद अंगुली से गुदा पर लगायें। इससे 7 दिन में ही रोग ठीक हो जायगा। साथ में पाचन ठीक से हो ऐसा ही आहार लें। छोटी हरड़ चबाकर खायें।

छठा प्रयोग- एक गिलास सादे पानी में एक नींबू का रस एवं दो-तीन चम्मच शहद डालकर पीने कब्ज मिट जाता है।

सातवाँ प्रयोग- एक चम्मच सौंफ का चूर्ण और 2-3 चम्मच गुलकन्द प्रतिदिन दोपहर के भोजन के कुछ समय पश्चात् लेने से कब्ज दूर होने में सहायता मिलती है।

सावधानी - कब्ज सब रोगों का मूल है। अत- पेट को सदैव साफ रखना चाहिए। रात को देर से कुछ भी न खायें तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। मैदे से बनी वस्तुएँ एवं दही अधिक न खायें।

कैसा हो भोजन

भोजन हमारी मूल आवश्यकता है। इसके बगैर अधिक दिनों तक जीवित नहीं रहा जा सकता है, लेकिन वह कब, कैसे और कितना करना चाहिए, इस बारे में आमजनों को जानकारी नहीं है। परिणामस्वरूप उन्हें अपच, गैस, एसिडिटी कब्ज आदि की शिकायत होने लगती है। भोजन ऐसा हो जो शरीरी को पोषण प्रदान करें।

भोजन ऐसा हो जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश हो यानी प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज, लवन तथा रेशा। भोजन में सलाद का होना जरूरी है, जिसमें ककड़ी, टमाटर, प्याज, चुकंदर, पत्तागोभी, मूली, गाजर आदि हो।

भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां अवश्य हो जैसे पालक, मेथी, बथुआ, मूली आदि इसके अलावा मौसमी सब्जियां, जैसे गिलकी, तुरई, भिंडी, पत्ता गोभी, फूल गोभी, लौकी, कद्दू, गवारफली, मटर, टिंडा, हरा चना, आलू, अरबी आदि।

दालों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, जिसमें मूंग, तुअर, चना, मसूर की दाल शामिल है। उड़द की दाल का सेवन कम करें।

कब न करें

जब मन खिन्न, उदास हो
जब किसी की बीमारी या मौत का सदमा लगा हो
जब आप गुस्से और तनाव में हों
जब आपके घर में पारिवारिक कलह मच रहा हो
जब भूख न हो।

कैसे करें

जल्दबाजी में नहीं, धैर्यपूर्वक करें
खड़े होकर नहीं, बैठकर भोजन करें
भोजन को ठीक से चबाकर करना चाहिए
भोजन के दौरान अधिक बतियाएं नहीं
भोजन करते समय अपना टीवी, मोबाइल फोन बंद रखें
भोजन करते समय अखबार या पत्रिकाएं न पढ़ें
भोजन को शांतभाव और प्रसन्नचित होकर करना चाहिए
एक हाथ से भोजन करें, दोनों हाथ जूठे करना ठीक नहीं
लेटे-लेटे भोजन करने की प्रवृति ठीक नहीं।
भोजन के पहले यह करें
हाथ, मुंह और पैर अच्छे से धोएं
सुविधाजनक कपड़े पहनें
यदि भोजन के पहले कोई दवा गोली लेना हो तो वह लें
यदि शौच की हाजत लगे तो निवृत हो लें
भोजन से ठीक पहले यह न करें
चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें
डटकर पानी न पिएं।

कितना करें

भूख से थोड़ा कम खए

भोजन की जरूरत शारीरिक श्रम के अनुसार कम अधिक हो सकती हैं।

बढ़ती आयु के किशोरों को अधिक तथा प्रौढो व वृद्धों को कम भोजन की आवश्यकता होती है।

कितना ही पसंदीदा भोजन क्यों न हो जरूरत से ज्यादा न करें

खाने के लिए जीने की बजाय जीने के लिए खाने का सिद्धांत अपनाएं

सप्ताह में एक दिन उपवास रखें

सर्दियों में पाचन क्रिया तेज रहती है, लेकिन गर्मी व बारिश में मंद पड़ जाती है

भोजन करने के दौरान किसी अप्रिय प्रसंग को न छेड़ें
भोजन जैसा भी बना हो उसे स्वीकार करें
भोजन के दौरान उत्तेजित न हों
थाली को छोड़कर कोई काम निपटाने न जाएं

भोजन के बाद यह करें

मूत्र त्याग के लिए जाएं
दिन के भोजन के बाद 20 मिनट विश्राम करें
रात्रि भोजन के बाद 100 कदम टहले
भोजन के एक घंटे बाद पानी पिएं

भोजन के बाद यह न करें

भोजन के तुरंत बाद ढेर सारा पानी न पिएं
भोजन के तुरंत बाद कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, आइस्क्रीम आदि का सेवन न करें।
भोजन के तुरंत बाद अधिक परिश्रम वाले कार्य न करें
भोजन करते ही शौच के लिए न जाएं
भोजन के तुरंत बाद कसरत या व्यायाम वर्जित है।